आदिवासी एक्सप्रेस

आमजन का एक मात्र हिंदी दैनिक अखबार

रांची, सोमवार
21 अप्रैल 2025
वर्ष: 38, अंक: 141
पृष्ठ: 12, मूल्य: 3रु
RNI NO.: 49065/1989
DAVP CODE: 130961

राज्य

2027 के उप्र चुनावों में भी 'इंडिया' गठबंधन जारी रहेगा: अखिलेश यादव

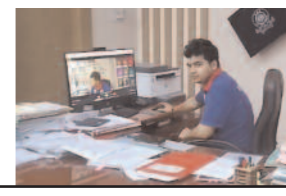

संथाल

सरकार द्वारा संचालित योजनाओं में फर्जी लाभुक का एंट्री करने पर नपेंगे ऑपरेटर, बीएलई-डीसी

झारखंड

कोडरमा प्रो-कबड्डी लीग प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में झारखंड के खेल मंत्री ने दिया कोडरमा आने का आश्वासन

निशिकांत दुबे ने भाजपा के इशारे पर दिया बयान: प्रदीप यादव

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

रांची। झारखंड में कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के बयान की आलोचना करते हुए इसे भड़काऊ और असंवैधानिक करार दिया है। इसके साथ ही उन्होंने दुबे द्वारा सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश संजीव खन्ना के ऊपर की गई टिप्पणी को देश के लिए चिंता का विषय करार दिया है। उन्होंने कहा कि उनकी टिप्पणी न सिर्फ अपमानजनक है, बल्कि लोकतंत्र के मूल स्तंभ पर सीधा प्रभार है। यह बयान न्यायपालिका का सिर्फ अपमान नहीं है, बल्कि संवैधानिक संस्थाओं को डराने- धमकाने वाला है, न्यायालय की स्वतंत्रता को छीनने वाला है।

उनका बयान दर्शाता है कि यह भाजपा नेतृत्व के इशारे पर दिया गया है। नेतृत्व की सहमति के बाद ही सांसद द्वारा इस तरह का वक्तव्य दिया जा सकता है। भाजपा की रणनीति का यह हिस्सा है।

इस दौरान मौजूद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि पिछले दिनों कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में लिए गए निर्णय के आलोक में 40 दिनों तक चलने वाले संविधान बचाओ अभियान सहित

अन्य बिंदुओं पर गहन समीक्षा के लिए प्रदेश कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक 22 अप्रैल को आहूत की गई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश, जिला, विधानसभा स्तर पर संविधान बचाओ रैली का आयोजन किया जाएगा। इसके पूर्व प्रदीप यादव ने कहा कि निशिकांत दुबे द्वारा उच्चतम न्यायालय के अधिकार पर उंगली उठाना उनके बड़बोलेपन और अल्पज्ञान का परिचायक है।निशिकांत का बयान सोची-समझी रणनीति का हिस्सा संविधान की धारा 13, धारा 25 सहित कई धाराएं उच्चतम न्यायालय को शक्ति देती है कि संविधान की मूल भावना के विपरीत कोई कानून बनेगा तो वह उसकी समीक्षा कर सकता है। उन्होंने कहा कि यह बयान एक सोची समझी रणनीति का हिस्सा है।

कांग्रेस संविधान, लोकतंत्र और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। अगर भाजपा सच में इस बयान से किनारा करना चाहती है तो अपने बड़बोले सांसद को बर्खास्त करे। संवाददाता सम्मेलन में विधायक सुरेश बैठा, अनादि ब्रह्म, राकेश सिन्हा, सतीश पाल मुंजनी, सोनाल शांति, गजेंद्र सिंह राजन वर्मा भी उपस्थित थे।

कांग्रेस के बाद अब झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने भी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद डॉ निशिकांत दुबे पर हमला बोाल है. झामुमो ने गोड्डा के सांसद को बर्खास्त करने की मां भाजपा से कर दी है.

न्यायपालिका पर दिये गये भाजपा सांसद के बयान को झारखंड की सत्तारूढ़ पार्टी झामुमो ने लोकतंत्र विरोधी करार दिया है. झामुमो केंद्रीय समिति के सदस्य और वरिष्ठ नेता विनोद कुमार पांडेय ने कहा है कि भाजपा देश में मनुस्मृति लागू करना चाहती है. उन्होंने कहा कि भाजपा को देश के संवैधानिक ढांचे पर विश्वास ही नहीं है.

निशिकांत दुबे को थोड़ा पढ़कर ज्ञान लेना चाहिए, सिर्फ बड़बोल से नहीं चलेगा: प्रदीप बलमुचू

वहीं, दूसरी ओर घाटशिला में भी निशिकांत के बयान पर कांग्रेस नेता ने आक्रोश जताया है। कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सह घाटशिला के पूर्व विधायक डॉ. प्रदीप कुमार बलमुचू ने कहा कि कानून सुप्रीम कोर्ट बना रही संसद बंद कर देना चाहिए जैसे बयान भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के द्वारा दिए जाना हास्यास्पद है। भाजपा के शासन के काल में ये एक नई परंपरा शुरु हुई है। इनके लोग सुप्रीम कोर्ट जैसे सर्वोच्च संस्थाओं पर सवाल खड़े करते है, जिन न्यायिक संस्थाओं के भरोसे ही आज पूरा देश संविधान के अनुरुप चल रहा है। वे रविवार को घाटशिला के दौरे पर थे। डॉ. बलमुचू ने कहा की भाजपा हमेशा संविधान के अधिकार को दबाने की कोशिश करती है। इसकी शुरुआत उन प्रदेशों से हुई जहां भाजपा विपक्ष के तौर पर है। वैसे प्रदेशों में निर्वाचित सरकारों ने विधानसभा में विधायकी कानून पास करके राज्यपाल के पास स्वीकृति के लिए दे दिया। लेकिन वैसे बिल राज्यपाल के पास अटके रहते है, जबकि संविधान बोलता अगर उसमें गड़बड़ी है या तो वापस कर दीजिए। अगर ठीक है तो राष्ट्रपति के पास भेज दीजिए। लेकिन बिल को न तो वापस भेजा जाता न ही राष्ट्रपति के पास भेजा जाता है। उस समय सरकारें न्यायालय के शरण में ही जाती है। कोई भी सरकार कानून बनाकर अपने मन से नहीं चल सकता। सुप्रीम कोर्ट की जिम्मेदारी है बिल में संविधान की रक्षा हो रही या नहीं, संविधान के अनुरूप काम हो रहा या नहीं ये देखना है। इसमें कोई दिक्कत किसी को होना नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि निशिकांत दुबे को थोड़ा पढ़कर ज्ञान लेना चाहिए, सिर्फ बड़बोलापन से काम नहीं चलेगा। भाजपा सांसद के ऐसे बयान बतलाता है कि उनकी पार्टी व उनकी सोच न्यायिक प्रणाली के प्रति क्या है। भाजपा के लोग व उनके सांसद शायद ये भूल गए शायद हमारा देश संविधान व कानून से चलता है। उसी के अनुरुप ही चलेगा।

पेयजल घोटाले में तत्कालीन मंत्री मिथिलेश ठाकुर को भी मिला हिस्सा: इडी

क्राइम संवाददाता द्वारा

रांची: पेयजल विभाग में हुए घोटाले में तत्कालीन मंत्री मिथिलेश ठाकुर को भी हिस्सा मिला है. उनके भाई विनय ठाकुर ने कमीशन में मिले हिस्से की मनी लाउंड्रिंग की है. पेयजल विभाग के तत्कालीन सचिव मनीष रंजन की पत्नी मानस कुमार के साथ मिल कर ऑरेंज मिडिया इंफो प्राईवेट लिमिटेड नामक कंपनी चलाती है.

पेयजल विभाग के टेंडर के मूल्य का 10 प्रतिशत कमीशन के रुप में वसूला जाता था. इसमें से मंत्री, सचिव, इंजीनियर और दूसरे अधिकारियो को हिस्सा मिलता है. प्रवर्तन निदेशालय (इडी) ने एडजुडिकेटिंग ऑथरिटी में दायर याचिका में यह बात कही है.

इडी ने पेयजल घोटाले में छापामारी के दौरान अस्थायी रूप से जब्त सामग्रियों यथा निवेश से संबंधित दस्तावेज, नकद, एफडी आदि को स्थायी रूप से जब्त करके रखने की अनुमति मांगी थी. इडी ने इसमें कुल 15 लोगों को प्रतिवादी बनाया था. इसमें आईएएस अधिकारी मनीष रंजन, अधीक्षण अभियंता, कार्यपालक अभियंता, सीए सहित अन्य शामिल है.

एडजुडिकेटिंग ऑथरिटी ने सभी पक्षों की दलील सुनने के बाद इडी के अनुरोध को स्वीकार करते हुए पीएमएलए की धारा 20, 21 के तहत छापामारी के दौरान जब्त सामग्रियों को आगे की जांच के लिए महत्वपूर्ण मानते हुए जब्त रखने का आदेश दिया है. साथ ही प्रतिवादियों को फैसला के खिलाफ़ ट्रिब्यूनल में अपील करने का समय दिया है.

छापामारी के दौरान निरंजन कुमार के ठिकानों से 5.53 लाख रुपये, विभोर सिंघानिया के ठिकानों से 47.50 लाख रुपये और सुरेश महतो के ठिकाने से 2.05 लाख रुपये नक़द जब्त किये गये थे.

इडी की ओर से दायर याचिका में पीएमएलए की धारा 50 के तहत दर्ज किये गये बयान मे मिले तथ्यों की जानकारी दी गयी है. इसमें कहा गया है कि संतोष कुमार ने अपने बयान में यह स्वीकार किया है कि पेयजल विभाग में टेंडर मूल्य का 10 प्रतिशत कमीशन के तौर पर वसूला जाता है.

कमीशन के रकम की वसूली इंजीनियर सुरेश कुमार के माध्यम से की जाती है. विभाग के टेंडर पर उसका नियंत्रण है. कमीशन के तौर पर वसूली जाने वाली रकम में विभागीय मंत्री, सचिव, इंजीनियरों और अन्य कर्मचारियों की हिस्सेदारी निश्चित है. संतोष ने अपने बयान में करीब 23.00 करोड़ रुपये की फर्जी निकासी में से बांटे गये 12.00 करोड़ रुपये का ब्योरा भी दिया है. हिस्सा लेने वालों में इंजीनियर निरंजन कुमार, प्रभात कुमार सिंह, चंद्रशेखर सहित अन्य का नाम है.

इंजीनियर निरंजन कुमार का सीए मनीष कुमार अग्रवाल है. वह निरंजन कुमार की काली कमाई को निवेश करने में मदद करता है. इडी की ओर से दायर याचिका में कहा गया है कि विभाग में टेंडर से कमीशन के तौर पर होने वाली वसूली में मंत्री को भी एक निश्चित हिस्सा मिलता है.

याचिका के मुताबिक तत्कालीन मंत्री मिथिलेश ठाकुर का भाई विनय कुमार ठाकुर मनी लाउंड्रिंग में शामिल है. वह अपने मंत्री भाई को कमीशन के रूप में मिली राशि का लाउंड्रिंग, वेदांत खीरवाल की मदद से करता है. वेदांत खीरवाल, विनय ठाकुर का करीबी है.

झारखंड में भी मुर्शिदाबाद जैसे हालात बन जाएंगे: चंपई सोरेन

संवाददाता द्वारा

रांची, लोहरदगा, गुमला, साहिबगंज, पाकुड़ हर तरफ तेजी से धर्मांतरण हो रहा है। सरकार चुप्पी साधी हुई हैं। आदिवासियों की परंपरागत मांझी परगना महाल व्यवस्था खत्म हो रही है। वर्ष 1967 में सबसे पहले कांग्रेस पार्टी के सांसद कार्तिक उरांव ने संसद में आदिवासी परंपरा को बचाने के लिए डिलिस्टिंग लागू करने की मांग की थी। लेकिन तत्कालीन इंदिरा गांधी सरकार ने इस पर ध्यान नहीं दिया।

कांग्रेस ने हमेशा आदिवासियों के साथ धोखा किया है। आज राज्य की सत्ता में वह भी साझेदार है। इसलिए यह सरकार कभी आदिवासियों का विकास नहीं कर सकती।

संथाल परगना की हालत ऐसी है कि वहां मुखिया एवं जिला परिषद आदिवासी महिलाएं हैं पर उनके पति मुस्लिम है। ऐसा यदि होता रहा तो आदिवासियों की संख्या और घट जाएगी। इसलिए दूसरे समुदाय में विवाह करनेवाली आदिवासी लड़कियों का आरक्षण रोकना जरूरी है। इसे लेकर संथाल परगना में जल्द ही लाखों की संख्या में आदिवासियों को जुटाकर बड़ा आंदोलन खड़ा किया जाएगा। चम्पाई ने कहा कि

आदिवासियों का इतिहास संघर्ष से भरा हुआ है।

बाबा तिलका मांझी से लेकर सिद्धू कान्हू, चांद भैरव, बिरसा मुंडा सबने आजादी की लड़ाई लड़ी थी। उसके बाद दिशोम गुरु शिबू सोरेन एवं मेरे नेतृत्व में झारखंड अलग राज्य की लड़ाई लड़ी गई।

आज धर्म परिवर्तन के जरिए हमारे अस्तित्व एवं परंपरागत व्यवस्था पर चोट पहुंचाई जा रही है। इसके खिलाफ भी संघर्ष के लिए तैयार रहना है।

पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने कहा कि चाकुलिया प्रखंड में मुस्लिम समुदाय के लोगों का बड़ी संख्या में जो फर्जी जन्म प्रमाण पत्र बना है, उसकी जांच कर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। यह क्षेत्र पश्चिम बंगाल से सटा हुआ है।

बांग्लादेशी घुसपैठ का खतरा यहां भी है। इसलिए फर्जी सर्टिफिकेट मामले को पूरी गंभीरता से लिया जाना चाहिए।

आदिवासियों का अधिकार छीन रही सरकार: चंद्रमोहन

आदिवासी सम्मेलन में दिशोम तरफ परगना चंद्र मोहन मंडी ने कहा कि राज्य की वर्तमान सरकार आदिवासियों का अधिकार छीन रही है। सुप्रीम कोर्ट ने पेसा एक्ट के जरिए जो अधिकार हमें दिया है उसका अनुपालन नहीं किया जा रहा है। आदिवासियों पर अत्याचार एवं धर्मांतरण बढ़ता जा रहा है। राज्य की अबुआ सरकार आदिवासियों को छलने का काम कर रही है।

झारखंड में घुसपैठियों को आपने बनाया वोटर, पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त पर इस नेता ने जड़ा आरोप

संवाददाता द्वारा

रांची। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे ने पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त डॉ. एस. वाई. कुरैशी पर मुस्लिम आयुक्त होने का आरोप लगाते हुए सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया है। दुबे ने अपने पोस्ट में कुरैशी के एक पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी, जिसमें कुरैशी ने वक्फ कानून को सरकार की ऐसी योजना बताया था, जो मुस्लिम जमीनों को हड़पने के लिए बनाई गई है। दुबे ने कुरैशी पर झारखंड के संथाल परगना क्षेत्र में उनके कार्यकाल के दौरान बांग्लादेशी घुसपैठियों को मतदाता बनाने का आरोप लगाया।

असल में 17 अप्रैल को पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त कुरैशी ने एक एक्स पोस्ट में लिखा था, यह वक्फ कानून निश्चित रूप से मुस्लिमों की जमीन हड़पने की सरकार की एक बहुत बुरी साजिश है। मुझे पूरा विश्वास है कि सुप्रीम कोर्ट इसे गलत बताएगा। शरारती प्रचार तंत्र ने भी गलत जानकारी फैलाकर अपना काम अच्छे से कर दिया है।

इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए 20 अप्रैल को निशिकांत दुबे ने लिखा, आप चुनाव आयुक्त नहीं, मुस्लिम आयुक्त थे। झारखंड के संथाल परगना में बांग्लादेशी घुसपैठियों को वोटर सबसे ज़्यादा आपके कार्यकाल में ही बनाया गया। इस्लाम धर्म भारत में 712 में आया, उसके पहले तो यह जमीन हिंदुओं की या उस आस्था से जुड़ी आदिवासी, जैन या बौद्ध धर्मावलंबियों की थी।

उन्होंने देश को जोड़ने की अपील करते हुए पोस्ट में आगे लिखा, मेरे गांव विक्रमशिला को बख्तियार खिलजी ने 1189 में जलाया। अतिश दीपांकर के तौर पर विक्रमशिला विश्वविद्यालय ने दुनिया को पहला कुलपति दिया। इस देश को जोड़ो, इतिहास पढ़ो। तोड़ने से पाकिस्तान बना, अब बंटवारा नहीं होगा?

दुबे के ट्वीट के बाद सोशल मीडिया पर समर्थन और विरोध दोनों देखने को मिले। कुछ यूजर्स ने उनके बयान का समर्थन करते हुए कहा कि देश को ऐसे नेताओं की जरूरत है जो सच बोलने की हिम्मत रखते हों।

इससे पहले भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने वक्फ कानून पर सुप्रीम कोर्ट की चल रही सुनवाई के संदर्भ में न्यायपालिका की भूमिका पर सवाल उठाए थे। उन्होंने न्यायपालिका की भूमिका पर सवाल उठाते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट में कहा था कि यदि सुप्रीम कोर्ट ही कानून बनाएगा, तो संसद को बंद कर देना चाहिए। दुबे के इस बयान पर विपक्ष ने तीखी प्रतिक्रिया जाहिर की। वहीं, भारतीय जनता पार्टी ने इस बयान से किनारा करते हुए इसे नेता की व्यक्तिगत राय करार दिया और ऐसी टिप्पणियों से बचने का निर्देश जारी किया।

एनटीपीसी की चट्टी बरियातु कोल परियोजना में एक और आदिम जनजाति गीता बिरहोर की मौत

क्राइम संवाददाता द्वारा

रांची: एनटीपीसी के चट्टी बरियातु कोयला खनन परियोजना के लिए खनन कार्य कर रही कंपनी ऋत्विक-एएमआर द्वारा खनन के दुष्प्रभाव से आदिम जनजाति समुदाय के दुर्गा बिरहोर और किरणी बिरहोर की पूर्व में मौत हुई थी. अब एक बार फिर से शुक्रवार को देर रात्रि पगार बिरहोर टोला निवासी विफा बिरहोर की 34 वर्षीय पत्नी गीता देवी बिरहोर की मौत हो गई है.

मृतका के एक पुत्र और तीन पुत्रियां हैं. बताया जाता है कि कुछ दिनों से उसे सांस में दिक्कत थी और खून की उल्टी भी हो रही थी. परिजनों ने उसे शेख भिखारी मेडिकल अस्पताल में दिखाया भी, लेकिन समुचित इलाज नहीं होने के कारण उसकी मौत हो गई.

ज्ञात हो कि उक्त परियोजना खुलने के बाद से ही विवादों में रही है. आरोप है कि एनटीपीसी खनन, पर्यावरण एवं आम जनजीवन के सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करके आनन-फ़ानन में खनन कार्य चालू कर दिया था. जिसके बाद से अब तक आदिम जनजाति समुदाय के तीन लोगों की मौत हो चुकी है.

गीता बिरहोर की मौत ऐसे समय मे हुआ है जब मामले में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने सख्त कदम उठाया है. आयोग ने कड़ी टिप्पणी करते हुए एनटीपीसी के सीएमडी और हज़ारीबाग़ डीसी से स्पष्टीकरण मांगा है. राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने यह कहा है कि बेशक एनटीपीसी के द्वारा खनन किया जा रहा है, जबकि यह उचित नहीं है.

मामले के तथ्य और संयुक्त निरीक्षण समिति की रिपोर्ट आयोग को यह मानने के लिए बाध्य करती है कि एनटीपीसी और जिला प्रशासन ने बिरहोर आदिवासियों के जीवन और कल्याण पर खनन गतिविधि को प्राथमिकता दी है. समस्याओं और जानमाल के नुकसान के बावजूद चट्टी बरियातु खनन परियोजना में खनन कार्य बेरोकटोक जारी है. बिरहोर समुदाय के जीवन के अधिकार पर खतरा मंडरा रहा है.

गीता बिरहोर की मौत महज कुछ दिनों पहले राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने एनटीपीसी के सीएमडी को निर्देश दिया था कि वो चार सप्ताह के भीतर आयोग को चट्टी बरियातु खनन परियोजना में खनन कार्य जारी रहने के कारणों से अवगत कराएं, जबकि विधिवत गठित समिति ने बिरहोरों को परेशान करने वाले स्वास्थ्य और अन्य मुद्दों की पहचान करने के बाद बिरहोरों को स्थानांतरित किए जाने तक खनन कार्य को रोकने की सलाह दी है.

वे आयोग को यह भी सूचित करेंगे कि भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया शुरू करने से पहले सामाजिक प्रभाव आकलन किया गया था या नहीं. यदि हां, तो इसका विवरण भी आयोग को भेजा जाए. वहीं हजारीबाग के उपायुक्त को निर्देश दिया जाता है कि वे संयुक्त समिति के निष्कर्षों और टिप्पणियों पर जिला प्रशासन द्वारा की गई कार्रवाई के बारे में चार सप्ताह के भीतर आयोग को सूचित करें.

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग को हज़ारीबाग़ डीसी के द्वार गठित एसडीएम सदर की रिपोर्ट एवं संयुक्त समिति ने स्थल का निरीक्षण कर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत किया गया था. आयोग द्वारा उठाए गए बिंदुओं पर आयोग ने अपने निष्कर्ष में पाया कि एनटीपीसी चट्टी बरियातु कोयला खनन परियोजना दिनांक 25 अप्रैल 2022 को शुरू हुई, बिरहोर टोला, जो पगार गांव में पड़ता है, में 33 घर हैं. इनमें से 04 घर, जो खनन स्थल के नजदीक हैं, जीर्ण-शीर्ण अवस्था में हैं. बिरहोर टोला के निवासी भारी धूल के कारण बीमारियों से ग्रसित पाए जाते हैं. खांसी के साथ बुखार, श्वास नली में संक्रमण आदि अक्सर देखे जाते हैं. यह भी बताया गया है कि एनटीपीसी द्वारा 25 फीट ऊंचा हरित जाल बनाया गया है.

सरकारी स्कूल में प्राइवेट स्कूल जैसा एक्सपेरिमेंट! पहले डेमो क्लास, फिर लीजिए नामांकन

बिशेष प्रतिनिधि द्वारा

हजारीबाग: बड़े-बड़े निजी शैक्षणिक संस्थान की तरह अब सरकारी स्कूल के शिक्षक और शिक्षिकाएं छात्रों को स्कूल से जोड़ने के लिए डेमो क्लास का आयोजन कर रही हैं. संभवतः परियोजना चरही के बालिका उच्च स्कूल, झारखंड का पहला ऐसा सरकारी स्कूल है जहां शिक्षक छात्रों का एडमिशन स्कूल में कराने की कोशिश कर रही हैं. शिक्षक गांव कस्बे घूम-घूमकर छात्रों और उनके परिवार वालों को स्कूल के डेमो क्लास के बारे में बता रही हैं.

टीचर अभिभावकों से वादा कर रहे हैं कि अगर स्कूल की शिक्षा अच्छा नहीं है तो प्रवेश भी मत लेना. आलम यह है कि जिस विद्यालय में एक्का दुक्का विद्यार्थियों का प्रवेश होता था वहां यह संख्या बढ़ रही है. शिक्षकों का प्रयास रंग ला रहा है. हजारीबाग डीसी नैंसी सहाय ने भी इन

शिक्षकों के हौसले को उड़ान देने की कोशिश के साथ शुभकामनाएं दी हैं.

ऐसे बड़े निजी शैक्षणिक संस्थान हैं जहां डेमो क्लास की व्यवस्था है. विद्यार्थियों को पहले यह बताया जाता है कि उन्हें किस तरह की शिक्षा दी जाएगी. छात्र संतुष्ट होते हैं तो वह उसे संस्थान में एडमिशन ले लेते हैं. यह परंपरा सरकारी स्कूलों में नहीं है. परियोजना बालिका उच्च विद्यालय चरही के शिक्षक ने सच कर दिखाई है. डेमो क्लास के नाम पर छात्रों की स्पोकन इंग्लिश, जनरल नॉलेज, सोशल स्टडीज की जानकारी दी जाती है. इसके अलावा विद्यार्थियों में शिक्षा के प्रति रुझान हो और पढ़ाई सरल हो, इसे देखते हुए म्यूजिक क्लास का आयोजन किया जाता है. विद्यार्थियों से पूछा जाता है कि स्कूल कैसा है?. विद्यार्थी संतुष्ट होते हैं और वह फिर स्कूल में प्रवेश ले लेते हैं.

हजारीबाग की परियोजना बालिका उच्च विद्यालय चरही पहला सरकारी स्कूल है, जो क्लास 9वीं में नामांकन लेने से पहले विद्यार्थियों को डेमो क्लास के लिए आमंत्रित करता है. स्कूल में पढ़ाने वाली शिक्षक कुमारी ममता बताती है कि यह प्रयोग करने से विद्यार्थी प्रवेश लेने के लिए पहुंच रहे हैं और उनमें उत्सुकता भी जाग रही है. विद्यार्थियों को मोबिलाइज करना किसी चुनौती से कम नहीं है. घर-घर जाकर उनके माता-पिता को शिक्षा के प्रति जागरूक करना होता है. जब बच्चियां स्कूल आती है तो उनके साथ कुछ इस कदर घुल मिल जाना होता है कि वह बार-बार स्कूल आए. यही कारण है कि डेमो क्लास क्षेत्र में हिट कर रहा है.

वही टीचर वीरेंद्र कुमार बताते हैं कि यह प्रयोग के तौर पर किया जा रहा है. शिक्षकों को मेहनत अधिक करनी होती है. जब छात्राएं स्कूल में प्रवेश लेती हैं तो बेहद खुशी होती है. डेमो क्लास के जरिए छात्रों को शिक्षा से जोड़ा जा रहा है.

डेमो क्लास ने बढ़ाया छात्राओं में उत्साह : आठवीं बोर्ड की परीक्षा के बाद बच्चे घर में ही बैठे रहते हैं. रिजल्ट आने के बाद नामांकन के लिए वह तैयार करते हैं. ऐसे समय में बच्चों को सही समय का उपयोग और शिक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए डेमो क्लास की व्यवस्था की गई है. डेमो क्लास बच्चों को स्कूल और उसमें दी जा रही शिक्षा व्यवस्था को समझने का मौका देती है. जिससे छात्र पूरी तरह निर्भिक और निश्चित होकर स्कूल आकर पढ़ाई करते हैं.

महाराष्ट्र राजनीतिक धमाका : उद्धव राज ठाकरे से हाथ मिलाने को तैयार

शनिवार को भारतीय कामगार सेना की 57वीं वार्षिक सभा को संबोधित करते हुए उद्धव ने कहा, "मैं राज ठाकरे के साथ मिलकर काम करने को तैयार हूं। महाराष्ट्र के हित में मैं छोटी-मोटी घटनाओं को भूलकर आगे बढ़ने को तैयार हूं। मैंने सारी लड़ाइयां खत्म कर दी हैं। महाराष्ट्र का हित मेरी प्राथमिकता है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि अगर महाराष्ट्र की जनता चाहती है कि ठाकरे भाई एक साथ आएं, तो वह इस दिशा में कदम उठाएंगे। उद्धव का यह बयान बीएमसी चुनाव से पहले एक रणनीतिक कदम माना जा रहा है, क्योंकि शिवसेना (यूबीटी) और एमएनएस दोनों ही मराठी मतदाताओं के बीच प्रभाव रखते हैं। राज ठाकरे ने भी उद्धव के बयान का स्वागत करते हुए समान भावना व्यक्त की। उन्होंने कहा, "हमारे बीच का विवाद छोटा है, लेकिन यह महाराष्ट्र और मराठी लोगों के लिए नुकसानदेह साबित हो रहा है। अगर महाराष्ट्र चाहता है कि हम एक साथ आएं, तो मैं अपने अहं को आड़े नहीं आने दूंगा।

ब्यूरो

शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने मनसे नेता राज ठाकरे के साथ हाथ मिलाने की इच्छा जताई है। उन्होंने शनिवार को कहा कि मैंने राज ठाकरे से सारी लड़ाई खत्म की। बीएमसी चुनावों से पहले इस बड़ा राजनीतिक कदम माना जा रहा है। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने अपने चचेरे भाई और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के अध्यक्ष राज ठाकरे के साथ राजनीतिक गठबंधन की संभावना को हरी झंडी दिखाकर महाराष्ट्र की सियासत में शनिवार 19 अप्रैल को एक नया मोड़ ला दिया है। उद्धव ने कहा कि वह महाराष्ट्र के हित में सभी पुरानी लड़ाइयों को भुलाकर राज के साथ मिलकर काम करने को तैयार हैं। यह बयान ऐसे समय में आया है, जब बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनाव नजदीक हैं और महा विकास अघाड़ी (एमवीए) गठबंधन चुनौतियों का सामना कर रहा है। उद्धव और राज ठाकरे, शिवसेना के संस्थापक बाला साहेब ठाकरे के बेटे और भतीजे हैं। दोनों की राजनीतिक यात्रा एक समय शिवसेना के साझा मंच पर शुरू हुई थी, लेकिन 2005 में मतभेदों के चलते राज ने शिवसेना छोड़कर एमएनएस की स्थापना की। राज की आक्रामक और मराठी अस्मिता पर केंद्रित राजनीति ने उन्हें एक अलग पहचान दी, लेकिन उनकी पार्टी शिवसेना की तरह व्यापक प्रभाव नहीं बना सकी। दोनों भाइयों के बीच वर्षों तक तल्खी रही, हालांकि समय-समय पर सुलह की बातें भी सामने आईं। शनिवार को भारतीय कामगार सेना की 57वीं वार्षिक सभा को संबोधित करते हुए उद्धव ने कहा, "मैं राज ठाकरे के साथ मिलकर काम करने को तैयार हूं। महाराष्ट्र के हित में मैं छोटी-मोटी घटनाओं को भूलकर आगे बढ़ने को तैयार हूं। मैंने सारी लड़ाइयां खत्म कर दी हैं। महाराष्ट्र का हित मेरी प्राथमिकता है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि अगर महाराष्ट्र की जनता चाहती है कि ठाकरे भाई एक साथ आएं, तो वह इस दिशा में कदम उठाएंगे। उद्धव का यह बयान बीएमसी चुनाव से पहले एक रणनीतिक कदम माना जा रहा है, क्योंकि शिवसेना (यूबीटी) और एमएनएस दोनों ही मराठी मतदाताओं के बीच प्रभाव रखते हैं। राज ठाकरे ने भी उद्धव के बयान का स्वागत करते हुए समान भावना व्यक्त की। उन्होंने कहा, "हमारे बीच का विवाद छोटा है, लेकिन यह महाराष्ट्र और मराठी लोगों के लिए नुकसानदेह साबित हो रहा है। अगर महाराष्ट्र चाहता है कि हम एक साथ आएं, तो मैं अपने अहं को आड़े नहीं आने दूंगा।" राज ने यह भी स्पष्ट किया कि उनके लिए बाला साहेब ठाकरे ही एकमात्र नेता थे, और वह उद्धव के साथ काम करने में कोई आपत्ति नहीं देखते। उद्धव का यह कदम ऐसे समय में आया है, जब एमवीए गठबंधन, जिसमें शिवसेना (यूबीटी), कांग्रेस और एनसीपी (शरद पवार) शामिल हैं, पिछले साल विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद संकट से जूझ रहा है। उद्धव ने हाल ही में चुनाव परिणामों को "अविश्वसनीय" और "सुनामी जैसा"

बताया था, जिससे गठबंधन की एकजुटता पर सवाल उठे हैं। दो दिनों पहले पूर्व सीएम एकनाथ शिंदे ने राज ठाकरे के आवास पर जाकर भोजन किया था। उस समय शिंदे ने कहा था कि उनके विचार आपस में मिलते हैं। उसी मुलाकात के बाद उद्धव और राज ठाकरे के एक होने की सूचनाएं फैलने लगी थीं। लेकिन कहा जा रहा है कि दोनों के एक होने की सूचना पाकर ही शिंदे वहां गए थे। राज ठाकरे ने हाल के वर्षों में भाजपा के साथ करीबी दिखाई थी, खासकर 2024 के लोकसभा चुनाव में उन्होंने महायुति गठबंधन का समर्थन किया था। हालांकि, एमएनएस को विधानसभा चुनाव में कोई सीट नहीं मिली, जिसके बाद राज ने अपनी रणनीति पर पुनर्विचार शुरू किया। बीएमसी चुनाव, जो भारत की सबसे बड़ी नगर निगम संस्था का चुनाव है, महाराष्ट्र की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। शिवसेना ने लंबे समय तक बीएमसी पर कब्जा जमाए रखा, लेकिन 2022 में पार्टी के विभाजन और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के उदय ने समीकरण बदल दिए। उद्धव और राज का संभावित गठजोड़ मराठी मतदाताओं को एकजुट करने और भाजपा-शिंदे गठबंधन को चुनौती देने की रणनीति हो सकता है। राज की एमएनएस भले ही विधानसभा में सीटें न जीत सकी हो, लेकिन मुंबई और ठाणे जैसे शहरी क्षेत्रों में उनके पास एक समर्पित कार्यकर्ता आधार है। अगर दोनों ठाकरे भाई एक साथ आते हैं, तो यह मराठी अस्मिता के मुद्दे को फिर से मजबूती दे सकता है, जो शिवसेना और एमएनएस दोनों का मूल आधार रहा है। उद्धव और राज के बीच यह सुलह कितनी गहरी होगी और क्या यह बीएमसी चुनाव में कोई ठोस गठबंधन बन पाएगा, यह अभी स्पष्ट नहीं है। दोनों नेताओं ने महाराष्ट्र के हित को प्राथमिकता देने की बात कही है, लेकिन अतीत में उनके बीच गहरे मतभेद रहे हैं। उद्धव ने जहां एमवीए के साथ रहकर समावेशी राजनीति की दिशा में कदम बढ़ाए हैं, वहीं राज ने हाल के वर्षों में हिंदुत्व और मराठी अस्मिता पर आक्रामक रुख अपनाया है। यह गठजोड़ अगर सफल होता है, तो यह न केवल बीएमसी चुनाव, बल्कि भविष्य के विधानसभा चुनावों में भी महाराष्ट्र की सियासत को नया रंग दे सकता है। फिलहाल, सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि ठाकरे भाई अपनी पुरानी रंजिशों को कितनी जल्दी और कितनी मजबूती से पीछे छोड़ पाते हैं।

अमित शाह के बयान का खंडन क्यों करना पड़ा एआईएडीएमके को

ब्यूरो

नेता एडप्पादी के. पलानीस्वामी (एढर) ने स्पष्ट किया कि भाजपा के साथ गठबंधन सिर्फ 2026 के तमिलनाडु चुनावों के लिए है। यह एक तरह से अमित शाह के बयान का खंडन है। अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एआईएडीएमके) के महासचिव एडप्पादी के. पलानीस्वामी (ईपीएस) ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान का खंडन किया है। पलानीस्वामी ने स्पष्ट किया कि 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के साथ उनकी पार्टी का गठबंधन केवल चुनावी है। इसमें सत्ता साझेदारी या गठबंधन सरकार का कोई इरादा नहीं है। यह बयान अमित शाह के उस दावे के पांच दिन बाद आया, जिसमें उन्होंने कहा था कि बीजेपी और एआईएडीएमके मिलकर 2026 के चुनाव लड़ेंगे और सरकार बनाएंगे। पिछले हफ्ते चेन्नई में एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में अमित शाह ने घोषणा की थी कि बीजेपी और एआईएडीएमके 2026 के विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के बैनर तले एक साथ लड़ेंगे, और यह

गठबंधन ईपीएस के नेतृत्व में तमिलनाडु में सरकार बनाएगा। शाह ने यह भी संकेत दिया था कि यह एक गठबंधन सरकार होगी। हालांकि, बुधवार को विधानसभा से निकलते समय पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए ईपीएस ने कहा, "आप लोग गलत व्याख्या कर रहे हैं और शब्दों के साथ खिलवाड़ करने की कोशिश कर रहे हैं। कृपया ऐसा करना बंद करें।" उन्होंने दावा किया कि शाह ने गठबंधन सरकार की बात नहीं की थी, बल्कि केवल यह कहा था कि गठबंधन चुनाव में जीत हासिल करेगा। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि तमिलनाडु में 1967 के बाद से डीएमके और एआईएडीएमके दोनों ने कई दलों के साथ गठबंधन किए हैं, लेकिन उन्होंने कभी गठबंधन सरकार नहीं बनाई। उन्होंने कहा, "यहां तक कि जब डीएमके के पास सरकार बनाने के लिए पर्याप्त विधायक नहीं थे, तब भी उन्होंने अपने गठबंधन सहयोगियों का समर्थन लेकर अल्पमत सरकार बनाई। तमिलनाडु के लोग गठबंधन सरकार की अवधारणा से परिचित नहीं हैं और उन्हें इस तरह के दलों के एकीकरण पर संदेह रहता है। एआईएडीएमके और बीजेपी का गठबंधन 2023 में टूट गया था, जब एआईएडीएमके ने बीजेपी तमिलनाडु के पूर्व अध्यक्ष के. अन्नामलाई के "टकरावपूर्ण रवैये" का हवाला देकर गठबंधन से बाहर निकलने का फैसला किया था। हालांकि, हाल के महीनों में दोनों दलों के बीच फिर से गठबंधन की अटकलें तेज हो गई थीं। मार्च 2025 में ईपीएस और शाह की दिल्ली में मुलाकात ने इन अटकलों को और हवा दी। 11 अप्रैल को शाह ने औपचारिक रूप से गठबंधन की घोषणा की, और उसी दिन बीजेपी ने अन्नामलाई को तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष पद से हटाकर नैनार नागेंद्रन को नया अध्यक्ष नियुक्त किया। ईपीएस का यह बयान तमिलनाडु की राजनीति में एक रणनीतिक कदम के रूप में देखा जा रहा है, क्योंकि यह उनकी पार्टी की स्वायत्तता और नेतृत्व को मजबूत करने का प्रयास है। विश्लेषकों का मानना है कि ईपीएस का यह रुख यह सुनिश्चित करने की कोशिश है कि गठबंधन में एआईएडीएमके की प्रमुख भूमिका बनी रहे। साथ ही, यह बयान बीजेपी के साथ गठबंधन को लेकर पार्टी के भीतर और समर्थकों के बीच किसी भी असंतोष को कम करने का प्रयास भी हो सकता है। हालांकि, बीजेपी की ओर से अभी तक ईपीएस के इस बयान पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। तमिलनाडु बीजेपी अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन ने कहा कि इस मामले पर शाह और पलानीस्वामी मिलकर फैसला लेंगे। एआईएडीएमके और बीजेपी का गठबंधन 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) के खिलाफ एक मजबूत विपक्षी मोर्चा बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। हालांकि, ईपीएस का गठबंधन सरकार से इनकार और केवल चुनावी गठबंधन पर जोर देना दोनों दलों के बीच भविष्य में तनाव का कारण बन सकता है। तमिलनाडु की राजनीति में यह गठबंधन कितना प्रभावी होगा, यह आने वाले समय में ही स्पष्ट होगा।

अब अखिलेश यादव ने आगरा में खेल दिया वो कार्ड, जो बढ़ाएगा भाजपा की मुश्किलें

दीपक तिवारी

आगरा : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने आगरा में सामाजिक न्याय की नई क्रांति का नारा दिया। उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय की वैचारिक लड़ाई का आगरा नया केंद्र बनकर उभरेगा। वह शनिवार को साफ कर गए कि 2027 का चुनाव अगड़ा बनाम पीडीए होगा। सपा मुखिया ने पीडीए कार्ड को नई धार दी और सपाइयों में जोश भरा। कहा कि वह आगरा में संकल्प लें और इसे सामाजिक न्याय का प्रतीक मानें। पीडीए से 2024 में मिली सफलता को सपा 2027 चुनाव में फिर भुनाना को आतुर है। इसलिए शनिवार को उनके निशाने पर एक तरफ योगी सरकार में पीडीए के लोगों पर हुए अत्याचार रहे, तो दूसरी तरफ बाबा साहब के संविधान को पीडीए के लिए ढाल बताया। आगरा में नौ विधानसभा सीटें और 15 लाख से अधिक दलित, पिछड़ा और अल्पसंख्यक मतदाता हैं। सिर्फ बाह की सीट छोड़कर बाकी आठ सीटों पर कभी भी सपा का खाता नहीं खुला। 30 साल से सपा तीसरे नंबर की पार्टी रही। लेकिन 2022 के चुनाव में सपा, कांग्रेस और रालोद ने गठबंधन करके चुनाव लड़ा। इससे वोट प्रतिशत में इजाफा हुआ और नौ विधानसभा सीटों में से छह पर गठबंधन दूसरे नंबर पर रहा। राणा सांगा पर मचे घमासान के बाद सपा सुमन को दलित नेता के रूप में प्रोजेक्ट कर रही है और बाबा साहब के नाम पर दलितों को साधने में लगी है। वहीं, अल्पसंख्यक और गैर यादव मतदाताओं में भी अपनी पैठ बनाने में जुटी है। सपा सांसद के आवास पर हुए हमले को दलित नेता के घर पर हमले के रूप में प्रचारित कर रही है। सपा मुखिया ने पार्टी पदाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि महापुरुषों पर कोई टिप्पणी न करें। इसके साथ ही कहा कि इतिहास को इतिहास ही रहने दिया जाए। क्योंकि इतिहास में कई ऐसी बातें हैं, जो न हमें पसंद आएंगी और न उन्हें। सपा प्रमुख के आने पर आगरा, मथुरा, हाथरस, इटावा, मेरठ तक से कार्यकर्ता व पार्टी पदाधिकारी आगरा आए थे।

पश्चिम बंगाल में हिंसा तो थमी, लेकिन राजनीति हुई तेज

प्रभाकर मणि तिवारी

पश्चिम बंगाल में हालिया हिंसा की घटनाएं भले ही थम गई हों, लेकिन उसके बाद की सियासी हलचल लगातार तेज़ हो रही है। जानिए राजनीतिक दल क्या आरोप-प्रत्यारोप लगा रहे हैं। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में वक़्फ़ विरोधी क़ानून के विरोध में शुरू हुआ प्रदर्शन और हिंसा तो थम गई है और हालात धीरे-धीरे सामान्य हो रहे हैं। लेकिन इस मुद्दे पर शुरू हुई राजनीति थमने की बजाय लगातार तेज हो रही है। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और विपक्षी भाजपा दोनों ने इस हिंसा के लिए एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहराया है। दोन के आरोप में एक बात कॉमन है। वह यह कि यह हिंसा बाहरी व्यक्तियों के जरिए कराई गई है। भाजपा के एक नेता ने तो राज्य में विवादास्पद अफस्पा कानून लागू करने तक की मांग उठा दी है। पार्टी ने इस मामले की जांच एनआईए से कराने की भी मांग उठाई है। जिले के धुलियान, सूती और शमशेरगंज इलाको में बीते शुक्रवार से होने वाली हिंसा रोकने के लिए कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश पर संवेदनशील इलाकों में राज्य पुलिस के जवानों के अलावा केंद्रीय बलों की 17 कंपनियां तैनात की गई हैं। पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार ने कहा कि इलाके में परिस्थिति अब नियंत्रण में है। मंगलवार को नए साल के पहले दिन इलाके में धीरे-धीरे मिठाई और दवा की कुछ दुकानें तो खुली हैं। लेकिन इस हिंसा ने नए साल की रौनक फीकी कर दी है। हिंसा और आगजनी की वजह से इलाका छोड़ कर जाने वाले सैकड़ों परिवारों ने भागीरथी नदी के दूसरे किनारे पर बसे मालदा जिले के वैष्णनगर में स्कूलों और अपने परिजनों के घरों पर शरण ली है। प्रशासन अब उनकी वापसी का प्रयास कर रही है। एक पुलिस अधिकारी के मुताबिक, अब तक 17 परिवार लौट आए हैं। बाकियों को भी लौटाने की कोशिश की जा रही है। हालाँकि हिंसा की चपेट में रहने इलाकों में अब भी भारी तनाव है। इसी वजह से पलायन करने वाले लोग फिलहाल लौटने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं। उनका सवाल है कि इस समय तो पुलिस और केंद्रीय बलों के जवान मौजूद हैं। लेकिन उनके लौटने के बाद हमारा क्या होगा? अगर दोबारा हमले हुए तो हमें कौन बचाएगा? यहाँ इस बात का जिक्र प्रासंगिक है कि मुर्शिदाबाद देश का सबसे मुस्लिम बहुल ज़िला है। वर्ष 2011 की जनगणना के मुताबिक़, यहां मुस्लिमों की आबादी

66 फ़ीसदी से कुछ ज़्यादा थी। बीते सप्ताह से जारी हिंसा में अब तक कम से कम तीन लोगों की मौत हो चुकी है और सैकड़ों मकान और दुकानें जला दी गई हैं। पुलिस ने इस मामले में अब तक दो सौ से ज़्यादा लोगों को गिरफ्तार किया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से लेकर पुलिस के तमाम अधिकारियों से लोगों से अफवाहों से बचने और किसी के उकसावे में नहीं आने की अपील की है। लेकिन उनकी इस अपील से भी हिंसा झेलने वाले लोगों के मन में भरोसा नहीं पैदा हो रहा है। पहले वक्फ कानून के खिलाफ अल्पसंख्यक संगठनों ने जंगीपुर के पास नेशनल हाइवे पर प्रदर्शन करते हुए वाहनों की आवाजाही ठप कर दी थी। उसे हटाने के लिए मौके पर पहुंचे पुलिस वालों पर भी पथराव किया गया। पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पहले लाठीचार्ज किया और फिर आंसू गैस के गोले छोड़े। उसके बाद अगले दिन बी यही सिलसिला दोहराया गया। वक्फ विरोधी यह आंदोलन तेजी से दूसरे इलाकों में भी फैला और हिंसक हो उठा। शुक्रवार और शनिवार को इसने सांप्रदायिक रूप ले लिया। उसके बाद भीड़ ने गैर-मुस्लिमों के मोहल्ले में हमला किया और तोड़फोड़ शुरू कर दी। शुरुआती हिंसा के बाद प्रशासन ने इलाके में धारा 163 लागू करते हुए इंटरनेट पर पाबंदी लगा दी थी। हिंसा बढ़ते देख कर कलकत्ता हाईकोर्ट ने भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी की एक याचिका पर इलाके में केंद्रीय बलों की तैनाती का निर्देश दिया। उसके बावजूद अलग-अलग इलाकों में हिंसा भड़कती रही। इससे आतंकित लोगों का पलायन भी शुरू हो गया। रविवार शाम से हालात में कुछ सुधार आया। लेकिन अब भी इलाके में भारी आतंक है। दूसरी ओर, इस मुद्दे पर राजनीति लगातार तेज हो रही है। खासकर जिले के घोषपाड़ा और रतनपुर जैसे हिंदू मोहल्लों में अब भी सन्नाटे का आलम है। वहाँ भाजपा का प्रभाव है। पार्टी के नेताओं ने इस हिंसा के लिए तृणमूल कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया है। प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने सोमवार शाम को मालवा जिले में उस स्कूल का भी दौरा किया जहां कई हिंदू परिवारों ने शरण ले रखी है। उन्होंने प्रभावितों को पार्टी की ओर से हरसंभव मदद का भी भरोसा दिया। वैसे, भाजपा के दावों के उलट इस हिंसा में कई मुस्लिम परिवार भी प्रभावित हुए हैं। कइयों के मकान व दुकानें जला दी गई हैं। भाजपा की याचिका के आधार पर ही कलकत्ता हाईकोर्ट ने शनिवार को मौके पर केंद्रीय बलों की तैनाती का निर्देश दिया था। इसके बाद वहां बीएसएफ़ और सीआरपीएफ़ की कुल 17 कंपनियां तैनात की गई हैं। इसके अलावा राज्य पुलिस के जवान भी मौके पर मौजूद हैं। सुरक्षा बल के जवान विभिन्न इलाकों में रूट मार्च कर रहे हैं। इसके साथ ही प्रभावित इलाकों में इंटरनेट सेवा मंगलवार शाम तक बंद कर दी गई है। दूसरी ओर, तृणमूल कांग्रेस ने इस हिंसा के लिए भाजपा और बाहरी लोगों को जिम्मेदार ठहराया है। इलाके के तृणमूल कांग्रेस विधायक मनीरूल इस्लाम कहते हैं कि उनका घर शमशेरगंज थाने से महज सौ मीटर दूर है। लेकिन बावजूद इसके भीड़ ने वहां तोड़फोड़ करने के बाद लूटपाट की। उनका सवाल है कि अगर जनप्रतिनिधि ही सुरक्षित नहीं हैं तो कौन सुरक्षित रहेगा? पुलिस हमारी सुरक्षा में नाकाम रही है। मनीरूल का कहना था कि उनके परिवार के लोगों ने दूसरी जगहों पर शरण ले रखी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बीते शुक्रवार को स्थानीय लोगों ने वक्फ कानून के खिलाफ प्रदर्शन शुरू किया था। लेकिन शनिवार को इसने सांप्रदायिक रंग ले लिया। अब पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि ऐसा कैसे हुआ। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कानून व्यवस्था) जावेद शमीम ने अफवाह फैलाने वालों को चेतावनी दी है। उनका कहना था कि लोग दूसरे राज्यों में बैठ कर अफवाह फैला रहे हैं। लेकिन पुलिस किसी भी अपराधी को नहीं बख्शेगी। राजनीतिक पर्यवेक्षकों का कहना है कि भाजपा इस मुद्दे को अपने सियासी हित में इस्तेमाल करने का प्रयास कर रही है। उसके तमाम नेता लगातार इस पर बयानबाजी में जुटे हैं और तृणमूल कांग्रेस सरकार को कटघरे में खड़ा करने का प्रयास कर रहे हैं

संक्षिप्त समाचार

सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल राहुल कुमार राणा का इलाज के दरमियान मृत्यु

बड़कागांव। 16 अप्रैल को आईडीबीआई बैंक के पास आपस में बाइक टक्कर सड़क दुर्घटना में घायल आराहरा टीपी 5 निवासी 26 वर्षीय राहुल कुमार राणा की इलाज के दरमियान रविवार को रांची हॉस्पिटल में मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल राहुल कुमार राणा 16 अप्रैल को बड़कागांव हॉस्पिटल में इलाज के पश्चात रांची रेफर कर दिया गया था, तब से स्थिति गंभीर बनी हुई थी और वह बेहोशी की हालत में था।
बताते चले की राहुल बचपन में ही अपने पिता को खो दिया था।राहुल एनटीपीसी के अंतर्गत शिवा शक्ति कन्वेयर बेल्ट में काम करता था । जिससे परिवार का भरण पोषण होता था। राहुल का 2023 में विवाह हुआ था। 16 माह का बच्चा है। घटना की खबर सुनकर कृष्णा राम सांसद सह प्रतिनिधि मृतक के घर पहुंच कर परिजनों को ढाढस बंधाया। घर वाले का रो रो कर बुरा हाल है। साथ ही कृष्ण राम ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि मोटरसाइकिल सावधानी से चलाए और अपनी सुरक्षा के लिए हेलमेट का प्रयोग अवश्य करें।

विभावि परीक्षा विभाग की विशेष कार्य पदाधिकारी सह प्लेगरिज्म ओएसडी बनी डॉ इफ्शा खुर्शीद

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। विभावि के प्रभारी कुलपति डॉ दिनेश कुमार सिंह ने झारखंड राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम, 2000 के प्रावधानों के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए। विभावि हजारीबाग के नोडल अधिकारी, पीएचडी साहित्यिक चोरी एवं शोधगंगा का कार्य डॉ. इफ्शा खुर्शीद, सहायक प्रोफेसर, विश्वविद्यालय अर्थशास्त्र विभाग, विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग को तत्काल प्रभाव से नियुक्त किया गया। पीएचडी साहित्यिक चोरी एवं शोधगंगा से संबंधित सभी कार्य संकायाध्यक्ष, विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग के परामर्श से किए जाने हैं। इसके अतिरिक्त डॉ. एच.एन. सिन्हा, डीन विज्ञान संकाय, विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग को डॉ. इफ्शा खुर्शीद को कार्यभार सौंपने का निर्देश दिया है।

कुंज बिहारी साहू को प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष बनने पर लोगों ने दी बधाई

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता बड़कागांव
बड़कागांव। कुंज बिहारी साहू को तेली साहू समाज संघर्ष समिति के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने पर समाज के लोगों ने प्रसन्नता जाहिर की व बधाई दी है। कुंज बिहारी साहू ने प्रेस विज्ञप्ति जार करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील साहू को आभार व्यक्त किया है। कहा कि मैं पूरी ईमानदारी के साथ समाज के लिए कार्य रहूंगा। बधाई देने वालों में रामविलास साहू ,अयोध्या साहू, अर्जुन साव, मुखिया महेश साव, पूर्व मुखिया तपेश्वर साव, गणेश प्रसाद गुप्ता, लखन प्रसाद, पूर्व मुखिया चंद्रिका साव, पूर्व विधायक प्रतिनिधि चंदर साव, मुखिया दिनेश साहू, पूर्व जिला अध्यक्ष नंदलाल साव, जिला संयोजक रणधीर साहू व अन्य शामिल है।

हजारीबाग जिला टेबल टेनिस संघ के तत्वाधान में जिला स्तरीय ओपन टेबल टेनिस टूर्नामेंट 26 अप्रैल और 27 अप्रैल को

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। हजारीबाग जिला टेबल टेनिस संघ के तत्वाधान में जिला स्तरीय ओपन टेबल टेनिस टूर्नामेंट 26 अप्रैल और 27 अप्रैल को नमन विद्या स्कूल मासी पीढ़ी हजारीबाग में होने जा रहा है जिसमें जिसमें विभिन्न आयु ग्रुप के अंडर 11, 13, 15 ,17, 19 और 19 के ऊपर कोई भी हजारीबाग के खिलाड़ी इस टूर्नामेंट में भाग ले सकते हैं विशेष जानकारी के लिए संयुक्त सचिव श्री रविंद्र कुमार फोन नंबर 9835357833 पर जानकारी ले सकते हैं इस टूर्नामेंट में कोई भी भाग ले सकते हैं उपयुक्त जानकारी संघ के सचिव भैया मुरारी सिन्हा ने दी।

अन्नदा कॉलेज में साइबर धोखाधड़ी पर जागरूकता व्याख्यान आयोजित

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। अन्नदा कॉलेज के बीसीए विभाग की ओर से आज साइबर धोखाधड़ी से बचाव के उपायों पर एक व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को तेजी से बढ़ते ऑनलाइन साइबर अपराधों और धोखाधड़ी से अवगत कराना तथा उनसे बचाव के उपायों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता श्रीमती अर्चना रीना धान, सहायक प्रोफेसर, कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग, यूसेट, विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग रहीं। उन्होंने उपस्थित छात्रों और शिक्षकों को साइबर सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत जानकारी दी। श्रीमती धान ने बताया कि किस प्रकार हैकर्स व्यक्तिगत जानकारी चुराकर लोगों को आर्थिक नुकसान पहुँचा रहे हैं और इससे कैसे सतर्क रहा जा सकता है। सेमिनार में राजनीति विज्ञान, अंग्रेजी, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र और बीसीए विभागों के छात्र-छात्राओं के साथ-साथ संबंधित विभागों के शिक्षक भी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। सभी ने इस व्याख्यान को बेहद उपयोगी और समयानुकूल बताया।

विद्वतजनों ने आधुनिक तकनीक की दक्षता पर दिया जोर

● गौतम बुद्ध शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में दो दिवसीय आनलाइन वर्कशॉप का समापन ● तकनीकी मूल्यांकन और आकलन की प्रभावी विधियों के विकास पर पर दी गई जानकारी ● सीटीपीडी इंडिया के सहयोग से शिक्षकों और प्रशिक्षुओं को बताई गई विविध पहलुओं की डिजिटल तकनीक ● देशभर के विभिन्न संस्थानों से जुड़े करीब 250 प्रतिभागी

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। गौतम बुद्ध शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय मुकुंदगंज, हजारीबाग के शिक्षकों और प्रशिक्षुओं का दो दिवसीय आनलाइन वर्कशॉप शनिवार को संपन्न हो गया। इसमें शामिल विद्वतजनों ने आधुनिक तकनीक की दक्षता पर जोर दिया। साथ ही डेवलपमेंट इफेक्टिव मेथड आफ टेक्निकल असेस्मेंट एंड इवैल्यूएशन पर विस्तार से जानकारी देते हुए इसे वर्तमान शिक्षा के लिए प्रभावी और अनिवार्य बताया।
दूसरे और अंतिम दिन के वर्कशॉप में झारखंड, केरल, गुजरात, उत्तराखंड, त्रिपुरा, ओडिशा, पंजाब समेत देशभर के विभिन्न संस्थानों के करीब 250 प्रतिभागी शामिल हुए।
अंडर इंटरनल क्वालिटी असोरेंस सेल (आइक्यूएसी) के तत्वावधान में

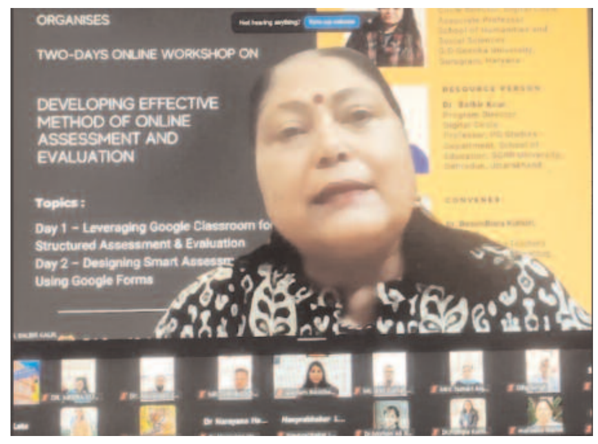

काउंसिल फॉर टीचर्स प्रोफेशनल डेवलपमेंट (सीटीपीडी) इंडिया के सहयोग से आयोजित वर्कशॉप में तकनीकी मूल्यांकन और आकलन की प्रभावी विधियों के विकास पर जानकारी दी गई।
इस कार्यशाला के माध्यम से मुख्य अतिथि प्रोग्राम डायरेक्टर, सीटीपीडी डीन, फैकल्टी आफ एजुकेशन मदरहूड यूनिवर्सिटी, रूड़की उत्तराखंड के प्रोफेसर एसपी पचौरी ने भी अपनी बातें रखीं और वर्तमान दौर में इसकी उपयोगिता को लाभकारी बताया।
वहीं मुख्य प्रशिक्षक डॉ बलबीर कौर, प्रोफेसर, स्कूल आफ एजुकेशन श्री गुरु राम राय यूनिवर्सिटी देहरादून, उत्तराखंड और प्रोग्राम डायरेक्टर डिजिटल सर्किल सीटीपीडी इंडिया ने आनलाइन प्रभावी तकनीकी मूल्यांकन प्रणाली, प्रश्न और टूल्स तकनीकी दक्षताओं की बेहतर परख, डिजिटल युग में ऑनलाइन मूल्यांकन को विश्वस्नरीय बनाने आदि के बारे में बताया। वहीं गूगल के माध्यम से आनलाइन क्लासरूम विकसित करने, परीक्षा लेने, मूल्यांकन कर नंबर देने समेत कई जानकारी उपलब्ध कराई।
प्रोफेसर गोपाल कृष्ण ठाकुर, डीन, स्कूल एजुकेशन, हेड, डिपार्टमेंट ऑफ एजुकेशन एंड डिपार्टमेंट ऑफ साइकोलॉजी, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय वर्धा (महाराष्ट्र) ने भी आधुनिक तकनीक में दक्षता हासिल करने की आवश्यकता और ऐसी कार्यशाला की निरंतरता पर बल दिया।
डॉ संजय कुमार चौधरी, प्रोफेसर एंड प्रिंसिपल सरस्वती कालेज आफ प्रोफेशनल स्टडीज गाजियाबाद और प्रेसिडेंट सीटीपीडी इंडिया ने ऐसी कार्यशाला समय-समय पर आयोजित करने की सलाह दी।
हेड एंड एसोसिएट प्रोफेसर डिपार्टमेंट आफ एजुकेशन स्कूल आफ लिबरल आर्ट्स जीडी गोयनका यूनिवर्सिटी गुरुग्राम व सर्किल डायरेक्टर डिजिटल सर्किल सीटीपीडी इंडिया की डॉ प्रवेश लता ने भी कार्यशाला को संबोधित किया।
आइक्यूएसी को-आर्डिनेटर डॉ अनुरंजन कुमार ने विषय प्रवेश कराते हुए कहा कि तेजी से बदलते तकनीकी युग में यह अत्यंत आवश्यक हो गया है कि हम तकनीकी क्षमताओं और दक्षताओं का सही और सटीक मूल्यांकन करें। सभी के लिए यह जरूरी है कि तकनीकी ज्ञान और कौशल का आकलन आधुनिक, वैज्ञानिक और निष्पक्ष तरीकों से किया जाए।
सहायक प्राध्यापिका स्नेहलता खलखो ने ऑनलाइन वर्कशॉप का उद्देश्य बताते हुए कहा कि प्रतिभागियों को तकनीकी मूल्यांकन और आकलन की प्रभावी विधियों से अवगत कराना है। इससे पहले प्राचार्या डॉ वसुंधरा कुमारी ने गौतम बुद्ध शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय का इतिहास बताया। सहायक प्राध्यापिका कुमारी अंजलि ने अतिथि परिचय, वर्षा कुमारी ने मंच संचालन और अनिल कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ हजारीबाग इकाई की बैठक

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ हजारीबाग की इकाई की बैठक जिला अध्यक्ष प्रवीण कुमार की अध्यक्षता में नूतन नगर स्थित श्रीकांत सिंहा के प्रशाल में की गई ,संचालन राजेश्वर कुमार ने किया। बैठक में जिला कार्यकारिणी के सदस्य, 16 प्रखंड के अध्यक्ष, सचिव तथा संघ के वरिष्ठ सदस्यों ने भाग लिया। बैठक में जिला अध्यक्ष प्रवीण कुमार ने कहा कि वित्त विभाग झारखंड सरकार द्वारा बंचिंग का लाभ मिले हुए कर्मियों का वेतन घटाने संबंधित समाचार का संघ पुरजोर विरोध करती है। संघ के पदाधिकारी द्वारा विभिन्न मुद्दों जैसे प्रोन्नति, एमएसीपी, शिक्षकों की उम्र सीमा 62 वर्ष करना, प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा के वेतनमान में परिवर्तन, संगठन की मजबूती, कार्यालय के

कर्मियों के कार्य प्रणाली में सुधार के साथ-साथ गुणवत्त शिक्षा के साथ-साथ विद्यालय में नामांकन व ठहराव पर गंभीरता से चर्चा की गई, वहीं पीएफएमएस के माध्यम से भुगतान करने की कार्य प्रणाली पर असंतोष जताया गया। संघ के अहम बैठक में संगठन की मजबूती पर विशेष बल दिया गया। 2015 बैच के शिक्षकों का एक माह का वेतन व एक वेतन वृद्धि की मांग पर जोर दिया गया।
बैठक में कार्यालय सचिव राजेश्वर कुमार, कोषाध्यक्ष जावेद अहमद, श्रीकांत सिंहा, संजय चंद, रंजीत वर्मा शंभू प्रसाद, संजय सिंह, रामदुलार राम, रियाजुद्दीन, अयोध्या कुम्हार रजाउलहक, मथुरा प्रसाद चेतलाल राणा शमशेर आलम मुमताज तापेश्वर वर्मा सुरेश प्रसाद मथुरा प्रसाद गोपाल राम संदीप कुमार रामचंद्र मणिलाल मोहम्मद कैसर आलम सरयू राम राजेंद्र कुमार मनोज पासवान अरशदुल्लाह मोहम्मद सालेह गजाली कार्तिक पासवान निषाद अहमद राजकुमार प्रजापति मोहम्मद अयाज विनोद कुमार रवि मोहन कुमार सहित संघ से जुड़े शिक्षकों ने भाग लिया।

मुर्शिदाबाद नरसंहार के विरोध में विहिप का आक्रोश प्रदर्शन संपन्न

● एक राष्ट्रपति शासन की मांग को लेकर विहिप ने राष्ट्रपति के नाम उपायुक्त को सौंपा ज्ञापन

● बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाकर हिंदुओं की रक्षा करें केंद्रः अरविंद मेहता

हजारीबाग। हजारीबाग विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय कार्य योजना के अंतर्गत आज विश्व हिंदू परिषद हजारीबाग एवं उसके आयाम ने संयुक्त रूप से बंगाल के मुर्शिदाबाद में हुए हिंदुओं के नरसंहार के विरोध में हजारीबाग धरना स्थल पर एक दिवसीय धरना सह आक्रोश प्रदर्शन का कार्यक्रम जिला मंत्री अरविंद मेहता की अगवाई में संपन्न हुआ इस कार्यक्रम का संचालन जिला मंत्री अरविंद मेहता ने किया। इस अवसर पर राम भक्तों ने पश्चिम बंगाल सरकार को बर्खास्त कर राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की। इस कार्यक्रम में मुर्शिदाबाद घटना के आरोपियों को फांसी देने और ममता सरकार को बर्खास्त कर राष्ट्रपति शासन की मांग की गई। इस संदर्भ में विश्व हिंदू परिषद प्रतिनिधि मंडल ने महामहिम राष्ट्रपति महोदय के नाम उपायुक्त हजारीबाग कोई एक ज्ञापन सौंपा जिसमें ज्ञापन के माध्यम से बंगाल की सरकार को बर्खास्त कर राष्ट्रपति शासन लगाने, घटना की एनआईए जांच और बांग्लादेश घुसपैठियों की निष्कासन की मांग विश्व हिंदू परिषद की ओर से की गई। इस आक्रोश प्रदर्शन को संबोधित करते हुए प्रांत सहमंत्री ने कहा कि समस्त हिंदू समाज को एकजुट होकर ऐसी समस्याओं का करना है और समस्त सनातन समाज को अपने विरोधियों के प्रति जागरूक व सजग रहने की आवश्यकता है क्योंकि एक रहेंगे तो नेक रहेंगे और सेफ रहेंगे। समाज को बचाने के लिए जात-पात की विदाई करते हुए हिंदुओं को एकजुट होकर असामाजिक व विरोधी तत्वों को एवं जिहादियों को उनके ही भाषा में रक्षात्मक जवाब देने की आवश्यकता है। यदि अब भी हिंदू समाज जागृत नहीं हुआ तो पूरा हिंदुस्तान बांग्लादेश और पाकिस्तान के रूप में परिणत हो जाएगा। वैसी स्थिति में हम हिंदुओं को कहीं भी शरणार्थी बनकर जीवन जीने के लिए भी जगह नहीं मिलेगी। अब हमें शास्त्र के साथ-साथ शस्त्र शिक्षा की भी जानकारी रखनी चाहिए ताकि ऐसे विरोधी तत्वों को हमेशा हमेशा के लिए धूल में मिलाया जा सके। इस कार्यक्रम में प्रांत सह मंत्री मनोज पोद्दार, जिला कोषाध्यक्ष नंदकिशोर कुमार, गुरुदेव गुप्ता, सिकंदर कुमार, जय सोनी, नरेंद्र कुमार, सहदेव गुप्ता, मिथिलेश श्रीवास्तव, सुमंत पांडे, गोविन्द यादव, निशि कुमार, निक्की कुमार, अभिनव कुमार, इंद्रदेव गुप्ता, उदय जी,राजेश मेहता, निरंजन केशरी, मुनेश्वर गुप्ता, ऋषि मेहता, प्रदीप चंद्रवंशी, जगत किशोर जी और सैकड़ो कार्यकर्तागण उपस्थित हुए।

जनता से सीधा संवाद , रविवार की सुबह 7 बजे से ही सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने जनसमस्याओं के निस्तारण हेतु लगाया जनता दरबार

● अवकाश का दिन नहीं, जनसेवा का अवसर बना रविवार विधायक प्रदीप प्रसाद ने निभाई जनप्रतिनिधि की जिम्मेदारी

● जनता का विश्वास ही मेरी ताकत है, रविवार हो या त्योहार, सेवा के लिए सदैव तत्पर हूंः प्रदीप प्रसाद

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। जनसेवा को सर्वोपरि मानने वाले हजारीबाग सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया कि एक सच्चा जनप्रतिनिधि हर दिन, हर घड़ी अपने क्षेत्र की जनता के लिए समर्पित रहते है। रविवार, जो आमतौर पर अवकाश का दिन होता है, उस दिन भी श्री प्रसाद सुबह 7:00 बजे अपने सेवा कार्यालय में पहुंच गए और जनता दरबार के तहत लोगों से मुलाकात शुरू कर दी।
विधायक से मिलने के लिए जैसे ही कार्यालय के द्वार खुले, देखते ही देखते लोगों की लंबी कतार लग गई। हर उम्र, हर वर्ग के लोग अपनी

समस्याओं को लेकर पहुंचे, किसी को पेंशन में विलंब की शिकायत थी, कोई बिजली-पानी की समस्या लेकर आया, तो कोई अपने इलाके की सड़कों की जर्जर हालत से परेशान था। विधायक श्री प्रसाद ने न केवल प्रत्येक व्यक्ति की बात ध्यानपूर्वक सुनी, बल्कि कई मामलों का मौके पर ही समाधान कर जनप्रतिनिधि सक्रियता का परिचय भी दिया। आवश्यकतानुसार संबंधित अधिकारियों को फोन पर निर्देशित किया तथा कुछ मामलों में व्यक्तिगत रूप से फॉलोअप करने का भरोसा भी दिया. इस दौरान कार्यालय में उपस्थित लोगों ने विधायक की कार्यशैली और समयबद्धता की सराहना की। आम जनमानस का कहना था कि ऐसे समय में जब अधिकतर नेता केवल औपचारिकता निभाते हैं, विधायक श्री प्रसाद वास्तव में जनसरोकारों को प्राथमिकता देते हुए निरंतर सक्रिय हैं।
विधायक ने कहा की जनता ही जनप्रतिनिधि की असली शक्ति होती है। जब लोग अपनी समस्याएँ लेकर आते हैं, तो उनका समाधान करना मेरा धर्म है। रविवार हो या कोई अन्य दिन, मेरा कार्यालय जनता के लिए हमेशा खुला है। इस बात का प्रमाण है कि प्रदीप प्रसाद न केवल अपने क्षेत्र की समस्याओं से भली-भांति परिचित हैं, बल्कि उनका समाधान भी तत्परता से करने का संकल्प रखते हैं।

हजारीबाग में धूमधाम के साथ मनाया गया ईस्टर

● सीएनआई चर्च में प्रार्थना सभा का किया गया आयोजन

● ईस्टर को ईसाई धर्म में पुनरुत्थान के तौर पर सेलिब्रेट किया जाता है

● पापों से मुक्ति और नए जीवन पाने की आशा के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है ईस्टर

● प्रार्थना सभा में मुख्य पुरोहित दीपक अनिल जोजो द्वारा प्रभु के पुनरुत्थान पर संदेश दिया गया

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। ईस्टर (Easter) ईसाई धर्म का एक प्रमुख त्योहार है। पुरे विश्व में इस दिन को प्रभु यीशु मसीह के पुनरुत्थान के तौर पर सेलिब्रेट किया जाता है। ईस्टर को ईसाई धर्म में पुनरुत्थान के तौर पर सेलिब्रेट किया जाता है। यह पापों से मुक्ति और नए जीवन पाने की आशा के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। ईस्टर संडे ईसाई धर्म के लोगों के लिए बहुत ही खास होता है। इस दिन ईसाई धर्म के लोग चर्च में इकट्ठा होते हैं, प्रेयर करते हैं, इस दिन चर्च को लाइट और फूलों से सजाया जाता है। ईस्टर प्रेयर के बाद लोग एक दूसरे को बधाई देते हैं, प्रभु यीशु के उपदेशों को याद करते हैं। साथ ही इस दिन मोमबत्ती से अपने घरों को सजाते हैं और प्रभु यीशु के पुनः जीवित होने की खुशियां मनाते हैं। मसीही विश्वासी लोग ईस्टर के दिन चर्च में जाकर प्रार्थना करते हैं और एक-दूसरे को बधाई देते हैं। इस दिन लोग नए-नए कपड़े पहनते हैं और मिठाइयां बांटते हैं।
हजारीबाग में भी ईस्टर धूमधाम के साथ मनाया गया हजारीबाग शहर के हुड़हुडु स्थित ग्रेवियाड (कब्रिस्तान) में प्रातः 4:00 बजे मसीही विश्वासियों ने अपने पूर्वजों के कब्र पर जाकर फूल माला अर्पित किया और कैंडल जलाया तथा प्रार्थना सभा को फादर टूटी द्वारा संचालित किया गया। पुनः सीएनआई उपासनालय चर्च ऑफ़ नॉर्थ इंडिया हजारीबाग में मसीही विश्वासियों के द्वारा सुबह 6:00 बजे से 8:30 तक प्रभु भोज प्रार्थना का आयोजन किया गया इस प्रार्थना सभा में मुख्य पुरोहित दीपक अनिल जोजो द्वारा प्रभु के पुनरुत्थान पर संदेश दिया गया। दीपक अनिल जोजो ने ईस्टर की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ईस्टर के दिन प्रभु यीशु जी उठे और इस मानवीय सच्चाई को बताने के लिए की मनुष्यों के लिए अब मृत्यु से डरने की आवश्यकता नहीं है, मृत्यु अब डर का विषय नहीं रहा। यीशु मसीह ने सारे मानव जाति को यह संदेश दिया यह संदेश पूरे मानव जाति के लिए है और इसी संदेश को हम मसीही समुदाय के लोग हर साल ईस्टर में उत्सव कर बताते हैं निश्चित तौर पर यह सभी के लिए आनंद का विषय है।
विमल रेवन ने सभी को ईस्टर की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ईस्टर में प्रभु खीस्त के पुनः जी उठने के पर्व को ईसाई समुदाय जश्न मनाते हैं। क्योंकि प्रभु यीशु ने मृत्यु पर विजय पाई और पूरे मानव जाति के उद्धार के लिए उन्होंने यह समाचार दिया की जो इस पर विश्वास करें उसका उद्धार हो। बताया कि सुबह 4:00 बजे से सिमेट्री में आराधना किया गया पूर्वजों की कब्र पर अगरबत्ती मोमबत्ती जलाई गई उसके बाद सुबह 6:00 बजे से 8:30 तक सीएनआई उपासनालय में प्रभु भोज की आराधना की गई ।
विजय मसीह ने इस अवसर पर सभी को ईस्टर की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मानव जाति के उद्धार के लिए ईस्टर के दिन प्रभु यीशु जी उठे ईस्टर के दिन मसीही विश्वासियों द्वारा पूर्वजों के कब्र पर जाकर अगरबत्ती मोमबत्ती जलाई गई और आराधना किया गया और सीएनआई चर्च में प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया।
इस पावन अवसर पर मुख्य पुरोहित दीपक अनिल जोजो, डिक्कन विमल रेवेन, पादरी पवन हेंब्रम, पादरी फादर टूटी, डिक्कन अमित सोरेन, विजय मसीह, संजय फ्रांसिस, अर्चना धान, मुकुल जॉन, डॉ माधुरी भेंगराज, अमित दर्पण, शरद, चीनू, विशाल सोरेन सहित मसीही समाज के लोग शामिल हुए।

मारंगलोइया गांव में कुएं में गिरे हाथी को रात भर की मशक्कत के बाद सुरक्षित निकाला गया

बालूमाथ। थाना क्षेत्र अंतर्गत मारंगलोइया गांव के एक कुएं में झुंड से भटका हुआ एक हाथी का बच्चा गिर गया।घटना की जानकारी मिलने के बाद वन विभाग की टीम और स्थानीय ग्रामीणों ने लगभग 5 घंटे तक कड़ी मशक्कत कर हाथी के बच्चे को सुरक्षित कुएं से बाहर निकाला. दरअसल, लातेहार जिले के बालूमाथ थाना क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न गांव में इन दिनों हाथियों का झुंड भटक रहा है। शनिवार की रात हाथियों का झुंड मारंगलोइया गांव में था. इसी दौरान झुंड से भटक कर एक हाथी का बच्चा खेत में बनाए गए कुएं में गिर गया था।

हाथी के बच्चे के कुएं में गिरने के बाद जोरदार आवाज हुई। ग्रामीणों ने समझा कि हाथियों ने किसी के घर को ध्वस्त किया है. लेकिन जब आसपास हाथी का झुंड दिखाई नहीं पड़ा और कुएं के पास से हाथी के चिंघाड़ने की आवाज सुनाई पड़ी तो कुछ लोगों ने हिम्मत कर कुएं के पास जाकर देखा. कुएं में हाथी के बच्चे को देखकर ग्रामीणों ने इसकी सूचना वन विभाग के अधिकारियों को दी। सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीम देर रात गांव में पहुंची और हाथी को कुएं से निकालने का प्रयास आरंभ किया। जेसीबी के माध्यम से कुएं के पास से गड्ढा खोदकर रास्ता बनाया गया। लगभग 5 घंटे की कड़ी मेहनत के बाद हाथी के बच्चे को सुरक्षित कुएं से बाहर निकाला गया।

हाथियों को सुरक्षित जंगलों में भेजने का किया जा रहा है प्रयास

इधर, इस संबंध में लातेहार डीएफओ प्रवेश अग्रवाल ने बताया कि हाथी के बच्चे को कुएं में गिरने की सूचना मिलने के बाद तत्काल वन विभाग की टीम को घटनास्थल पर भेजा गया। वन विभाग की टीम ने जेसीबी के माध्यम से रास्ता बनाकर हाथी के बच्चे को सुरक्षित कुएं से बाहर निकाला। उन्होंने कहा कि पिछले कई दिनों से हाथियों का झुंड इलाके में जमा हुआ है।वन विभाग के द्वारा हाथियों को सुरक्षित जंगलों में भेजने के लिए पूरा प्रयास किया जा रहा है।

ग्रामीणों ने दिया मानवता का परिचय

हाथी के बच्चे के कुएं में गिरने की सूचना के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण हाथी के बच्चे को बाहर निकालने का प्रयास किया। पूरे रेस्क्यू के दौरान ग्रामीणों की भीड़ कुआं के पास जुटी रही।बता दें कि हाथियों के आतंक से यहां के ग्रामीण काफी परेशान हैं। शनिवार की सुबह ही हाथियों ने गांव की एक महिला को घायल कर दिया था। जिसकी इलाज के दौरान शनिवार को मौत हो गई थी। इस घटना के बाद ग्रामीणों में भारी आक्रोश था। लेकिन जब हाथी का बच्चा कुएं में गिरा तो ग्रामीण हाथी के बच्चे को बचाने के लिए पूरे जी जान से लग गए.

संक्षिप्त समाचार

बालूमाथ थाना चौक पर भारी मालवाहक वाहनों से जाम की स्थिति, ग्रामीणों को हो रही परेशानी

बालूमाथ। बालूमाथ थाना चौक पर इन दिनों भारी मालवाहक वाहनों के कारण जाम की स्थिति ने विकराल रूप ले लिया है। स्थिति यह हो गई है कि आमजन को दिनभर लंबा इंतजार करना पड़ता है, वहीं स्कूली बच्चों, मरीजों व ऑफिस जाने वाले लोगों को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि थाना चौक से होकर गुजरने वाली मुख्य सड़क पर प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में भारी मालवाहक वाहन–जैसे ट्रक, डंपर आदि–बिना किसी नियंत्रण के चल रहे हैं। इससे सड़क पर अव्यवस्था फैल रही है और अक्सर जाम की स्थिति बन जाती है। यह जाम कभी-कभी घंटों तक बना रहता है, जिससे न केवल आवाजाही प्रभावित होती है, बल्कि दुर्घटनाओं की आशंका भी बनी रहती है।

प्रशासनिक उदासीनता पर उठे सवाल

ग्रामीणों का आरोप है कि प्रशासन की लापरवाही के कारण यह समस्या लगातार बढ़ रही है। न तो ट्रैफिक पुलिस की कोई सक्रियता दिखती है और न ही जाम को हटाने के लिए कोई ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। चौक पर न तो कोई ट्रैफिक सिग्नल है और न ही पार्किंग की उचित व्यवस्था।

व्यापारियों और स्कूल प्रबंधन की भी चिंता

स्थानीय दुकानदारों और स्कूल प्रबंधन ने भी इस समस्या पर चिंता जताई है। दुकानदारों का कहना है कि जाम के कारण ग्राहक उनकी दुकानों तक नहीं पहुंच पा रहे जिससे व्यापार प्रभावित हो रहा है। वहीं स्कूल प्रबंधन का कहना है कि जाम के चलते बच्चों की बसें समय पर स्कूल नहीं पहुंच पा रहीं, जिससे पढ़ाई बाधित हो रही है।

ग्रामीणों की मांग अविलंब समाधान

ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि भारी मालवाहक वाहनों के लिए वैकल्पिक मार्ग का निर्माण कराया जाए या उनके चलने के समय में कटौती की जाए। साथ ही थाना चौक पर ट्रैफिक पुलिस की नियमित तैनाती हो,ताकि स्थिति नियंत्रण में रहे।

भारत सरकार की महत्वपूर्ण योजना आयुष्मान भारत का कार्ड सिएस्सी इटखोरी में बनवाया गया

आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास

इटखोरी (चतरा)। भारत सरकार की महत्वपूर्ण महत्वाकांक्षी स्वास्थ्य योजना आयुष्मान कार्ड शनिवार को इटखोरी सरकारी अस्पताल में कैंप आयोजित कर बनवाया गया। प्रारंभिक दिन में कई लाभुकों का आयुष्मान कार्ड बनाया गया। मौके पर मुख्य रूप से ओबीसी इटखोरी मंडल उपाध्यक्ष श्री राम चौरसिया, मंडल महामंत्री युवा मोर्चा आशीष मिश्रा, बीपीएम मारूफ खान, स्वास्थ्य कर्मी आशु रंजन तथा टेक्नीशियन तनवीरुल उपस्थित थे।टेक्नीशियन ने बताया कि इस योजना के लाभ लेने हेतु लाभुक अपना-अपना आधार कार्ड तथा राशन कार्ड साथ में लेकर आएं उनका आयुष्मान कार्ड ऑनलाइन बना दी जाएगी।

चतरा सांसद ने एनटीपीसी पकरी बरवाडीह ग्रिड से टंडवा सब स्टेशन बिजली कार्य का किया शिलान्यास

- टंडवा को यह कार्य पूर्ण होते ही जीरो कट बिजली मिलेगा- सांसद
- कार्य होगा समय पर पूरा और अब रुक रुक कर नहीं एक्सप्रेस वे में टंडवा को मिलेगी बिजली-सिमरिया विधायक

आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास

टंडवा (चतरा)। एनटीपीसी132/33 केवी पकरी बरवाडीह ग्रीड से टंडवा सब स्टेशन बिजली कार्य का शिलान्यास चतरा लोकसभा के लोकप्रिय सांसद कालीचरण सिंह एवं सिमरिया विधानसभा के लोकप्रिय विधायक उज्ज्वल दास के कर कमलों से आज किया गया। यह कार्य एनटीपीसी सीएस आर मद से झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड द्वारा लगभग 15 करोड़ की लागत से समय पर पूर्ण किया जाएगा। इससे टंडवा में जीरो कट बिजली उपलब्ध हो सकेगी। मौके पर विशेष रूप से बिजली विभाग के डीजीएम अग्नेश कुमार, एनटीपीसी जीएम एचआर नीरज रॉय, वरिष्ट नेता प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अक्षयवट पांडेय, जिला महामंत्री मिथलेश गुप्ता, वरिष्ट नेता विजय चौबे, जिला सांसद प्रतिनिधि विनय सिंह,विधायक प्रतिनिधि विजय दांगी, ईश्वर दयाल पांडेय, ब्रजेंद्र बाबु, एनटीपीसी सांसद प्रतिनिधि सुनील चौरसिया, पूर्व मंडल अध्यक्ष गोविंद तिवारी, व्यवसायिक संघ अध्यक्ष विकास गुप्ता,संजीत गुप्ता, विकास मालाकार,गणेश प्रसाद साहू उर्फ ललित साहू, शशि चौरसिया, उदय पांडेय,शिव प्रसाद गुप्ता , प्रताप चौरसिया,किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष श्याम सिंह, पूर्व सैनिक मिथलेश पांडेय, युवा मोर्चा संदीप सिंह, महेश मुंडा, इंद्रजीत सिंह, अजय गुप्ता , महेश वर्मा , फुलचंद साहू , सरोज पांडेय, उपेंद्र चौबे , सुरेंद्र चौरसिया, सुधीर चौरसिया, संवेदक राहुल कुमार, जैन साहब, बिजली विभाग के एक्सक्यूटिव साहब, सहायक अभियंता, बिजली कर्मी गण व अन्य सम्मनित गण, कार्यकर्ता गण उपस्थित थे।

जिनकी जितनी आबादी उनकी उतनी हिस्सेदारी दिलाना कांग्रेस की प्राथमिकता है: बिट्टू पाठक

- जिला अध्यक्ष बिट्टू पाठक के नेतृत्व में जय कांग्रेस विजय कांग्रेस के नारा के साथ पलामू जिला में कांग्रेस की जनआधार लगातार बढ़ रहा है

आज दिनांक 20 अप्रैल 2025 को पलामू जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जैश रंजन पाठक उर्फ बिट्टू पाठक के नेतृत्व में सैकड़ो लोगों ने कांग्रेस पार्टी का सदस्यता लिया।

मौके पर कांग्रेस जिला अध्यक्ष जैश रंजन पाठक उर्फ बिट्टू पाठक ने कहा कि जिनकी जितनी आबादी उनकी उतनी हिस्सेदारी दिलाना कांग्रेस की प्राथमिकता है आज सैकड़ो की संख्या में युवाओं और महिलाओं ने कांग्रेस पार्टी का सदस्यता ग्रहण किये उन्होंने राहुल गांधी के न्याय योजना का प्रस्ताव जिसका उद्देश्य गरीब परिवार को न्यूनतम आय प्रदान करना जिसके साथ ही किसानों के लिए समर्थन बढ़ाने और उनकी आय दुगनी करने के लिए कई योजनाएं का प्रस्ताव उनके

पास है महिला सशक्तिकरण के लिए कई कदम उठाए हैं जैसे कि महिलाओं के लिए शिक्षा और रोजगार का अवसर बढ़ाना राहुल गांधी ने भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान चलाया है और कई भ्रष्टाचार विरोधी नीतियों का समर्थन किया है राहुल गांधी ने किसानों के लिए ऋण माफी की योजना को ले जिन राज्यों में कांग्रेस पार्टी का सरकार बनी वहां पर किसानों का ऋण माफी किया गया यह तमाम कार्यों को देखकर आज बड़ी संख्या में लोग कांग्रेस पार्टी का दामन थामे है इनकी आशा और भविष्य कांग्रेस पार्टी दिख रहा है जिसको देखते हुए कांग्रेस पार्टी का सदस्यता ग्रहण किए हैं कांग्रेस के विचारधारा से प्रभावित होकर राहुल गांधी जी के नेतृत्व मैं आस्था जताते हुए सैकड़ो युवाओं ने कांग्रेस पार्टी का दामन थामा पलामू जिला में लगातार युवाओं का रुझान कांग्रेस की और प्रत्येक दिन बढ़ रहा है मौके पर प्रखंड पर्यवेक्षक समीम अहमद रायन ओम प्रकाश अमन ईश्वरी प्रसाद सिंह शैलेश चंद्रवंशी अशोक तिवारी मिट्ठू खान देवगं शुक्ला सौरव पांडे अमिताब शर्मा छोटू चंद्रवंशी प्रेमचंद तिवारी चैनपुर प्रखंड अध्यक्ष अखिलेश चौधरी मंडल अध्यक्ष गयेश सरवर शहाबुद्दीन अंसारी मुखलाल चौधरी सुरेंद्र राम सुनना सिंह सुरेंद्र भुइंया मदन राम मनोज चौधरी पिंटू भैया रामजी राम शिव शंकर राम अनीता देवी सोनी देवी सत्येंद्र उरांव अजामुद्दीन अंसारी नसीम अंसारी सैकड़ो की लोग उपस्थित थे।

कोडरमा प्रो-कबड्डी लीग प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में झारखंड के खेल मंत्री ने दिया कोडरमा आने का आश्वासन

आदिवासी एक्सप्रेस

कोडरमा प्रो-कबड्डी लीग-I के उद्घाटन समारोह में झारखंड के खेल मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू सम्मिलित होने को लेकर अपना और से आश्वासन दिया वहीं उन्होंने अपनी और संघ के पदाधिकारियों को अपने व्यस्त कार्यक्रम के कोडरमा आने को लेकर आश्वासन देते हुए कहा कि में पूरी कोशिश करूंगा कि कोडरमा में आयोजित प्रतियोगिता में अपनी उपस्थिति दर्ज करायूं,वहीं कोडरमा जिला कबड्डी एसोसिएशन के पदाधिकारियों से मुलाकात के दौरान कहा कि कोडरमा जिला कबड्डी संघ के सभी पदाधिकारी धन्यवाद के पात्र हैं जिन्होंने कोडरमा के साथ साथ पूरे राज्य के बच्चों को कबड्डी में बेहतर मंच देने का काम किया वहीं साथ में उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन से झारखंड में कबड्डी को एक अलग मंच मिलेगा वहीं भविष्य में राज्य के साथ-साथ देश स्तर के खिलाड़ी भी झारखंड में कबड्डी खेल का प्रदर्शन करेंगे।

खेल मंत्री सोनू कुमार ने अपनी और कोडरमा जिला कबड्डी एसोसिएशन को पूर्ण सहयोग देने का भरोसा दिलाया कोडरमा से मुलाकात करने गए कोडरमा जिला कबड्डी संघ के अध्यक्ष संदीप कुमार सिन्हा सचिव धर्मेंद्र कुमार सिंह उपाध्यक्ष तौफिक हुसैन एवम संयुक्त सचिव विजय कुमार साहू शामिल थे। ज्ञात हो प्रतियोगिता का आयोजन 22 अप्रैल से 24 अप्रैल तक झुमरी तिलैया के सी एच स्कूल मैदान में दूधिया रोशनी में होना है,जहां कोडरमा के साथ साथ पूरे राज्य के लगभग डेढ़ सौ महिला व पुरुष खिलाड़ी अपने अपने फ्रेंचाइज़ के लिए दम खम दिखाएंगे।

छः दिवसीय गुजरात प्रवास के बाद घर लौटे पर्यावरणविद डॉ कौशल किशोर जायसवाल

- पर्यावरणविद डॉ कौशल ने छः दिवसीय गुजरात यात्रा का समापन साबरमती गांधी आश्रम में पौधा रोपण कर किया
- गांधी जी आजाद कराये थे अंग्रेज से व वृक्ष आजाद करायेंगे प्रदूषण सेः पर्यावरणविद डॉ कौशल

मेदीनीनगर/अहमदाबाद/गुजरात

विश्वव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्मगुरु व वनराखी मूवमेंट के प्रणेता पर्यावरणविद ट्री मैन डॉ कौशल किशोर जायसवाल ने गुजरात के अहमदाबाद साबर नदी के तट पर स्थित महात्मा गांधी जी के आश्रम में कर्नाटक के चंदन का पौधा लगाकर गुजरात के छः दिवसीय यात्रा का समापन किया। इसके पहले वनराखी मूवमेंट के प्रणेता डॉ कौशल ने बताया कि नागेश्वर, सोमनाथ, द्वारिका, जूनागढ़, भेट द्वारका में कपूर का पौधा वितरण और वृक्षों पर रक्षाबंधन के बाद यात्रा के अंतिम दिन आश्रम के लोगों को पर्यावरण धर्म के प्रार्थना के साथ पौधरोपण कर उन्हें पर्यावरण धर्म की आठ मूल ज्ञान मंत्रों की शपथ दिलाई। उन्होंने वहां उपस्थित लोगों को संदेश देते हुए कहा कि जिंदा रहना है तो अपना धर्म के साथ-साथ पर्यावरण धर्म के आठ मूल ज्ञान मंत्रों को अपनाना होगा। उन्होंने पौधा लगाकर उसे बचाने काभी संकल्प दिलाया। डॉ कौशल ने

पौधों वितरण रोपण व वृक्षों पर रक्षाबंधन करते वन राखी मूवमेंट के प्रनेता डॉ कौशल

यह भी कहा कि सोचो साथ क्या ले जाओगे एक पौधा लगाओगे सात पीढ़ी तर जाओगे।

पर्यावरण धर्मगुरु डॉ कौशल ने कहा है कि महात्मा गांधी जी ने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ आजादी की जंग जीतने के लिए देशभर में भ्रमण कर लोगों को जागरुक किया था। उसी तरह उन्होंने प्रदूषण से आजादी की जंग जीतने के लिए 58 वर्षों से विश्व के आठ देशों और भारत के 26 राज्यों के 164 जिलों में जाकर प्रदूषण के खिलाफ आजादी की दूसरी जंग जीतने के लिए 52 लाख पौधा रूपी फौजी को मिसाइल के रूप में धरती में लगाने और बचाने का अभियान चलाया है । उसी के कड़ी में वे छः दिवसीय गुजरात दौरे पर हैं । साबरमती आश्रम के इंचार्ज प्रतीक ने कहा है कि अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ जंग लड़ने वाले महात्मा गांधी की इस आश्रम में आज लंबे अरसे से प्रदूषण के खिलाफ जंग लड़ रहे पर्यावरणविद डॉ कौशल जी को इस परिसर में आने पर हमलोग गर्व महसूस कर रहे हैं। आश्रम के सभी लोग उनके आभारी हैं जिन्होंने यहां पहुंचकर पौधरोपण कर लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करते हुए प्रदूषण की विभीषिका से अवगत कराया। उन्होंने पर्यावरणविद को गांधी जयंती पर वहां आने का निमंत्रण भी दिया। कार्यक्रम में संस्था के राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष प्रतीक अग्रवाल, संस्था के यूपी के प्रदेश अध्यक्ष सत्यव्रत तिवारी, कर्नाटक के भारत कुमार, संस्था के सचिव अरविंद कुमार, प्रधान सचिव सह पंचायत डाली बाजार के मुखिया पूनम जायसवाल, प्रो अरुण कुमार जायसवाल, रोहित कुमार जायसवाल, ने भी अपना विचार व्यक्त किया।

पत्थलगड्डा में बाबा साहब की जन्म जयंती धूम धाम से मनाई गई

सुनील कुमार दास आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता पत्थलगड़ा

पत्थलगड्डा। बाबा साहेब डॉ भीमराव आंबेडकर की जन्म जयंती रविवार को पत्थलगड्डा बाजार टांड़ में धूम धाम से मनाई गई कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथिओ ने दीप प्रज्वलित कर एवं कार्यक्रम में आए अतिथियों ने बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर की चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई ।कार्यकम को सम्बोधित करते हुए अतिथियों कार्यकम को सम्बोधित करते हुए। डॉ आंबेडकर का मानना था कि शिक्षा हाशिए पर खड़े हर इंसान की बराबरी की पहली सीढ़ी है। 19वीं सदी के शुरुआती दशकों में भारत एक साथ कई लड़ाईयां लड़ रहा था। एक लड़ाई अंग्रेजों से आजादी की, तो दूसरी लड़ाई हजारों साल की जातीय गुलामी से चल रही थी। पहली लड़ाई में कई तरह के हथियार शामिल थे, तो दूसरी लड़ाई का सबसे बड़ा हथियार थी कलम। इसी कलम से क्रांति कर मानवतावादी भारत का सपना देखने वाले महानायक का नाम है बाबा साहब डॉ भीमराव आंबेडकर है। हर हाथ में कलम देने का सपना नहीं छोड़ा। उन्होंने कहा कि सभी कामयाबियों के बावजूद कलम उन हाथों तक पहुंचनी मुश्किल होती जा रही है, जिन हाथों में इसे पहुंचाने का वादा इस देश के संविधान के निर्माताओं ने किया था। नई शिक्षा नीति के तहत पढ़ाई को महंगा कर दिया गया है। यह क्रांति का जरिया बनने के बजाय मुनाफे पर आधारित कारोबार बनती जा रही है। ऐसा होना डॉ. आम्बेडकर के सपनों का भारत बनाने में गंभीर मुश्किल पैदा कर रहा है। हमें शिक्षा हासिल करने के लिए बाबा साहेब के बताए रास्ते पर चलते हुए संगठन बनाकर संघर्ष करना होगा। इस कार्यकम में बालराम कुमार, बिनोद कुमार रवि, खुदनाथ राम,प्रवीण कुमार दास, समेत कई गणमान्य उपस्थित थे।

मां भगवती देवी अचल प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ का तीसरा दिन पूरा हुआ

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता आई एम कादरी-कांडीः गढ़वा

जिले के कांडी प्रखंड अंतर्गत पंचायत राणाडीह के ग्राम सोहगाड़ा में आज महा यज्ञ का तीसरा दिन तारीख़ 19/4/2025 दिन शनिवार को वेदी पूजन फलाधीवास, वस्त्राधीवास, धूपाधीवास गंगाधीवास पुष्पाधीवास का कार्य काशी के श्रेष्ठ विद्वान आचार्यों द्वारा पूरा हुआ और कल यानी तारीख 20/4/2025 दिन इतवार/ रविवार

को महा यज्ञ का चौथे दिन वेदी पूजन स्नपन नगर भ्रमण रात्रि में सैयाधीवास न्यास का कार्य होगा और ईए मां भगवती प्राण प्रतिष्ठा का प्रोग्राम 22/4/2025 दिन मंगलवार तक लगातार चलता रहेगा बताते चलें कि पूजा स्थल पर काफी चहल पहल देखने को मिल रहा है वहीं पुरुषों के अपेक्षा महिलाओं में काफी उत्साह और श्रद्धा के साथ पूजा पाठ में भाग लेते हुए देखा जा रहा है मौके पर सभी गांव के कार्य कर्ताओं ने सभी कांडी प्रखंड के लोगों से इस महा यज्ञ में शामिल होकर सफल बनाने कि अपील कि है।

सतगावां में स्वर्गीय बैजनाथ पासवान की प्रतिमा का अनावरण

आदिवासी एक्सप्रेस

सतगावां (कोडरमा)। राष्ट्रीय झारखंड सेवा संस्थान के रजत जयंती के शुभ अवसर पर स्वर्गीय बैजनाथ पासवान उर्फ पहलवान बाबा का प्रतिमा अनावरण रविवार दिनांक 20 अप्रैल 2025 को कोडरमा विधानसभा के विधायिका डॉ नीरा यादव के हाथों से उद्घाटन किया गया। राष्ट्रीय सेवा संस्थान जो कि सतगावां के कटैया पंचायत अंतर्गत भखरा आश्रम की स्थापना

वर्षों पूर्व हुई थी। इस आश्रम की जमीन स्वर्गीय बैजनाथ पासवान ने दान में दिया था, उनका जन्म 15 जुलाई 1930 ईस्वी ग्राम भखरा सतगावां में हुआ था। स्वर्गीय बैजनाथ पासवान को कुश्ती खेलने का बहुत शौख था इसीलिए उन्हें पहलवान बाबा के नाम से भी लोग जानते हैं । पिछले 25 वर्षों से इस आश्रम में विकास का काम किया जा रहा है , बच्चों की पढ़ाई से लेकर पशुपालन तक , आश्रम में अनेकों तरह के पेड़ पौधा लगाया गया है जो कि अब वर्तमान समय में फल दार वृक्ष तैयार है। स्वर्गीय बैजनाथ पासवान उर्फ पहलवान बाबा की मृत्यु 25 जुलाई 1979 ईस्वी में हुई थी , उसी के आद में पहलवान बाबा का प्रतिमा अनावरण किया गया मुख्य अतिथि एवं अनावरणकर्ता झारखण्ड के पूर्व शिक्षा मंत्री एवं वर्तमान कोडरमा विधायिका डॉ नीरा यादव , गरिमामय उपस्थिति जिला परिषद सदस्य नीतू कुमारी , सतगावां प्रमुख ललिता देवी , उपप्रमुख मनोज कुमार निराला , कटैया पंचायत की मुखिया सुशीला देवी इसके अलावे राष्ट्रीय सेवा संस्थान (Rjss) के सचिव मनोज दांगी, मंडल अध्यक्ष बालमुकुंद सिंह, विधायक प्रतिनिधि धनंजय यादव, रामोतार चौधरी, अनिल राम, अशोक कुमार सीतो, मान सिंह पासवान, केपी बौद्ध, ऋषि राजन, श्रवण दास, मिथिलेश सिंह, सुधीर सिंह, विकास पांडेय, सुरेन्द्र पांडेय एवं आश्रम के शिक्षक और विद्यार्थी इसके अलावा सतगावां के हर पंचायत से आए सैंकड़ों लोग कार्यक्रम में उपस्थित रहे मौके पर सभी पत्रकार को सॉल, पेन, डायरी दे कर सम्मानित किया गया, भोजन का उत्तम प्रबंध किया गया और अंत में रंगा- रंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।

संक्षिप्त समाचार

सरकार द्वारा संचालित योजनाओं में फर्जी लाभुक का एंट्री करने पर नपेंगे ऑपरेटर, भीएलई-डीसी

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

पाकुड़- गोपनीय कार्यालय कक्ष में उपायुक्त मनीष कुमार ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सीएससी मैनेजर एवं सभी भीएलई के साथ बैठक किया। बैठक में उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि पंचायत भवन में संचालित सीएसी सेंटर के माध्यम से ऑनलाइन जनता दरबार का आयोजन किया जाएगा। उपायुक्त ने सभी भीएलई को जाति, निवास, आय प्रमाण पत्र के लिए आवेदन करते समय सही दस्तावेज अपलोड करने का निर्देश दिया। साथ ही उपायुक्त ने सख्त निर्देश दिया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में कोई डुप्लिकेट आवेदन नहीं होने चाहिए, इसका विशेष ध्यान रखें। अगर किसी ने प्रधानमंत्री सम्मान निधि योजना में गलत एंट्री की है तो उसका डिटेल्स शेयर करें। उपायुक्त ने कहा कि उत्कृष्ट कार्य करने वाले भीएलई को सम्मानित किया जाएगा।

बच्चों में नर्सरी क्लास से सिखाया जा रहा स्वच्छता के गुर-डीसी

- सभी विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में किया जा रहा है हैंडवाश यूनिट का निर्माण
- पाकुड़ - ग्राम पंचायत के 15वें वित्त मद से स्वच्छता की दिशा में नई पहल

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

स्वच्छता की दिशा में जिला प्रशासन ने नई पहल की शुरुआत की गई है जिसके अंतर्गत पाकुड़ जिले के सभी विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में 15 वें वित्त मद से हैंडवाश यूनिट का निर्माण कार्य किया जा रहा है। अभी तक जिले में कुल 273 हैंडवाश यूनिट का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। हैंडवॉश यूनिट इस तरह का निर्माण किया जा रहा है कि एक साथ 04 बच्चे इसका उपयोग कर सकें।

ग्राम पंचायतों में कचरे का प्रबंधन कर स्वस्थ वातावरण देने हेतु जिला प्रशासन प्रयत्नशील

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

पाकुड़- ग्राम पंचायत में स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण बनाने की दिशा में जिला प्रशासन लगातार प्रयत्न कर रहा है। इसी क्रम में जिले के सभी ग्राम पंचायतों में 15 वें वित्त आयोग की अनुदान राशि से सेग्रीगेशन बिन और भस्मक का निर्माण कराया जा रहा है। भस्मक एक ऐसा यंत्र है जिसमें इस्तेमाल की गई सेनेटरी पैड को जलाकर भस्म कर दिया जाता है ताकि उसमें लगे जीवाणु, कीटाणु के फैलाव को रोका जा सके। इसी प्रकार गीला कचरा एवं सुखा कचरा का पृथक्करण कर रखने के लिए सेग्रीगेशन बिन का निर्माण कराया गया है। जिले में अभी तक कुल 809 भस्मक एवं 988 सेग्रीगेशन बिन का निर्माण पूर्ण कर लिया गया है।

हिरणपुर मवेशी हाट का होगा सैरात

- उपायुक्त के पत्राचार पर आयुक्त, सं0प0, दुमका से मिली हटिया डाक करने की सहमति, किया जाएगा ओपन डाक

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस व्युरो पाकुड़

हिरणपुर (पाकुड़) वित्तीय वर्ष 2016-17 से हिरणपुर सरकारी मवेशी हाट की डाक राशि 44 लाख रुपया रहने के कारण किसी भी व्यक्ति के द्वारा डाक नहीं लिया जा रहा था। जिला प्रशासन के प्रयास एवं आयुक्त, संथाल परगना के सहमति के आधार पर जिला प्रशासन की ओर से मवेशी हाट का नीलामी के लिए खुली डाक का विकल्प रखा गया है तथा न्यूनतम सुरक्षित राशि 16 लाख 40 हजार 420 रुपए निर्धारित किया गया है जो एक वर्षों के लिए प्रभावी रहेगा। जिला प्रशासन के द्वारा 1 वर्षों के लिए डाक की न्यूनतम राशि तय किया गया है।

रामगढ़ में बनेगा कोल्ड स्टोरेज- विधायक डॉ लुईस मरांडी

- पहाड़पुर प्राथमिक विद्यालय परिसर मैदान में जामा विस के झामुमो विधायक डॉ लुईस मरांडी ने सुना जनसमस्याएं, विधायक को मिले जनता का सैकड़ों आवेदन

रामगढ़/रामजी साह। जामा विधानसभा के झामुमो विधायक डॉ लुईस मरांडी पुर्व नियोजित कार्यक्रम के तहत रामगढ़ प्रखंड के पहाड़पुर पंचायत के पहाड़पुर पहुंचकर पंचायत के कई गांवों की लोगों कु जनसमस्याएं सुनी तो उनके समस्या सरकार प्रशासन तक पहुंचाने तथा लोगों को समस्या समाधान का भरोसा दिलाया।इसके पुर्व विधायक डॉ लुईस मरांडी का झामुमो पंचायत कमिटी ने भव्य स्वागत किया।ढोल मांजर की ताल में आदिवासी महिलाओं ने नृत्य कर विधायक का स्वागत किया।वहीं विधायक ने कहा कि झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार महिलाओं को महिला सम्मान योजना देकर महिलाओं को आर्थिक रुप से सशक्त बनाने का काम किया है हर महिलाओं को साल भर में 30,000 रुपये मईया सम्मान योजना में मिलने से महिलाएं अपने बच्चों को उच्च शिक्षा दिलाकर उनके जीवन को संवार रही है अपनी जरुरत की चीजों को खरीद कर खुशहाल हैं। उन्होंने महिलाओ से कहिए जिस प्रकार झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार आपको आर्थिक रुप से सशक्त बना रही है आप लोग में हेमंत सोरेन सरकार के हाथ को मजबूत कर हर पांच साल के बाद झारखंड में हेमंत सोरेन की सरकार बनाये। जिससे झारखंड का समग्र विकास हो।वहीं पहाड़पुर के किसानों ने विधायक से कहा कि रामगढ़ में कोल्ड स्टोरेज नहीं होने से लोग आलु टमाटर , मिर्च आदि कच्चे समान को बाजार में कच्चे माल को ओनेपोने दामों में बेचना पड़ रहा रहा।इस पर विधायक ने कहा की खेतों के लिए पानी की व्यवस्था के साथ किसानों के लिए रामगढ़ में कोल्ड स्टोरेज खुलेगा इसके लिए में सरकार के समक्ष प्रस्ताव रखेंगे।

वहीं लोगों ने विधायक को सैकड़ों जनसमस्याएं के तहत आवेदन सौंपा जिसमें सबसे अधिक मईया सम्मान योजना, आबुवा आवास, डीप बोरिंग, पीसीसी सड़क, नाली निर्माण, समेत लगभग 200 आवेदन विधायक को सुपुर्द किया गया। विधायक डॉ लुईस मरांडी ने लोगों को आश्वस्त किया शीध्र हु आपके समस्या का समाधान किया जाएगा।मौके पर विधायक डॉ लुईस मरांडी के साथ उनके पीए मिठु झा। छोटेलाल मंडल, शिवलाल मरांडी, नंदलाल राउत, लाल मोहन झा, समेत दर्जनों झामुमो कार्यकर्ताओं के अलावा बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

ग्रामीणों का फूटा गुस्सा, जर्जर सड़क बनी मुसीबत का सबब, निर्माण की गुहार अनसुनी

Mohit mansuri

बरहरवा: कोटालपोखर झारखंड और पश्चिम बंगाल की सीमा पर स्थित कोटालपोखर सोनाकर पंचायत के निमजोल से बंसीकांटा तक जाने वाली सड़क की अत्यंत जर्जर स्थिति पर प्रकाश डालता है।

मुख्य बिंदु:

सड़क की स्थिति: निमजोल से बंसीकांटा तक की सड़क वर्षों से मरम्मत के अभाव में पूरी तरह टूट चुकी है। इस पर बड़े-बड़े गड्ढे हैं, बरसात में पानी भर जाता है, और धूल-कीचड़ के कारण पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। दोपहिया वाहन चालकों के लिए यह मार्ग खतरनाक बन गया है।

प्रभावित क्षेत्र: यह सड़क न केवल निमजोल और बंसीकांटा गांवों को जोड़ती है, बल्कि सीमा पर बसे बगदौड़ा गांव के लोगों के लिए मुख्य मार्ग तक पहुंचने का एकमात्र सुविधाजनक रास्ता भी है।

ग्रामीणों की समस्या: खराब सड़क के कारण दैनिक जीवन अस्त-व्यस्त है। स्कूली बच्चों और बीमार लोगों को समय पर पहुंचने में दिक्कत होती है। मरीजों को अस्पताल ले जाना एक बड़ी चुनौती है, क्योंकि खराब रास्ते से उनकी तकलीफ और बढ़ जाती है।

जनप्रतिनिधियों और प्रशासन की उदासीनता: ग्रामीणों ने कई बार स्थानीय जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से सड़क बनवाने की गुहार लगाई, लेकिन उनकी मांगों को अनसुना कर दिया गया। ग्रामीणों का आरोप है कि नेता चुनाव के समय वादे करते हैं, लेकिन जीतने के बाद सुध नहीं लेते।

आक्रोश और मांग: सड़क की दयनीय स्थिति से ग्रामीणों में भारी गुस्सा है। वे इसे अपनी जीवन रेखा मानते हैं और सरकार से तत्काल इसके निर्माण की मांग कर रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे आंदोलन करेंगे।

विकास पर सवाल: यह उपेक्षित सड़क, जो तीन गांवों (निमजोल, बंसीकांटा, बगदौड़ा) के लिए महत्वपूर्ण है और सीमावर्ती क्षेत्र में स्थित है, विकास के दावों पर सवाल खड़ा करती है। खराब सड़क के कारण व्यापारिक गतिविधियां और रोजगार के अवसर भी प्रभावित हो रहे हैं।

संक्षेप में, निमजोल-बंसीकांटा सड़क की बदहाली ने स्थानीय निवासियों का जीवन दूभर कर दिया है, और उनकी बार-बार की अपीलें अनसुनी रहने के कारण उनमें भारी रोष है। वे सरकार से तत्काल हस्तक्षेप कर सड़क निर्माण की मांग कर रहे हैं।

रंगदारी नहीं देने के कारण बुरी तरह मारकर घायल कर दिया

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। मुफ्फसिल थाना क्षेत्र अंतर्गत एक व्यक्ति को रंगदारी नहीं देने के कारण बुरी तरह मारकर घायल कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार रामपुर दियारा निवासी स्वर्ग गंगा विष्णु सिंह का पुत्र गणेश कुमार सिंह उम्र 35 वर्ष खेती-बाड़ी और परवल, सब्जी बेचने का काम करता है। जहां आज दिन रविवार को गोड़ाबाड़ी हटिया में एक व्यक्ति आकर पीड़ित गणेश कुमार सिंह से 50 हजार रंगदारी मांगने लगा, वहीं उक्त व्यक्ति के विरोध करने के उपरांत मार कर उसे बुरी तरह घायल कर वहां से फरार हो गया। घायल उक्त व्यक्ति से पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि मारने वाला व्यक्ति को पहचानते हैं लेकिन नाम से नहीं जानते हैं। जहां घायल व्यक्ति इलाज के लिए सदर अस्पताल साहिबगंज पहुंचा। ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर ने घायल व्यक्ति का इलाज किया। घटना की सूचना संबंधित थाना पुलिस को दे दी गई थी।

एंटोमोलॉजिकल सर्वे कर मच्छर के कई प्रजातियों का संग्रह किया गया

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। बोरियो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बोरियो में मलेरिया, कालाजार, फाइलेरिया, एवं भीबीडी से संबंधित किए जा रहे कार्यक्रमों का निरीक्षण दिल्ली से आए हुए एनभीसीबीडीसी की चार सदस्य राष्ट्रीय मॉनिटरिंग टीम ने किया। जिसमें सर्वप्रथम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से चल रहे फीवर सर्वे, मलेरिया कालाजार, फाइलेरिया एवं भीबीडी से संबंधित सभी प्रकार के रजिस्टर, प्रतिवेदन, दस्तावेज, आईएचआईपी पोर्टल, प्रयोगशाला कक्ष, दवा भंडार कक्ष, एवं दवा आदि का अवलोकन किए और आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। साथ ही समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अंतर्गत कालाजार से अती प्रभावित गांव पंडरिया में आईआरएस के बाद वैक्टर डेनसिटी पता करने के लिए दिल्ली की केंद्रीय मॉनिटरिंग टीम के द्वारा एंटोमोलॉजिकल सर्वे कर मच्छर के कई प्रजातियों का संग्रह किया गया। साथ ही कालाजार रोगियों से मिलकर फॉलो अप भी किए एवं स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक सलाह भी दिए गए। मौके पर डॉ सालखु चंद्र हांसदा, भीबीडी सत्तीबाबू डाबडा, डॉ रोहित कुमार गोंड, डॉ विनोद कुमार आदि मौजूद थे।

बरहेट प्रखंड कांग्रेस संगठन को मजबूत और हर घर तक पहुंचेगी कांग्रेसी विचारधारा: हीरालाल साहा

आदिवासी एक्सप्रेस
अजय कुमार कुशवाहा

बरहेट प्रखंड कांग्रेस को मजबूत बनाने के उद्देश्य से रविवार को बरहेट प्रखंड के बरमसिया में प्रखंड उपाध्यक्ष मुक्ताज अंसारी के आवास पर प्रखंड अध्यक्ष तैमूर अंसारी के अध्यक्षता में एक विशेष बैठक आयोजित की गई। जबकि मुख्य अतिथि के रूप में जिला कांग्रेस कमेटी के जिला महासचिव सह प्रखंड पर्यवेक्षक हीरालाल साहा उपस्थित थे।

बैठक में नव नियुक्त प्रखंड पर्यवेक्षक हीरालाल साह ने ग्राम पंचायत और वार्ड स्तर से लेकर प्रखंड स्तर तक संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि झारखंड में कांग्रेस पार्टी महागठबंधन सरकार का हिस्सा है और राज्य के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से जनता के साथ मिलकर काम करने और सरकारी योजनाओं का लाभ उन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

हीरालाल साह ने प्रखंड और पंचायत पदाधिकारियों को संगठन को मजबूत बनाने के लिए कई निर्देश दिए। उन्होंने बूथ कमेटियों का गठन करने और प्रत्येक बूथ से एक बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) नियुक्त करने का निर्देश दिया ताकि बूथ लिस्ट की निगरानी की जा सके। उन्होंने कार्यकर्ताओं से विधानसभा चुनाव में माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन की जीत की तरह ही संगठन को मजबूत बनाने और राहुल गांधी के हाथ को मजबूत करने का आग्रह किया। पश्चिमी मंडल अध्यक्ष अख्तर अंसारी दक्षिणी मंडल अध्यक्ष अफजाल अंसारी उत्तरी मंडल अध्यक्ष हरधनतुरी प्रखंड उपाध्यक्ष जयदेव रजवार मो रागीब आलम, करुण केवट खोगेन दास राजू राय कलाम मोमिन अंसारअलाउद्दीन मोमिन इस्माइल मोमिन मुखलाल मोमिन दौलत मोमिन जाहिर मोमिन सुल्तान अंसारी, दौलत अंसारी, अफ़जुद्दीन अंसारी, सिकंदर मोमिन, हसन अंसारी और अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

डीजे गाड़ी का चक्का पैर में चढ़ने से गंभीर रूप से घायल हो गया

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत एक युवक का डीजे गाड़ी का चक्का पैर में चढ़ने से गंभीर रूप से घायल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार अजय पासवान के 14 वर्षीय पुत्र अमन कुमार अपने घर कबूतर खोपी पुरानी साहिबगंज से किसी काम को लेकर कोर्ट के रास्ते समलापुर जा रहा था। उसी दरमियान सरहुल का जुलूस कोर्ट के रास्ते जा रहा था जहां अमन कुमार का पैर में डीजे गाड़ी का चक्का चढ़ गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर बीच सड़क पर गिर गया। वही सरहुल जुलूस के लोगों ने इलाज के लिए साहिबगंज सदर अस्पताल लाया। जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों ने घायल का इलाज किया।

उपायुक्त हेमंत सती ने मेधा डेयरी का किया भ्रमण

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। उपायुक्त हेमंत सती ने आज मेधा डेयरी का भ्रमण कर वहां की कार्यप्रणाली का जायजा लिया। भ्रमण के दौरान उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा भी उपस्थित थे। इस दौरान उन्होंने दूध की पैकिंग प्रक्रिया, उत्पाद निर्माण, पनीर अनुभाग, दूध शीत कक्ष तथा प्रयोगशाला कक्ष समेत विभिन्न इकाइयों का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने डेयरी में स्वच्छता, गुणवत्ता नियंत्रण और आधुनिक तकनीकों के उपयोग पर विशेष बल दिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी प्रक्रियाओं में मानकों का पालन सुनिश्चित किया जाए ताकि उपभोक्ताओं को शुद्ध और गुणवत्तापूर्ण दूध उत्पाद उपलब्ध हो सके। उपायुक्त ने यह भी कहा कि स्थानीय स्तर पर डेयरी उद्योग के विकास से न केवल किसानों की आय में वृद्धि होगी, बल्कि युवाओं को रोजगार के अवसर भी मिलेंगे। उन्होंने प्रयोगशाला में दूध की जांच प्रक्रिया की जानकारी ली और उसकी दक्षता की सराहना की। इस मौके पर डेयरी प्रबंधन से जुड़े अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे, जिन्होंने उपायुक्त को संचालन संबंधी जानकारी दी। निरीक्षण के अंत में उपायुक्त ने डेयरी के समग्र कार्य पर संतोष जताया और सुधार हेतु सुझाव भी दिए।

दिव्यांगजनों के लिए लगेंगे प्रखंडों में कैम्प, बनेगा प्रमाण पत्र: डीसी

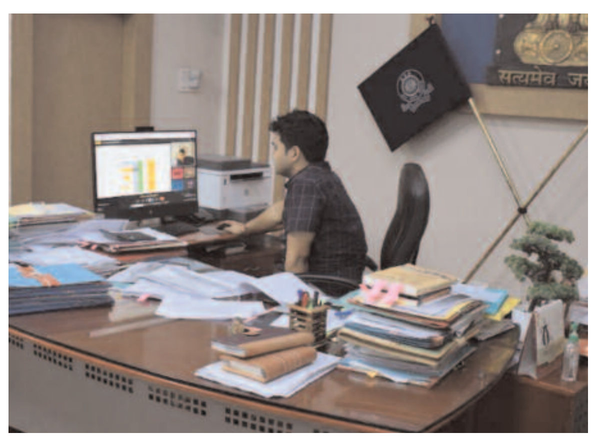

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

उपायुक्त मनीष कुमार ने विडियो कॉन्फ्रेंस कर सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी को प्रखंडों के लिए प्रतिनियुक्त नोडल चिकित्सा पदाधिकारी के साथ स्वास्थ्य संबंधि अभियान का निरीक्षण करने का निर्देश दिया। पाकुड़ प्रखंड के लिए प्रतिनियुक्त नोडल चिकित्सा पदाधिकारी डॉ0 मंटू कुमार टेकरीवाल, हिरणपुर के लिए डॉ0 सुनील कुमार सिंह, लिट्टीपाड़ा के लिए डॉ0 अमित कुमार, अमड़ापाड़ा के लिए डॉ0 एस के झा, महेशपुर के लिए डॉ0 के के सिंह तथा पाकुड़िया के लिए डॉ0 शाहरूख अकबर है।

उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि सभी प्रखंडों में दिव्यागों के लिए कैम्प आयोजित कर उनका दिव्यांगता प्रणाम पत्र बनाया जाएगा। अलिमको की ओर से व्हील चेयर तथा अन्य यंत्रों का वितरण किया जाएगा। इसके अलावा प्रखंड, अंचल अंतर्गत सरकारी कर्मियों का रक्त परीक्षण कर रक्तदान शिविर लगाया जाएगा ताकि जनसंख्या का एक प्रतिशत रक्त ब्लड बैंक कोष में आपात स्थिति के लिए सुरक्षित किया जा सके। उसके बाद सभी प्रखंडों में रात्रि चौपाल का आयोजन कर ग्रामीणों के बीच सभी विभाग पहुंचेगी।

अबुआ आवास योजना की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने कहा कि अप्रैल माह में 885 आवास पूर्ण करना एक उपलब्धि है जिसमें हमारा जिला राज्य में तीसरे नंबर पर है और थोड़ी मेहनत से अव्वल स्थान प्राप्त कर सकता है। सभी प्रखंडों को 24 जुलाई तक 800 आवास पूर्ण करने हेतु लक्ष्य बांटा गया। प्रधानमंत्री आवास तथा जनमन आवास में शत् प्रतिशत लाभुकों को प्रथम किस्त भुगतान करने का निर्देश दिया।

मनरेगा योजना के तहत् बिरसा हरित ग्राम योजना का निर्धारित लक्ष्य 1500 एकड़ के एवज में 1367 एकड़ स्वीकृत पाया जिसपर 24 अप्रैल तक शत् प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने का निर्देश सभी बीडीओ को दिया गया। लोग जोड़े गड्ढा कोड़े% महा अभियान के तहत अब तक बाईस हजार से अधिक गड्ढे खोद लिए गए हैं जिसे 24 अप्रैल तक तीस हजार तथा 30 अप्रैल तक पचास हजार गड्ढा करवाने हेतु बागवानी सखी को सक्रिय करने का निर्देश दिया गया।

सभी मनरेगा जेई एई को क्षेत्र भ्रमण कर एरिया ऑफिसर एप के माध्यम से योजना निरीक्षण करने, पूर्व की लंबित योजनाओं को एम आई एस में पूर्ण करने का लक्ष्य 98 प्रतिशत तक करने हेतु 24 अप्रैल तक का समय दिया गया। अबुआ आवास योजना के तहत 30 अप्रैल तक सभी चालू आवासों में मजदूरी भुगतान प्रक्रिया प्रारंभ करने का निर्देश दिया गया।

उन्होंने मुख्यमंत्री पशुधन योजना के तहत पशु बांटने का कैम्प आयोजित करने का निर्देश दिया तथा सिद्धो-कान्हू क्लब के गठन को लेकर जिला खेल पदाधिकारी को सभी प्रखंडों एवं पंचायत में विजिट करने का निर्देश दिया गया। किसानों का डोर टू डोर सर्वे, बीएलओ द्वारा संग्रह प्रपत्र ऑनलाइन करने तथा हीट वेव से बचाव हेतु आवश्यक कदम उठाने के लिए सभी बीडीओ एवं सीओ तय को निर्देश दिया। चापानल की मरम्मति के लिए गैंग बढ़ाने तथा क्षेत्र में कनीय अभियंताओं की सक्रियता बढ़ाने को लेकर सभी बीडीओ को इसका औचक निरीक्षण करने का निर्देश दिया।

क्या सरकार चाहती है कि सर्वोच्च न्यायालय जी-हुज़ूरी करे!

>> विचार

> "धनखड़ का कहना था कि न्यायालय यह नहीं कर सकता, यह काम राज्यपाल और राष्ट्रपति का है। लेकिन सवाल यह है कि राज्यपाल जिसका काम संविधान सम्मत व्यवहार करना है अगर वह केंद्र सरकार के अधीन काम करके राज्य की विधायी व्यवस्था को बाधित करने का प्रयास करे तो क्या किया जाए? क्या किया जाए अगर देश के संधीय ढांचे को चोट पहुंचाई जा रही हो? क्या किया जाए अगर एक चुनी हुई विधायिका, जो नागरिकों के लिए क़ानून बनाने के लिए संवैधानिक रूप से बाध्य है।

वंदिता मिश्रा

हालिया फैसलों के बाद केंद्र और सुप्रीम कोर्ट के बीच टकराव की स्थिति बनती दिख रही है। क्या सरकार न्यायपालिका की स्वतंत्रता पर असर डालना चाहती है? जानिए इस बहस के पीछे की गहराई। 9 दिसंबर 1948 को संविधान सभा में डॉ. भीमराव आंबेडकर ने कहा था कि "यदि मुझसे पूछा जाए कि इस संविधान में कौन सा विशेष अनुच्छेद सबसे महत्वपूर्ण है-एक ऐसा अनुच्छेद जिसके बिना यह संविधान निष्प्रभावी हो जाएगा-मैं किसी अन्य अनुच्छेद का उल्लेख नहीं कर सकता सिवाय अनुच्छेद 32 के। यह संविधान की आत्मा और इसका हृदय है।" आंबेडकर को यह अनुच्छेद इसलिए संविधान की आत्मा लगता था क्योंकि यह देश के हर नागरिक को, चाहे उसका कोई भी धर्म, जाति या लिंग हो, उसके मौलिक अधिकारों के हनन के खिलाफ देश की सर्वोच्च अदालत में सीधे बिना रोक-टोक जाने और राहत पाने का अधिकार देता है। कोई भी राजनैतिक दल चाहे कितनी भी राजनैतिक शक्ति समेटे हो, चाहे समाज के किसी भी वर्ग का उसे कितना भी समर्थन प्राप्त हो, विधायिका में वह चाहे जितना सबल हो लेकिन उसे भारत के लोगों के मौलिक अधिकारों के हनन का लाइसेंस नहीं मिल सकता। यदि कभी कोई सरकार मुग़ालते में आकर, अपनी विधायी शक्तिबल से प्रेरित होकर ऐसा करने का प्रयास करता है तो सर्वोच्च न्यायालय, जिसे भारत के संविधान का अभिरक्षक कहा जाता है, उसे रोकता है। आंबेडकर इसे 'न्यायिक अतिरेक' नहीं बल्कि सामाजिक न्याय की एक आवश्यकता के रूप में देखते हैं। इस बात से कोई इनकार नहीं कर सकता कि क़ानून बनाने का काम संसद का है लेकिन क़ानून की व्याख्या करने का अधिकार सिर्फ़ सर्वोच्च न्यायालय को है। और देश की सर्वोच्च अदालत यह कार्य संविधान के आलोक में करती है। जहाँ उसे यह प्रतीत होता है कि कोई क़ानून संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकारों का हनन कर रहा है और सरकार/संस्थाएँ संविधान द्वारा दी गई शक्तियों की सीमाएँ भूल रही हैं, वहाँ न्यायालय अपना हस्तक्षेप करने को बाध्य है क्योंकि उसे यह ड्यूटी संविधान द्वारा दी गई है। मोदी सरकार ने वक़्फ़ संशोधन क़ानून 2025 संसद से पारित करवाया। यह कहा गया कि इसकी व्यापक संसदीय समीक्षा की गई है, हालाँकि इस पर विपक्षी दल सहमत नहीं हैं। क़ानूनविदों की राय में यह क़ानून 'समानता का अधिकार', 'धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार' और संस्कृति व शिक्षा संबंधी अधिकारों का उल्लंघन करता है। यह सभी अधिकार संवैधानिक गारंटी प्राप्त मूल अधिकारों की श्रेणी में आते हैं। अब जब अपने इन अधिकारों की सुरक्षा के लिए अल्पसंख्यक समुदाय सीधे सर्वोच्च न्यायालय जाने के अपने अधिकार (अनुच्छेद-32) का इस्तेमाल कर रहा है तो सरकार असहज हो रही है। अल्पसंख्यकों का पक्ष सुनने और क़ानून को प्रथम दृष्टया देखने के बाद भारत के मुख्य न्यायाधीश वाली पीठ ने इस क़ानून के अनुपालन पर फ़िलहाल अगली सुनवाई तक रोक लगा दी है। अल्पसंख्यकों को प्रदान की गई यह राहत केंद्र सरकार और समूची भारतीय जनता पार्टी को नागवार गुज़री है। देश के क़ानून मंत्री का कहना है कि जिस तरह न्यायपालिका कार्यपालिका के कार्य में हस्तक्षेप कर रही है वह ठीक नहीं है "अगर कल के दिन सरकार ने भी न्यायपालिका के कार्य में हस्तक्षेप किया तब क्या" होगा। मेरा सवाल है कि क्या भारत का क़ानून मंत्री भारत की सर्वोच्च अदालत को धमकी दे रहा है? आख़िर इस क़ानून में ऐसी क्या ख़ामी है जिसकी न्यायिक समीक्षा को लेकर केंद्र सरकार विचलित हो रही है? न्यायालय ने यही तो पूछा है कि सदियों पुरानी 'वक़्फ़ बाय यूजर' के लिए पीड़ित पक्ष दस्तावेज कहाँ से जुटाएगा? अगर दस्तावेज नहीं जुटा सका, जिसकी पूरी संभावना है, तो वह ज़मीन सरकार अपने क़ब्ज़े में ले लेगी; न्यायालय ने समानता के अधिकार का हवाला देते हुए यही तो पूछा है कि जब मन्दिर के न्यासों में मुसलमान नहीं हो सकते तो वक़्फ़ बोर्ड में हिंदुओं को किस आधार पर जगह दी गई है? असल में सरकार यह चाहती है कि वो संविधान को जैसे चाहे वैसे तोड़े-मरोड़े और जिसे संविधान ने संविधान का अभिरक्षक बनाया है वह मूक दर्शक बनकर सरकार की हाँ में हाँ मिलाता रहे, अगर ऐसा नहीं किया तो न्यायपालिका को 'टारगेट' किया जाएगा। भारतीय जनता पार्टी के सांसद निशिकांत दुबे का कहना है कि भारत में 'गृहयुद्ध' चल रहा है और इसके लिए भारत के मुख्य न्यायाधीश, जस्टिस संजीव खन्ना, जिम्मेदार हैं। दुबे यह सब सिर्फ़ इसलिए बोल रहे हैं क्योंकि देश की सर्वोच्च अदालत ने अल्पसंख्यकों के मुद्दे पर उनके साथ खड़े होकर सरकार से सवाल पूछ लिया। दुबे यह सिर्फ़ इसलिए बोल रहे हैं क्योंकि सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार को यह याद दिला दिया कि भारत के संविधान में 'समानता का अधिकार' प्रदान किया गया है और यह किसी भी हालत में ख़त्म नहीं किया जा सकता है। अब तक अल्पसंख्यकों के साथ खड़े होने पर राजनैतिक दलों और सामाजिक कार्यकर्ताओं को निशाना बनाया जाता था और अब यह निशाना स्वतंत्र न्यायपालिका पर साधा जा रहा है। मुझे तो कहीं गृहयुद्ध नहीं दिख रहा है। मेरी इतिहास की समझ मुझे गृहयुद्ध का सेंस तब देती है जब कुछ ऐसा हो जैसा-चीनी गृहयुद्ध में हुआ, जो हालात तब बने जब अमेरिकी गृहयुद्ध हुआ या फिर रूसी गृहयुद्ध। इसके अलावा अगर इस सदी की बात करें तो जैसा कांगो में हुआ। सवाल यह है कि निशिकांत दुबे और उनकी पार्टी क्या यह बताना चाहती है कि अगर न्यायपालिका ने अल्पसंख्यकों का साथ दिया तो गृहयुद्ध छिड़ जाएगा? क्योंकि बीजेपी के पास एक 'विकृत इतिहास दर्शन' है इसलिए अगर मान भी लूँ कि गृहयुद्ध चल रहा है तो दुबे जी को यह बताना चाहिए कि गृहमंत्री क्या कर रहे हैं? कहाँ हैं? कैसे निपट रहे हैं? मुद्दा सिर्फ़ इतना है कि देश की सर्वोच्च अदालत आज अल्पसंख्यकों के साथ खड़ी कैसे हो गई? केंद्र सरकार को अल्पसंख्यक अधिकारों के हनन की लत पड़ चुकी है, चाहे बात- तीन तलाक़ की हो, उअअ-ठफ्ळ की हो या बीजेपी शासित राज्यों में लाए जा रहे तथाकथित समान नागरिक संहिता के क़ानूनों की। जब तक बिना न्यायिक हस्तक्षेप के अल्पसंख्यकों के घर गिराये जाते रहें, उन्हें दूसरे दर्जे का नागरिक साबित किया जाता रहे और संसद में खड़े होकर उनको गालियाँ देने का कार्यक्रम चलता रहे तब तक सब ठीक है लेकिन अगर उन्हें न्यायालय से समर्थन मिलने लगे तो गृहयुद्ध की धमकी शुरू! निशिकांत दुबे भूल रहे हैं कि यह संप्रभु देश भारत है, जिसकी नींव में आंबेडकर, गांधी और नेहरू जैसे लोग हैं, यह विल्सन फिस्क का हेल्स किचन नहीं जहाँ कानून और संविधान को किसी सफेदपोश का गुलाम बनाकर रख दिया जाए (डेयर डेविल वेब सीरीज)। दुबे भारत के 543 लोकसभा सांसदों में से एक सांसद हैं वह स्वयं देश की संसद बनने की कोशिश न करें। जिस न्यायालय पर चर्चा भर करने से पहले (आरोप तो बहुत दूर की बात है) लोकसभा का स्पीकर दस बार सोचता है उस लोकसभा का एक सदस्य होकर उन्हें यह सब करने से पहले अपने स्पीकर से पूछना चाहिए था। वह एक सांसद हैं जिन्हें जनता ने चुनकर भेजा है उन्हें फ्रिंज तत्वों की तरह व्यवहार नहीं करना चाहिए। असल में निशिकांत दुबे को अलग से देखने की ज़रूरत नहीं है यह सब कुछ उस पारिस्थितिकी का हिस्सा है जो देश में दशकों तक शासन करने की ज़िद पाल बैठी है। अब इसके लिए चाहे उसे जिस भी संस्थान को 'किनारे' लगाना पड़े वो लगाने को तैयार हैं। पिछले दस सालों में सर्वोच्च न्यायालय एकमात्र संस्था बची है जहाँ अभी भी यह पारिस्थितिकी पूरी तरह हावी नहीं हो सकी है। पर कोशिश जारी है। और यह कोशिश हर स्तर पर की जा रही है, निशिकांत तो उसमें सबसे निचले पायदान पर हैं। इन दिनों इस मोर्चे का नेतृत्व भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सम्भाल रखा है। उनका पद बेहद संवेदनशील है क्योंकि यह संवैधानिक है। लेकिन शायद धनखड़ ऐसा नहीं सोचते। चूँकि संविधान उपराष्ट्रपति को सर्वोच्च न्यायालय की सीधी आलोचना का कोई अधिकार नहीं देता, फिर भी वो कर रहे हैं इसलिए नागरिक के तौर पर उपराष्ट्रपति की रचनात्मक आलोचना का अधिकार सभी को है, भले ही यह संविधान में सीधे सीधे ना वर्णित किया गया हो। उपराष्ट्रपति धनखड़ पद संभालने के बाद से लगातार सर्वोच्च न्यायालय की आलोचना करते रहे हैं। हाल में उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय के 'तमिलनाडु राज्य बनाम राज्यपाल' फ़ैसले की आलोचना की। इस मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने अनुच्छेद-142 का इस्तेमाल करके वर्षों से लंबित 10 विधेयकों को राष्ट्रपति की 'अनुमति प्रदान की गई' मानकर पारित कर दिया। धनखड़ का कहना था कि न्यायालय यह नहीं कर सकता, यह काम राज्यपाल और राष्ट्रपति का है। लेकिन सवाल यह है कि राज्यपाल जिसका काम संविधान सम्मत व्यवहार करना है अगर वह केंद्र सरकार के अधीन काम करके राज्य की विधायी व्यवस्था को बाधित करने का प्रयास करे तो क्या किया जाए? क्या किया जाए अगर देश के संधीय ढांचे को चोट पहुंचाई जा रही हो? क्या किया जाए अगर एक चुनी हुई विधायिका, जो नागरिकों के लिए क़ानून बनाने के लिए संवैधानिक रूप से बाध्य है, के कार्यों को रोक दिया जाए? क्या किया जाए अगर संवैधानिक पदों पर बैठे लोग संविधान के अनुच्छेदों के माध्यम से संविधान का ही गला घोंटने लगें? ऐसी स्थिति से निपटने के लिए संविधान सभा ने अनुच्छेद-142 का प्रावधान किया। अनुच्छेद 142 सर्वोच्च न्यायालय को किसी भी मामले में 'पूर्ण न्याय' करने के लिए आवश्यक कोई भी डिक्री या आदेश पारित करने की शक्ति देता है, जो पूरे भारत में लागू होता है। न्यायालय ने इसी अनुच्छेद का इस्तेमाल करके राज्यपाल के असंवैधानिक रवैये पर रोक लगा दी। लेकिन इन सबसे उपराष्ट्रपति आहत हो गए। उपराष्ट्रपति धनखड़ को कभी 'संविधान की मूल संरचना का सिद्धांत' खटकने लगता है तो कभी संविधान का अनुच्छेद-142। उनकी परेशानी समझी जा सकती है क्योंकि यह दोनों ही ऐसी बातें हैं जो इस देश में अधिनायकवाद को अपनी जड़ें जमाने से रोक रही हैं। संविधान का मूल ढाँचा सरकारों को संविधान के ऐसे प्रावधानों से छेड़छाड़ करने से रोकती है जो असल में भारत को एक संवैधानिक, संप्रभु और धर्मनिरपेक्ष लोकतंत्र के रूप में स्थापित करते हैं। यह ढाँचा राजनैतिक दलों की विचारधारा को देश की क़ानून व्यवस्था और आम जीवन में थोपने से रोकता है। संघीय ढांचे की रक्षा करते हुए यह सिद्धांत देश की अखंडता को जीवंत बनाये रखता है। राष्ट्रपति धनखड़ ने कहा है कि अनुच्छेद-142 सुप्रीम कोर्ट के पास 24 घंटे सातों दिन उपलब्ध एक नाभिकीय मिसाइल है जिसका वो जब चाहे इस्तेमाल कर सकता है। उनका अनुमान सही हो सकता है लेकिन व्याख्या सीमित है। यह सही है कि भारत के संविधान में वर्णित अनुच्छेद-142 एक अत्याधुनिक संवैधानिक हथियार है जिसकी सटीकता बेहद उन्नत दर्जे की है। यह अगर राज्यपालों द्वारा संधीय ढांचे को बर्बाद करने के ऊपर गिराया जाता है तो सिर्फ़ इसी बर्बादी को ही नुकसान पहुँचाता है। यह हथियार सरकार और विचार के एजेंडे से आगे लापरवाह और ताक़त के मद में डूबी सत्ता से संविधान के ढांचे को बचाने का नज़रिया है। यदि इसने सामान्य नाभिकीय मिसाइल की तरह कार्य किया होता तो राम मंदिर निर्णय से, जहाँ इसका इस्तेमाल किया गया था, देश में असंतुलन स्थापित हो जाता; विशाखा निर्णय से भी देश क्षत-विक्षत हो जाता, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। अब यदि इसे केंद्र सरकार की उस नीयत पर इस्तेमाल किया गया है जिसके तहत वो किसी भी ग़ैर-बीजेपी सरकार को सामान्य तरीक़े से चलने की अनुमति नहीं देती है तो इसे एक स्वागतयोग्य, संवैधानिक ज़रूरत समझना चाहिए ना कि विध्वंसकारी नाभिकीय मिसाइल।

संपादकीय

झूठे दावे और कोचिंग इंडस्ट्री का कड़वा सच

सही है कि हाल के दशकों में ज्यादातर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के क्रम में कोचिंग संस्थानों की भूमिका बढ़ती गई है। बल्कि आज स्थिति यह हो गई है कि शिक्षा जगत के दायरे में इसे कोचिंग उद्योग के नाम से जाना जाने लगा है। मगर इस क्रम में बनी निर्भरता के समांतर बहुत सारे कोचिंग संस्थान अपने यहां दाखिले के लिए जिस तरह के दावे करते हैं, अपनी उपलब्धियों, सुविधाओं और संसाधनों को इस कदर बढ़ा-चढ़ा कर पेश करते हैं कि कई विद्यार्थी इसके प्रभाव में वहां चले जाते हैं। कई बार ऐसा भी होता है कि किसी अन्य संस्थान में पढ़ाई किए सफल अभ्यर्थी को वे अपने यहां का बता दें। हालांकि कई बार ऐसे दावे झूठे निकलते हैं। कोचिंग संस्थानों की इस प्रवृत्ति पर कई बार सवाल उठ चुके हैं, सरकार ने सख्ती बरतने की बात कही है, खुद सर्वोच्च न्यायालय भी कह चुका है कि कई कोचिंग संस्थान अभ्यर्थियों की जिंदगी से खिलवाड़ कर रहे हैं। मगर अलग-अलग तरीके अपना कर झूठे दावे करने के चलन पर अब तक रोक नहीं लगाई जा सकी है। अब एक बार फिर केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण यानी सीसीपीए ने कोचिंग संस्थानों की ओर से परोसे जाने वाले भ्रम पर शिकंजा कसने के लिए कड़ी चेतावनी जारी की है। उपभोक्ता अधिकारों से संबंधित इस निकाय ने उनके लिए पिछले वर्ष निर्धारित दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया है। इसके तहत कोचिंग संस्थानों को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके विज्ञापन 'सटीक, स्पष्ट हों और भ्रामक दावों से मुक्त' हों; विद्यार्थियों के दाखिले को लेकर बताई जाने वाली जानकारी में पूरी पारदर्शिता हो। यह छिपा नहीं है कि प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी कराने के मद्देनजर कोचिंग संस्थान जिस तरह की प्रचार सामग्री जारी करते हैं, उनका केंद्रीय भाव यही होता है कि उनके यहां पढ़ाई करने के बाद सफलता की गारंटी और चयन की संभावना 'सौ फीसद' होगी। हकीकत यह है कि कोचिंग संस्थानों और उसमें पढ़ने वाले विद्यार्थियों की संख्या बहुत बड़ी है और उसके मुकाबले नौकरी के लिए सीटें सीमित या बहुत कम संख्या में होती हैं। ऐसे में सबको 'सौ फीसद चयन' की गारंटी देना भ्रम परोसने से कम नहीं है। गौरतलब है कि आइआइटी-जेईइई परीक्षा के नतीजों आमतौर पर इसी तरह की किसी बड़े महत्त्व की परीक्षा के नतीजों के बाद कई कोचिंग संस्थानों की ओर से ऐसे दावे किए जाते हैं कि उनके यहां पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों ने कामयाबी हासिल की है। इस क्रम में वे कई बार दूसरे संस्थानों के विद्यार्थी का नाम भी फर्जी तरीके से इस्तेमाल करते हैं। इसका मकसद यही होता है कि इस तरह के प्रचार को देख कर नए विद्यार्थी उनके संस्थान में दाखिला लेने को लेकर प्रभावित होंगे और इस तरह उनके कारोबार का विस्तार होगा। जबकि इसके बरक्स हकीकत यह होती है कि बहुत सारे सफल अभ्यर्थियों का ऐसा दावा करने वाले संस्थानों से कोई वास्ता नहीं होता। कोचिंग संस्थानों को यह स्पष्ट करने की जरूरत महसूस नहीं होती कि सीमित अवसरों के दौर में सभी अभ्यर्थियों की शत-प्रतिशत सफलता की गारंटी वे किस आधार पर देते हैं। इस तरह के दावे एक तरह से झूठ का कारोबार होते हैं, जिसके जाल में फंस कर बहुत सारे विद्यार्थियों का सपना आमतौर पर अधूरा रह जाता है। ऐसे में अपने संसाधनों और क्षमताओं के बारे में बढ़-चढ़ कर झूठे दावे करने वाले कोचिंग संस्थानों पर लगाम लगाना वक्त की जरूरत है।

खाद्य और जल सुरक्षा को गंभीर चुनौती

ज्ञानेन्द्र रावत

ग्लेशियरों का तेजी से पिघलना वैश्विक जलवायु संकट का गंभीर संकेत है। यूनेस्को की विश्व जल विकास रिपोर्ट 2025 के अनुसार, यदि यह प्रक्रिया यूं ही जारी रही तो इसके परिणाम विनाशकारी होंगे। इससे दो अरब से अधिक लोगों को पानी और भोजन की भारी किल्लत झेलनी पड़ सकती है। ग्लेशियर पृथ्वी के जल चक्र को संतुलित रखने में अहम भूमिका निभाते हैं, और इनके पिघलने से नदियों का अस्तित्व संकट में पड़ रहा है। जलवायु परिवर्तन के कारण ग्लेशियरों का तेजी से पिघलना और पर्वतीय क्षेत्रों में घटती बर्फबारी पूरी दुनिया की खाद्य और जल सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन चुकी है। दुनिया में मौजूद 2.75 लाख से अधिक ग्लेशियरों का सात लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र जलवायु परिवर्तन की मार झेल रहा है। संयुक्त राष्ट्र और विश्व मौसम विज्ञान संगठन के अनुसार, सभी 19 ग्लेशियर क्षेत्रों में लगातार तीन वर्षों से नुकसान देखा गया है, जिनमें नार्वे, स्वीडन और स्वालबार्ड जैसे क्षेत्र सबसे अधिक प्रभावित हैं। कोलोराडो नदी का सूखना इस संकट की भयावहता को दर्शाता है। यूनेस्को के अनुसार, दुनिया के 70 फीसदी पेयजल का स्रोत ग्लेशियर ही हैं और इनके विलुप्त होने से जल संकट और भी विकराल हो सकता है। नासा और नेशनल स्नो एंड आइस डेटा सेंटर के शोध के अनुसार वर्ष 2010 से अब तक आर्कटिक और अंटार्कटिका की बर्फ में लाखों वर्ग किलोमीटर की कमी आ चुकी है। वर्तमान में वहां केवल 143 लाख वर्ग किलोमीटर बर्फ शेष रह गई है, जो 2017 के रिकॉर्ड निचले स्तर से भी कम है। वर्ष 2000 से 2023 के बीच ग्रीनलैंड और अंटार्कटिका के ग्लेशियरों से हर साल करीब 270 अरब टन बर्फ पिघल रही है, जो वैश्विक आबादी द्वारा 30 वर्षों में उपयोग किए जाने वाले पानी के बराबर है। नासा के वैज्ञानिक लिनेन बोइसवर्ट के अनुसार, अगली गर्मियों में और भी कम बर्फ बचने की आशंका है। इसका मुख्य कारण मानवीय गतिविधियों द्वारा तापमान में हुई वृद्धि है, विशेषकर जीवाश्म ईंधनों के अत्यधिक उपयोग से। जैसे-जैसे वैश्विक तापमान बढ़ता है, ग्लेशियर बनने की तुलना में कहीं अधिक तेजी से पिघलते हैं, जिससे उनका अस्तित्व खतरे में पड़ रहा है। यह संकट केवल बर्फ के खत्म होने का नहीं, बल्कि पृथ्वी पर जीवन के अस्तित्व पर मंडराते खतरे का संकेत है। सरकारी रिपोर्टों और वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार, हिमालयी ग्लेशियर जलवायु परिवर्तन के कारण अलग-अलग दरों से तेज़ी से पिघल रहे हैं। यह न केवल पर्यावरणीय असंतुलन का संकेत है, बल्कि दक्षिण एशिया की लगभग 160 करोड़ आबादी के लिए जल संकट और प्राकृतिक आपदाओं का खतरा भी बढ़ा रहा है। करीब 33,000 वर्ग किलोमीटर में फैले ये ग्लेशियर ताजे पानी के विशाल भंडार हैं, जिन पर गंगा, सिंधु और ब्रह्मपुत्र जैसी नदियों की जलापूर्ति निर्भर करती है। इन्हें 'एशिया की जल मीनार' और 'दुनिया का तीसरा ध्रुव' कहा जाता है। बीते 40 वर्षों में 440 अरब टन बर्फ हिमालय से पिघल चुकी है, और केवल वर्ष 2010 में ही 20 अरब टन बर्फ का नुकसान हुआ। यह स्थिति और भी चिंताजनक तब हो जाती है जब वैज्ञानिक चेतावनी देते हैं कि यदि वैश्विक तापमान में 1.5 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होती है तो सदी के अंत तक एक-तिहाई और यदि यह वृद्धि 2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचती है तो दो-तिहाई हिमालयी ग्लेशियर समाप्त हो सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने चेतावनी दी कि नेपाल के पहाड़ों से एक-तिहाई बर्फ पहले ही खत्म हो चुकी है। भारत और चीन जैसे प्रमुख कार्बन उत्सर्जकों के बीच बसे इस क्षेत्र में नेपाल के ग्लेशियर 65 फीसदी तक पिघल चुके हैं, और अगर यही हाल रहा तो हिंदूकुश-हिमालय क्षेत्र के 75 फीसदी ग्लेशियर इस सदी के अंत तक नष्ट हो सकते हैं। ग्लेशियरों के इस संकट से यह स्पष्ट है कि अब समय शब्दों का नहीं, कार्यों का है। जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता खत्म करना, वैश्विक तापमान वृद्धि को सीमित करना और जल स्रोतों को संरक्षित करना मानवता की सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए। आर्यभट्ट प्रेक्षण एवं विज्ञान शोध संस्थान नैनीताल एवं दिल्ली विश्वविद्यालय के अध्ययन से पता चला है कि हिमालय में वायु प्रदूषण का मुख्य कारण जीवाश्म ईंधनों का बढ़ता उपयोग है, विशेषकर वाहनों की बढ़ती संख्या के कारण। हिमालयी क्षेत्र अब शहरीकरण और जनसंख्या दबाव से जूझ रहा है। वहीं, ग्लोबल वार्मिंग से पिघलते ग्लेशियरों के कारण बन रही झीलें गंभीर खतरा उत्पन्न कर रही हैं। इसरो के अनुसार, हिमालय की 2,432 ग्लेशियर झीलों में से 672 का आकार तेजी से बढ़ रहा है, जिनमें भारत की 130 झीलें संभावित टूटने के कगार पर हैं। यह स्थिति आने वाली भीषण प्राकृतिक आपदाओं का संकेत है। यह सच है कि बढ़ते तापमान और जलवायु परिवर्तन ग्लेशियरों के विनाश का प्रमुख कारण बन रहे हैं। यह केवल बर्फ के पिघलने का संकट नहीं, बल्कि एक विनाशकारी सुनामी की तरह है जो पूरी दुनिया को प्रभावित कर सकती है। समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है, द्वीप और तटीय इलाके डूब रहे हैं, बाढ़ और सूखा बढ़ रहे हैं, और नदियां संकट में हैं। हमें अपनी जीवनशैली में बदलाव लाने के साथ-साथ हिमालय क्षेत्र में मानवीय हस्तक्षेप पर अंकुश, जलवायु परिवर्तन और कार्बन उत्सर्जन पर नियंत्रण करना होगा, ताकि हम कुछ सकारात्मक बदलाव देख सकें। अन्यथा, वह दिन दूर नहीं जब पानी की कमी, सूखे और नदियों का खात्मा हमारे जीवन का हिस्सा बन जाएगा। ग्लेशियरों को बचाना सिर्फ बर्फ को बचाना नहीं, बल्कि अपनी आने वाली पीढ़ियों और जीवन के अस्तित्व को बचाना है।

(लेखक पर्यावरणविद हैं।)

आर्ट एंड कल्चर : कुमुदिनी ने नृत्य में लोक का आलोक संजोया

– डॉ.राजेश कुमार व्यास

कुमुदिनी लाखिया नृत्य और नृत्त के अन्तःसंबधों की संवाहक थीं। उनका अवसान भारतीय कला के एक युग का बिछोह है। कुमुदिनी ने कथक में पहले से होती आ रही परम्पराओं को पुनर्नवा कर उसे आधुनिक दृष्टि दी। वह विरल नर्तकी थीं। नृत्य में निहित भावनाओं और आंगिक हाव-भाव संग वह नृत्य-नृत्त करती थीं। माने शुद्ध शारीरिक गति और लय में वह देह के गान की रसानुभूति करातीं भावों का अनूठा संसार रचती थीं। कथक में अमूर्तन की दृष्टि पहले-पहल किसी ने दी तो वह कुमुदिनी लाखिया थीं। कुमुदिनी ने कथक को मंचीय-विस्तार दिया। मंच पर खाली जगहों, वहां की निष्क्रियता में नृत्य और नृत्त की ऊर्जा संग उन्होंने उमंग भरी। कथक में समूह नृत्य की प्रवर्तक वही थीं। नृत्य-नृत्त के भेद समझाते कुमुदिनी ने कथक के बंधे-बंधाए नियमों के अनुशासन को बरकरार रखते हुए भी कथक को समयानुरूप आधुनिक दृष्टि दी। सर्वथा नया व्याकरण विकसित किया। बंधे-बंधाए कथानकों की रूढ़ि में कथक के होने की मुक्ति की राह भी किसी ने तलाशी तो वह कुमुदिनी लाखिया थीं। याद है, भोपाल स्थित अलाउद्दीन खां अकादमी के उपनिदेशक रहे, मित्र राहुल रस्तोगी संग एक बार संवाद में यह तय हुआ था कि कुमुदिनी लाखिया की कथक-विचार दृष्टि को उनके यहां जाकर हम संजोएंगे। पर कुछ व्यवधान ऐसे उभरे कि यह संभव नहीं हो सका। पर इस दौरान उनकी कला की मौलिकता को निरंतर जिया। वह नाचतीं तो आंगिक क्रियाएं विचार बन हमसे संवाद करतीं। नृत्य में देह का विसर्जन कर विचार का प्रगटीकरण किसी ने किया तो वह कुमुदिनी लाखिया थीं। उनकी नृत्य-प्रस्तुतियां 'सेतु', 'चक्षु', 'दुविधा', 'कोट' देखते सदा ही यह लगता है कि नृत्य में अमूर्त भी खंड-खंड अखंड विचार बन हममें समाता चला जाता है। कुमुदिनी ने नृत्य में लोक का आलोक संजोया। छाया-प्रकाश, रंगों और परिधानों के बंधे-बंधाए ढर्रे को तोड़ते कथक में कोरियोग्राफी का नया शास्त्र आरंभ किया। कथक में बेले सरीखी छलांग लगाते उड़ान के दृश्य प्रस्तुत करना, तैरना, फिसलना और उतरने की जो अंग-क्रियाएं कुमुदिनी ने ईजाद कीं, वह कथक के भविष्य का उजास है। नृत्य में अपने आपको वह विसर्जित कर देती थीं। यह उनकी कला-दृष्टि ही थी, जिसमें उन्होंने नृत्य में बाधा बनते दुपट्टे को हटाकर पोशाक की रूढ़ियों को तोड़ा।

(संस्कृतिकर्मी, कवि)

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक व संपादक **सरोज चौधरी** द्वारा ई-37, अशोक विहार रांची से प्रकाशित तथा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस लालगुटवा रांची से मुद्रित, **संस्थापक संपादक : स्व. राधाकृष्ण चौधरी, प्रबंध संपादक अरूण कुमार चौधरी** * **फोन :** 9471170557/08084674042, **ई-मेल :** aadivashiexpress@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

उपायुक्त ने किया टपक सिंचाई प्रणाली का निरीक्षण

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। उपायुक्त हेमंत सती ने आज चानन स्थित टपक सिंचाई प्रणाली का स्थल निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने खेतों में लगे फसलों की स्थिति का जायजा लिया और किसानों से सीधे संवाद की।उन्होंने पदाधिकारी को निर्देश दिया कि टपक सिंचाई प्रणाली का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार किया जाए ताकि किसान कम पानी में अधिक उत्पादन कर सकें। उपायुक्त ने कहा कि जल संरक्षण की दिशा में यह तकनीक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। मौके पर मौजूद उद्यान पदाधिकारी अमितेश रंजन ने उपायुक्त को टपक सिंचाई की तकनीकी जानकारी दी और अब तक किए गए कार्यों की प्रगति से अवगत कराया। इस अवसर पर संबंधित किसान भी उपस्थित रहे, जिन्होंने उपायुक्त से बातचीत कर अपनी अनुभव साझा किए। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने किसानों को तकनीक अपनाने के लिए प्रेरित किया और हर संभव सहायता का आश्वासन दिया।

पुराने विवाद में मारपीट के दौरान तीन महिला घायल, पुलिस ने युवक को किया गिरफ्तार न्यायिक हिरासत में

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। गंगा नदी थाना क्षेत्र अंतर्गत सुभनपुर छोटू टोला में पुराने विवाद में दो पक्षों में शनिवार को जमकर मारपीट हो गई थी.मारपीट की घटना में एक पक्ष के तीन महिला घायल हो गई तीनों घायल को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया था. बताया जा रहा कि दो पक्षों में पुराने विवाद चल रहा था. शनिवार को गाड़ी पर पैसे छिटने को लेकर मारपीट हो गई इस मारपीट की घटना में तीन महिला घायल हो गई थी घायल में सुलेखा देवी,मुनिया मोसमात व सोम कुमारी घायल हो गई तीनों घायल के सिर में गंभीर चोट आई थी. इधर पुलिस ने मारपीट के आरोपी को रामेश्वर सिंह के पुत्र 19 वर्षीय महावीर कुमार को मेडिकल जांच उपरांत न्यायिक हिरासत में भेजा गया.

चोरी कर ले जा रहे हैं बकरी चोर को पुलिस ने पकड़ा

आदिवासी एक्सप्रेस / बौसी (बांका)

पुलिस के सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक व्यक्ति रौशन कुमार पिता कारू राम ग्राम मंझौला थाना रजौन जिला बांका को एक आटो पर छः चोरी की गई बकरी के साथ हनुमान मंदिर चौक बौसी से रंगे हाथ पकड़ा गया है। पुलिस द्वारा रंगे हाथ पकड़े गए इस बकरी चोर पर कानून के तहत अग्रीम कार्यवाही की जा रही है। चोरी के इस तरह के मामले को लेकर बाजार में भी चर्चाएं व्याप्त है।

कटोरिया में कुल 54 कांड में जप्त हुए चुलाई, देशी एवं विदेशी शराब का विनष्टीकरण

बांका संवाददाता श्रीकान्त यादव

बांका में दिनांक- 19/04/2025 को शराब सेवन के आरोप में कुल - 01 व्यक्तियों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया वहीं से वे जुर्माना देकर मुक्त किये गये। उत्पाद थाना बांका एवं कटोरिया में कुल 54 कांड में जप्त कुल-797.060 ली0 चुलाई एवं देशी शराब तथा 1963.620 ली0 विदेशी शराब का माननीय समाहर्ता बांका के आदेश पर दिनांक 19/04/2025 को विनष्टीकरण किया गया।

मेंहदीपुर सिंचाई कूप घोटाला: रोजगार सेवक की भूमिका पर सवाल, पुराने कुओं पर नया निर्माण

Mohit mansuri

बरहरवा। बरहरवा प्रखंड के बड़ा सोनाकर पंचायत के मेंहदीपुर गांव में चल रही बिरसा सिंचाई कूप निर्माण योजना गहराती विवादों में घिरती जा रही है। ग्रामीणों ने इस योजना में बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितता का आरोप लगाया है। उनका स्पष्ट कहना है कि ठेकेदार द्वारा पहले से ही मौजूद पुराने और बेकार पड़े कुओं के ऊपर ही नए बिरसा सिंचाई कूपों का निर्माण दर्शाया जा रहा है, जिससे सरकारी खजाने का सीधा और खुला दुरुपयोग हो रहा है।

इस गंभीर मामले में स्थानीय आदिवासी महिला वार्ड सदस्य ने खुलकर अपनी आवाज बुलंद की है। उन्होंने बताया कि बिना किसी आधिकारिक कागजात और स्वीकृति के मजदूरों को भुगतान किया जा रहा है, जो इस कार्य में व्यापक स्तर पर धांधली की ओर इशारा करता है। उन्होंने इस पूरे मामले की निष्पक्ष और उच्च स्तरीय जांच की पुरजोर मांग की है।

बड़ा सोनाकर के उप मुखिया देबू रजवाड़ ने भी ठेकेदार के तौर-तरीकों पर कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने आरोप लगाया कि ठेकेदार नियमों को ताक पर रखकर मनमानी कर रहा है और ग्रामीणों की जायज शिकायतों को सुनने तक को तैयार नहीं है। उन्होंने इस योजना को भ्रष्टाचार का जीता-जागता उदाहरण बताया है।

ग्रामीणों का आरोप है कि मेंहदीपुर एक ऐसा गांव है जहां आदिवासी समुदाय की संख्या अधिक है, और यहां के सीधे-सादे ग्रामीण अक्सर ठेकेदारों की धोखाधड़ी का शिकार होते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि बिरसा सिंचाई कूप योजना की पूरी प्रक्रिया ही संदेह के घेरे में है, और इसकी तह तक जाकर जांच होनी चाहिए। ग्रामीणों की मांग है कि दोषियों को कड़ी सजा मिले और गांव के लोगों को उनके अधिकारों से वंचित न किया जाए।

इस पूरे प्रकरण में रोजगार सेवक की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। पहले से बने कुओं के ऊपर नए कूप का निर्माण कई गंभीर प्रश्न खड़े करता है, जो निश्चित रूप से एक उच्च स्तरीय जांच का विषय है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से तत्काल इस मामले में हस्तक्षेप करने और निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की गुहार लगाई है, ताकि सरकारी योजनाओं का लाभ सही लाभार्थियों तक पहुंच सके और भ्रष्टाचार पर लगाम लगाया जा सके।

देवघर में बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा की क्षतिग्रस्त, पहुंचे विधायक

क्राइम संवाददाता द्वारा

देवघरः संविधान निर्माता बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के साथ छेड़छाड़ करने का मामला सामने आया है. घटना देवीपुर थाना क्षेत्र के बरियारपुर गांव में शनिवार के दिन घटी. जहां असामाजिक तत्वों ने बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के कई हिस्सों को क्षतिग्रस्त कर दिया. प्रतिमा के क्षतिग्रस्त होने की सूचना पर स्थानीय लोग आक्रोशित हो गए दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग पुलिस और प्रशासन से की. मामले की गंभीरता को देखते हुए घटनास्थल पर एसपी अशोक सिंह पहुंचे और आक्रोशित लोगों को शांत कराया.

प्रतिमा खंडित होने पर आक्रोशित लोगों को समझाने के लिए देवघर से राष्ट्रीय जनता दल के विधायक सुरेश पासवान भी लोगों के बीच पहुंचे. उन्होंने लोगों को आश्वासन दिया कि बाबा भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा को फिर से बनाई जाएगी और आसपास की जमीन को अधिग्रहण कर प्रतिमा को भव्य रूप दिया जाएगा.

बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की एक छोटी प्रतिमा बनाई गई थी. जिसको बाद में भव्य रूप देने की बात कही गई थी. लेकिन उससे पहले ही कुछ असामाजिक तत्वों ने प्रतिमा को क्षतिग्रस्त कर दिया. जिसके बाद स्थानीय लोगों ने काफी देर तक हंगामा किया. लोगों ने पुलिस से आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की.

घटना की जानकारी जैसे ही मंत्री हफीजुल हसन अंसारी को मिली तो वह खुद देवपुर के रामूडीह पंचायत के बरियारपुर गांव पहुंचे और लोगों से मिले. मंत्री ने स्थानीय लोगों से मुलाकात के साथ पूरी घटनी की जानकारी ली. घटना के प्रतिमा खंडित करने के मामले पर उन्होंने डीसी और एसपी को कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश में कहा है कि जिसने भी इस घटना को अंजाम दिया है. उसे कानून के तहत कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जाए. ताकि आने वाले समय में कोई भी व्यक्ति इस तरह के महान व्यक्तित्व की प्रतिमा को नुकसान नहीं पहुंचा सके.

जिस महान शख्स ने संविधान के माध्यम से समाज के वंचित वर्गों को समानता एवं सम्मान का अधिकार दिलाया. उनकी प्रतिमा का अपमान करने वाले को कभी भी माफ नहीं किया जाएगा. हेमंत सोरेन की सरकार बाबा भीमराव अंबेडकर के सम्मान को हर हाल में बनाए रखेगी. मंत्री ने यह भी आदेश दिया है कि अगले 24 घंटे के भीतर बरियारपुर गांव में डॉ. भीमराव अंबेडकर की नई प्रतिमा स्थापित की जाएगीः मंत्री हफीजुल हसन

मशाल गौरव यात्रा के तहत खेलो इंडिया युथ गेम्स 2025 का आयोजन

बांका संवाददाता श्रीकान्त यादव

बांका में मशाल गौरव यात्रा के तहत खेलो इंडिया युथ गेम्स 2025 का आयोजन बिहार के पांच जिलों के साथ दिल्ली मे 4 से 15 मई 2025 तक आयोजित होना है.

आयोजन के व्यापक प्रचार प्रसर एवं जनजागरण हेतु आज दिनांक 20/4/25 को आर0एम0के0 विद्यालय के प्रांगण मे मशाल का तक़रीबन 200 खिलड़ियों द्वारा जोरदार स्वागत किया गया।

दिनांक 14 अप्रैल 2025 को मशाल टूर के यात्रा माननीय मुख्यमंत्री बिहार सरकार द्वारा 1 अने मार्ग पटना से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

इस मौके पर बिहार राज्य खेल प्राधिकरण से आये हुए अतिथियों द्वारा सभी खिलाड़ियों एवं स्थानीय अतिथियों को गिफ्ट हेमपर देकर सम्मान किया गया।

इस मौके पर मुख्य अतिथि जेल अधीक्षक श्री आशीष रंजन, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी ह्यह्यड्ड श्री राजकुमार राजू एवं प्रधानाचार्य श्री राकेश रंजन ने संयुक्त रूप से ग्रहण किया एवं सभी खिलाड़ियों एवं अतिथियों का स्वागत किया।

कार्यक्रम संचालन जिला खेल संयोजक प्रदीप कुमार ने किया।

इस मौक़े पर खेल संघ के सतेंद्र जी, खेल शिक्षक चन्दन कुमार, महेश चक्रवर्ती, श्रीकांत पाण्डेय, रोशन कुमार, गौरव कुमार, मोनू कुमार, फरदिन खाना, राजा, रोमा, प्रिया, कोमल, हिदायत खातून आदि उपस्थित थे।

बालक गरम माड़ में गिरने से बुरी तरह जल गया

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। बोरियो थाना क्षेत्र अंतर्गत एक बालक गरम माड़ में गिरने से बुरी तरह जल गया। मिली जानकारी के अनुसार बोरियो समी टोला निवासी गुबदन शर्मा के पुत्र 3 वर्षीय पुत्र जीवन कुमार अपने घर में खाट पर खेल रहा था, उसी दरमियान खाट के बगल में चावल बनाकर माड़ पसा कर रखा हुआ था, और बच्चा खाट में खेलते खेलते उसी में जा गिरा जिससे बुरी तरह जलकर झुलस गया। जहां आनन फानन में परिजनों ने इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बोरियों ले गया जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों ने बच्चा का इलाज किया। बच्चा की स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर साहिबगंज सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया।

2027 के उप्र चुनावों में भी 'इंडिया' गठबंधन जारी रहेगा: अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने रविवार को कहा कि 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन जारी रहेगा। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर हमला करते हुए आरोप लगाया कि वह वक्फ (संशोधन) कानून के जरिए माफिया की तरह जमीन हड़पने की कोशिश कर रही है। यादव ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि 2027 के विधानसभा चुनावों में पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) राज्य से भाजपा को उखाड़ फेंकेगा। जब उनसे 'इंडिया' गठबंधन के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने दोहराया, 'इंडिया' गठबंधन (मौजूदा) है और रहेगा। उन्होंने कहा, भाजपा वक्फ संशोधन कानून लेकर आई है ताकि वह जमीन छीन सके। जहां भी उन्हें जमीन दिखती है, वे उस पर कब्जा कर लेते हैं। उन्होंने भाजपा को भू-माफिया पार्टी करार दिया। यादव ने सत्तारूढ़ पार्टी पर नोटबंदी और जीएसटी (माल एवं सेवा कर) के जरिए लोगों का पैसा छीनने और आरक्षण के अधिकार को कम करने का आरोप लगाया। यादव ने प्रयागराज में महाकुंभ के आयोजन के संबंध में भाजपा की कार्यप्रणाली की भी आलोचना की तथा वादा किया कि यदि उनकी पार्टी सत्ता में आई तो कुप्रबंधन की जांच कराई जाएगी। सपा प्रमुख ने दावा किया कि सरकार ने घटना के दौरान हताहतों की संख्या और वित्तीय लाभ के बारे में गलत आंकड़े दिए, और आरोप लगाया कि जनवरी में भगदड़ के दौरान ड्रोन और सीसीटीवी निगरानी विफल रही।

संक्षिप्त समाचार

प्रखंड विकास पदाधिकारी इटखोरी को रक्त मित्रों ने सौंपा रक्तदान प्रमाण पत्र

आदिवासी एक्सप्रेस /संतोष कुमार दास

इटखोरी (चतरा)। इटखोरी के रक्त मित्रों ने रक्तदाता प्रखंड विकास पदाधिकारी इटखोरी सोमनाथ बांकिरा को भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी चतरा के द्वारा प्रदत्त रक्तदान प्रमाण पत्र सौंपा। विदित हो कि विगत 4 अप्रैल को इटखोरी के सामुदायिक अस्पताल में इटखोरी के चिकित्सा पदाधिकारी सुमित जायसवाल और भाजपा युवा मोर्चा के मंडल महामंत्री आशीष मिश्रा और भाजपा के श्री राम चौरसिया समेत अन्य रक्त मित्रों के सहयोग से भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी चतरा के सहयोग से रक्तदाताओं द्वारा स्वेच्छा पूर्वक रक्तदान किया गया था। भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी चतरा द्वारा सभी रक्तदाताओं का प्रमाण पत्र निर्गत किया गया। रक्त मित्रों के द्वारा संबंधित रक्तदाताओं को उनका रक्तदान प्रमाण पत्र उपलब्ध कराया जा रहा है। इसी क्रम में शनिवार को भारतीय जनता युवा मोर्चा के मंडल महामंत्री सह रक्त मित्र इटखोरी के सदस्य आशीष मिश्रा और रक्त मित्र इटखोरी के सदस्य सह भाजपा ओबीसी मोर्चा प्रखंड उपाध्यक्ष श्री राम चौरसिया मैं संयुक्त रूप से प्रखंड विकास पदाधिकारी इटखोरी सोमनाथ बांकिरा को भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी चतरा के द्वारा निर्गत रक्तदाता प्रमाण पत्र सौंपा। मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी सोमनाथ बांकिरा ने दोनों रक्त मित्रों के प्रति आभार जताया।

जमुआ: घर के सामने रखी मोटरसाइकिल चोरी, वाहन चोर सक्रिय

- जमुआ में आए दिन हो रही बाइक चोरी की वारदातें
- पुलिस द्वारा इस ओर गंभीरता से कोई कार्रवाई नहीं

जमुआ, प्रतिनिधि। वाहन चोरों के हौसले बुलंद हैं। जमुआ प्रखंड अंतर्गत बदडीहा में शादी समारोह में शामिल होने गए एक व्यक्ति की बाइक चोर ने घर के बाहर से चोरी कर चम्पत हो गए। इसकी शिकायत वाहन मालिक बदडीहा टू निवासी शिव शंकर राम ने जमुआ थाना में की। शिव शंकर राम ने बताया कि शुक्रवार को रात में शादी समारोह में ग्राम महतोटांड़ में विजय राय के यहां शादी में गए हुए थे। घर के बाहर दो पहिया वाहन को खड़ा किए थे और शादी समारोह में गए हुए थे। थोड़ी देर बाद घर के बाहर आकर देखा तो बाइक नहीं मिली। आसपास खोजबीन करने पर भी बाइक का पता नहीं चला। इस बावत जमुआ थाना में आवेदन सौंपकर अज्ञात चोर के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई हैं। बाइक का रजिस्ट्रेशन नंबर जेएच11पी 7942 है, जिसका चेचिस नंबर एमई4जेसी651एफएफ 7132327 हैं।

क्या कहते हैं लोग

लोगों का कहना है कि जमुआ में विगत कई महीनों से दो पहिया वाहन चोर सक्रिय हैं। इसके चलते आए दिन वाहन चोरी के मामले सामने आ रहे हैं। बढ़ते वाहन चोरी के मामलों के बाद भी पुलिस द्वारा इस ओर गंभीरता से कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। इसके चलते बाइक चोर गिरोह पुलिस की गिरफ्त से दूर हैं। घटनाओं के बाद पुलिस द्वारा न तो बाइक की तलाश की जाती है और न ही जांच पड़ताल। इससे न तो बाइक मिलती है और न ही बाइक चोरी करने वाले चोरों पर कार्रवाई न होने से उनके हौसले बुलंद हैं। इससे चोरी की घटनाओं का सिलसिला बढ़ता जा रहा है। वाहन मालिकों का कहना है कि चोरी की घटनाओं से वाहन चोरी होने का डर अक्सर बना रहता है।

भाजपा विधायक सी पी सिंह के दिमागी दिवालियापन को दर्शाता है मुस्लिम समुदाय को जिहादी कहना: अहमद रजा नूरी

- भाजपा विधायक सी पी को पूरे मुस्लिम समाज से माफी मांगना चाहिए

गिरिडीह, प्रतिनिधि। जिला कांग्रेस कमिटी गिरिडीह के अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष अहमद रजा नूरी ने कहा कि रांची विधायक सी पी सिंह के द्वारा मुस्लिम समुदाय को जिहादी शब्द से संबोधित किए जाने का निंदा करता हूं। इस प्रकार के भाषा का प्रयोग भाजपा विधायक सी पी सिंह का दिमागी दिवालियापन दर्शाता है। ऐसा प्रतीत होता है कि वह अपना मानसिक संतुलन खो चुके हैं और सामान्य व्यक्ति की तरह भी वह आचरण नहीं करते हैं। मेरा सी पी सिंह को सलाह होगी कि अपना दिमाग का इलाज कांके में कराएं। यह उनका आचरण बिल्कुल स्तरहीन है और ऐसा स्तरहीन व्यक्ति का प्रतिनिधि बने रहना किसी भी विधानसभा क्षेत्र के लिए बहुत शर्मनाक बात है। विधायक सी पी सिंह को अक्सर देखा जाता है कि ये एक विशेष समुदाय मुस्लिम के प्रति नफरत की भाषा का प्रयोग करते है। इस तरह का कृत किसी भी सभ्य समाज, जिला, राज्य एवं देश के लिए बेहतर नहीं हैं। राजनीति में वाद विवाद चलता रहता है, इसका मतलब यह नहीं है कि अगर आपका किसी मंत्री से मतभेद हो तो आप उसके पूरे समाज के ऊपर (जेहादी) अशोभनीय शब्दों का प्रयोग करें। यह बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, क्योंकि यह झारखंड है जंगल राज नहीं है की आप जो बोल दिए और मुस्लिम समुदाय बर्दाश्त कर लेगा, इस घटना से मुस्लिम समाज में काफी आक्रोश है। भाजपा विधायक सी पी को पूरे मुस्लिम समाज से माफी मांगना चाहिए।

मनरेगा योजना की बदहाली ने छीना गरीबों का निवाला, मजदूर बोले-पैसा दो नहीं तो मजबूरन जाना होगा परदेस

लंबित भुगतान से टूटा ग्रामीणों का भरोसा, हर प्रखंड में उबाल

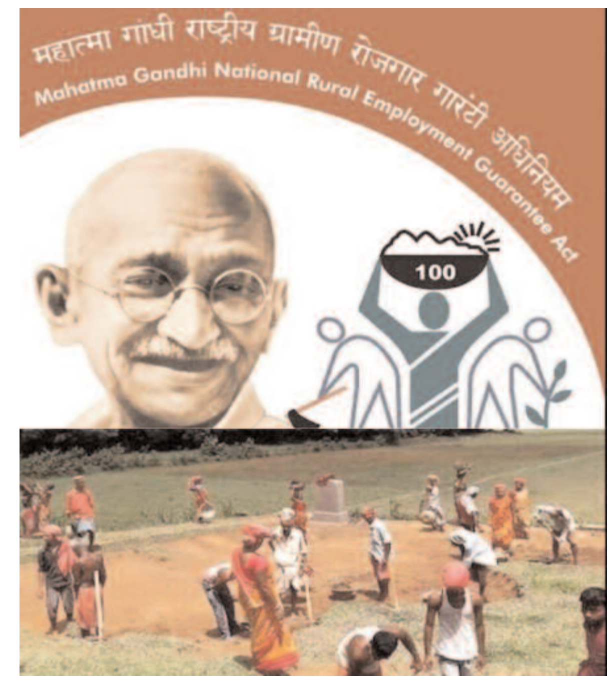

आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास

चतरा। जिले में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत भुगतान में हो रही भारी देरी ने गरीब मजदूरों की नींद उड़ा दी है। मजदूरी के इंतज़ार में महीनों से तड़पते इन मेहनतकशों की हालत अब ऐसी हो गई है कि वे या तो कर्ज में डूब रहे हैं या फिर अपने गांव-घर छोड़ने को मजबूर हो गए हैं। बीते दिन इस गंभीर विषय पर प्रकाशित एक समाचार ने जैसे उनके दर्द को आवाज़ दे दी हो- अब जिले के विभिन्न प्रखंडों के मजदूर खुलकर सामने आ रहे हैं और अपनी पीड़ा बयां कर रहे हैं। उन्होंने साफ शब्दों में कहा है कि यदि केंद्र सरकार जल्द से जल्द लंबित भुगतान नहीं करती है तो उन्हें पलायन जैसे कठिन कदम उठाने पर विवश होना पड़ेगा। गांव-गांव में हालात ऐसे हो चुके हैं कि ना तो मनरेगा के किए गए कार्यों की मजदूरी का कोई अता पता है और ना ही कोई इस पर अधिकारी/पदाधिकारी के द्वारा दो टूक हो पाता तथा कोई शुद्ध तक भी नहीं लिया जाता। कुछ लोगों को 3-4 महीनों से मेहनताना तक नहीं मिला है, जिस से उनके परिवारों की स्थिति अत्यंत दयनीय हो चुकी है।

क्या कहते हैं विभिन्न प्रखंडों के मनरेगा मजदूर व लाभुक:

विभिन्न प्रखंड क्षेत्र के मजदूर व लाभुकों ने बताया कि हर बार प्रखंड कार्यालय के द्वारा पूछे जाने पर बताया जाता है कि सभी बिल भेजी जा चुकी है, जल्द ही पैसे आप सभी के खाते में चली जाएगी। लेकिन सिर्फ दिन और दिनांक ही गुजर जा रही है पर आज तक खाते में पैसे नहीं आ पाई है। इसी तरह चतरा जिले के विभिन्न प्रखंडों में भी मनरेगा मजदूरों ने रोष जताते हुए कहा कि वह बार-बार मुखिया और प्रखंड कार्यालय के चक्कर काट चुके हैं, लेकिन उन्हें सिर्फ आश्वासन ही मिला है। अब शहर ही जाना पड़ेगा साहब, गांव में तो सिर्फ वादे हैं,जिले के विभिन्न प्रखंडों के मजदूरों ने कहां की हम पहले प्रदेश में मजदूरी करते थें, लेकिन सरकार की मनरेगा योजना के भरोसे गांव लौटे, अब कहते हैं- भरोसा किया कि अब गांव में काम मिलेगा, लेकिन अब लग रहा है गलती कर दी। फिर से पलायन करना पड़ेगा। तथा आगे अन्य मजदूरों ने भी कहा है कि अगर ऐसी स्थिति ही रही, तो हम सभी को भी पलायन करना ही पड़ेगा, जो सरकार के लिए शर्मनाक होगा। प्रशासन मौन,गरीबों में गुस्सा वहीं प्रशासन की तरफ से अब तक कोई ठोस प्रतिक्रिया नहीं आई है। इस चुप्पी ने लोगों में और भी गुस्सा भर दिया है। हालांकि खबर लिखे जाने से पहले उपायुक्त चतरा एव उप विकास आयुक्त चतरा से बात करने की कोशिश भी की गई किंतु संपर्क नहीं हो पाया। अब सवाल उठ रहा है - जब देश की सबसे बड़ी रोजगार योजना ही दम तोड़ रही है, तो गरीब कहां जाए? देखना यह होगा कि सरकार मजदूरों की इस पुकार को कब तक अनसुना करती है या फिर कोई बड़ा जनांदोलन जन्म लेने वाला है।

पत्थलगड़ा बाजार टांड में भारत रत्न बाबासाहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की 134वीं जन्म जयंती मनाई गई

आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास

पत्थलगड़ा (चतरा)। प्रखंड मुख्यालय के बाजार टांड स्थित रविवार को भारत रत्न संविधान निर्माता बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर का 134वीं जन्मदिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अपर समाहर्ता अरविंद कुमार वरिष्ठ अतिथि प्रमुख मनीषा कुमारी पत्थलगड़ा अंचलाधिकारी उदल राम, पत्थलगड़ा थाना प्रभारी राकेश कुमार समेत अन्य लोगों ने बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के प्रतिमा का माल्यार्पण करते हुए दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किये। वहीं कार्यक्रम का संचालन भाजपा नेता दिनेश्वर भुईयां ने किया। मुख्य अतिथि समेत स्थानीय जनप्रतिनिधि ने बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के जीवनी पर प्रकाश डालते हुए उनके जीवन और व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। मौके पर मंच से बोलते हुए राजनंदिनी दास ने कहा कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर का व्यक्तित्व और कृतित्व महान है। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को मध्य प्रदेश के महू में हुआ था। बाबा साहेब ने अपना जीवन समाज में पिछड़े वर्ग के उत्थान के लिए समर्पित किया। वे एक महान समाज सुधारक और विधि विशेषज्ञ थे, जिन्होंने भारतीय संविधान की रचना में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्हें उनके कार्यों के लिए 1990 में मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित भी किया गया था। आज बाबा साहब भीमराव अंबेडकर का दिन है कि संविधान में शिक्षा समानता जैसे अधिकारों के द्वारा भारत मजबूत हुआ है। दलित उपेक्षित समाज का अंतिम व्यक्ति बाबा साहब का आभारी है कि उन्होंने संविधान बनाकर उनके अधिकारों को सुरक्षित कर दिया। उनके बताएं मार्ग पर चलने का लोगों ने संकल्प लिया। राज नंदिनी दास के भाषण से प्रभाभित हो कर अंचलअधिकारी ने पारितोशीक प्रदान किया। मौके पर जिला परिषद सदस्य राम सेवक भगत ,भाजपा नेता प्रकाश दास, बरवाडीह मुखिया संदीप सुमन उर्फ महेश दांगी, सिंघानी पंचायत के मुखिया राधिका देवी, नोनगांव पंचायत के मुखिया कुमारी संगीता सिन्हा,सिंघानी पंचायत के समाजसेवी सह पूर्व मुखिया डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद,नोनगांव पंचायत के पूर्व मुखिया सतीश दांगी,बसपा नेता विनोद राज, भाजपा नेता उपेंद्र दास, अरविंद कुमार, समाजसेवी संतोष कुमार दास, मुकेश राम, विक्रम कुमार, खुदनाथ डीलर, दिलीप दास, दशरथ दास, प्रवीण कुमार, बालेश्वर मोची,बहुजन समाज पार्टी उपाध्यक्ष तिरसूतिर्की,बहुजन समाज के सचिव जीतेन्द्र राम, संतोष दास, जीतेन्द्र कुमार दास,बृक्ष राम, चमारी भुइयाँ, जयनाथ मास्टर, जुगेसर भुइयाँ, संतु भुइयाँ, बेचन ठाकुरसेंकड़ो के संख्या में महिला समेत मौजूद थे।

छवि रंजन और रीना हांसदा ने नहीं दिया ब्यौरा

संवाददाता द्वारा

रांची। झारखंड कैडर के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आइएएस) के अधिकारियों की अचल संपत्ति में वृद्धि नहीं हो रही है।

पिछले कई वर्षों से जिनके पास जितनी अचल संपत्ति थी, लगभग उतना ही ब्यौरा इस वर्ष भी अधिकारियों द्वारा केंद्रीय कार्मिक एवं प्रशिक्षण मंत्रालय (डीओपीटी) को सौंपे गए शपथपत्र में दिया गया है। इसमें बढ़ोतरी का ट्रेंड देखने को नहीं मिल रहा है। कई अधिकारियों के पास संयुक्त पारिवारिक जमीन भी है। सीमित मात्रा में इन अधिकारियों के पास जमीन है, जिसका वर्तमान मूल्य और बाजार मूल्य भी अधिकारियों ने प्रदान किया है।

गिनती के अधिकारी ही ऐसे हैं, जिनकी संपत्ति का ब्यौरा एक पन्ने से ज्यादा है। ऐसे अधिकारियों ने उत्तराधिकार के तहत मिली पैतृक संपत्ति का भी खाका दिया है।राज्य में तैनात अधिकारियों में ज्यादातर के पास सुकरहुट्ट, कांके स्थित को-आपरेटिव सोसाइटी में जमीन है। इसके अलावा अन्य रिहायशी कालोनियों में भी भूखंड और आवास हैं।

निलंबित आइएएस छवि रंजन का ब्यौरा उपलब्ध नहीं

यह भी रोचक है कि जमीन आवंटन संबंधी मामलों में अनियमितता के आरोपों में घिरे आइएएस अधिकारी छवि रंजन ने अपनी अचल संपत्ति का ब्यौरा उपलब्ध नहीं कराया है। छवि रंजन 2011 बैच के आइएएस अधिकारी हैं।

रांची में उपायुक्त के पद पर तैनाती के दौरान इनपर अनियमितता के संगीन हैं। रिकॉर्ड के मुताबिक वर्ष 2024 में भी इन्हें सपत्ति का ब्यौरा नहीं दिया था। वे अभी जेल में बंद हैं।

इसके अलावा 2020 बैच की रीना हांसदा के संपत्ति का ब्यौरा भी उपलब्ध नहीं है। अनियमितता के आरोपों का सामना कर रहीं वर्ष 2000 बैच की अधिकारी पूजा सिंघल की प्रापर्टी में भी कोई इजाफा घोषित नहीं किया गया है।

रांची के विभिन्न स्थानों के अलावा कोलकाता में इनके पास अचल संपत्ति है। राज्य सरकार ने न्यायालय से जमानत प्रदान किए जाने के बाद इन्हें निलंबन से मुक्त किया है।

यह भी उल्लेखनीय है कि राज्य में प्रति वर्ष संपत्ति का ब्यौरा देने के मामले में झारखंड के अधिकारियों का रिकार्ड सुधर रहा है। पूर्व में इसके लिए बार-बार केंद्र से रिमाइंडर आता था।

अब ऐसी शिकायत नहीं के बराबर है। राज्य में में तैनात 145 अधिकारी अचल संपत्ति का ब्यौरा दे चुके हैं। ज्यादातर ने जनवरी माह के अंत तक तय डेडलाइन के भीतर केंद्र सरकार को ब्यौरा उपलब्ध कराया है।

वरिष्ठता क्रम में प्रमुख अधिकारियों में शामिल राज्य सरकार की मुख्य सचिव अलका तिवारी के पास उत्तर प्रदेश के महोबा, ग्रेटर नोएडा, रांची और देहरादून, शैलेश कुमार सिंह के पास देवघर और रांची, केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर तैनात निधि खरे के पास रांची में, अविनाश कुमार के पास बिहार और रांची में, अजय कुमार सिंह और नितिन मदन कुलकर्णी के पास रांची में आवासीय भूखंड है।

भारतीय प्रशासनिक सेवा (आइएएस) के अधिकारियों को अपनी संपत्ति का ब्यौरा देना आवश्यक है, क्योंकि इससे भ्रष्टाचार की रोकथाम होती है। इससे सरकार को पता चलता है किस अधिकारी के पास कितनी संपत्ति है।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने नकुल विश्वकर्मा के ईलाज का निर्देश, उपायुक्त के स्वय संज्ञान लेते हुए जानकारी लिया

स्वास्थ्य मंत्री का निर्देश के बाद तत्काल चिकित्सा मेडिकल टीम पहुंचे नकुल के घर

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता- पप्पू यादव

नौडीहा बाजार, पलामू। जिले के नौडीहा बाजार प्रखंड के सुदूवर्ती पंचायत खैरादोहर के नकुल विश्वकर्मा के मां अपने बेटे के ईलाज के लिए विधवा मां घर-घर भीख मांग कर पैसा ईकट्ठा करती थी दो माह पूर्व नकुल विश्वकर्मा सड़क दुर्घटना में घायल हो जाने के बाद कोमा में चला गया हैं अपने बेटे की ईलाज एव दवा के लिए विधवा मां घर घर भीख मांगने पर मजबूर हो गई थी पूर्व में नकुल का पिता का निधन हो चुके थे घर में कोई कमाऊ व्यक्ति नहीं था नकुल कोमा में चले जाने के बाद आर्थिक स्थिति से पूरी तरह से घर टूट चुका था एक्स के माध्यम से पलामू जिले के समाजसेवी मनोज कुमार गुप्ता, छतरपुर समाजसेवी अरविंद्र उर्फ चुनमुन गुप्ता, जितेंद्र कुमार एक्स के माध्यम से खबर चलाने के बाद झारखंड सरकार के स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने संज्ञान लेते हुए पलामू डीसी का ईलाज सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया पलामू डीसी के निर्देश के बाद रविवार को पलामू सिविल सर्जन ने छतरपुर चिकित्सा प्रभारी डॉक्टर राजेश अग्रवाल का पूरी टीम के साथ घर पर जाकर तत्काल दवा एवं ईलाज के लिए नकुल विश्वकर्मा के घर पर पहुंचे और तत्काल गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए सदर हॉस्पिटल डाल्टनगंज भेजा रहा हैं उक्त मामले में झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री सह चंदनकयारी विधायक उमाकांत रजक, जेएलकेएम के डुमरी विधायक टाइगर जयराम महतो, ने भी नकुल विश्वकर्मा का बेहतर इलाज के लिए पलामू डीसी का सुनिश्चित इलाज का निर्देश दिया है सोशल मीडिया एक्स पर नकुल विश्वकर्मा के लिए बेहतर सक्रिय रहने वाले एक्स एकिटविस्ट ब्यूटी मंडल मनोज कुमार गुप्ता, अरविंद कुमार गुप्ता उर्फ चुनमुन, जितेंद्र कुमार नौडीहा बाजार पत्रकार पप्पू यादव, ने उनकी बेहतर इलाज के लिए जिला प्रशासन से गुहार लगाई है।

विधायक ने क्षेत्र में बिजली समस्या को लेकर अधिकारियो के साथ की बैठक

ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में जर्जर तार- पोल बदले जाएंगे, काम मे तेजी लाए विभाग: विधायक

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता- लालू कुमार यादव

हुसैनाबाद, पलामू। हुसैनाबाद अनुमण्डल कार्यालय में क्षेत्रीय विधायक संजय कुमार सिंह यादव व एसडीएम गौरांग महतो ने अधिक्षण अभियंता विधुत विभाग पलामू, संतोष कुमार, सहायक विधुत अभियंता छतरपुर गुणवंत कुमार, सहायक विधुत अभियंता हुसैनाबाद रामप्रसाद महतो के साथ बैठक किया।जिसमें क्षेत्र में बिजली वितरण से लेकर विधुतीकरण योजना के कार्यो की समीक्षा किया गया।जिसमे ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में जर्जर हालत में तार व पोल को बदलने, लोड सीडिंग की बंटवारा, जर्जर ट्रांसफार्मर को चिन्हित कर बदले, विधुतीकरण योजना द्वारा चल रही कार्यो की प्रगति रिपोर्ट आदि कई बिंदुओं पर चर्चा की गई। इस दौरान विधायक ने सख्त लहजे में अधिकारियों को निर्देश दिया कि काम मे तेजी लाइये टारगेट बनाकर काम कीजिये, खेती किसानी से पूर्व किसी भी हाल में ग्रामीण क्षेत्रों में काम दुरस्त चाहिए,एवं शहरी क्षेत्रों में दुर्घनाग्रस्त जर्जर तार पॉल को जल्द बदलवाईये ताकि शहर में कोई दुर्घटना ना हो उन्होंने कहा कि केवल छापामारी कर जनता को परेशान ना करे ।उपभोक्ताओं को सुविधा पूर्वक बिजली मुहैया कराना आपका मुख्य उद्देश्य हो। वहीं विभाग के एसी संतोष कुमार ने काम कर रहे संवेदक को ससमय कार्य को पूरा करने साथ ही स्थानीय अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर स्थल निरीक्षण कर जल्द कार्य पूरा करने का निर्देश दिया साथ ही उन्होंने सहायक विधुत अभियंता को कार्य मे लापरवाही नही करने की चेतावनी दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी परिस्थिति में मुझे शिकायत ना मिले नही तो कार्रवाई निश्चित होगा। एसडीएम गौरांग महतो ने अधिकारियों को कहा आप लोग काम कीजिये किसी भी परेशानी के लिए सीधा मुझे सूचना दे।मौके पर राजद के अनुमंडलीय अध्यक्ष खुर्शीद खा, शिक्षक नंदा प्रसाद यादव,विधुत एनसीसी एस महापात्रा, संवेदक अजित कुमार सिंह, जितेंद्र ठाकुर आदि मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

एनएसएस शिविर के पहले दिन पर्यावरण संरक्षण और शिक्षा पर विशेष पहल

संवाददाता द्वारा
राँची। राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ आज सुबह 6:30 बजे हुआ, जिसमें स्वयंसेवकों ने गांव में पर्यावरण संरक्षण और शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किए।शिविर की शुरुआत में स्वयंसेवकों ने पूरे गांव में गौरैया जलपान पात्र स्थापित किए, जिससे पक्षियों को गर्मी में पानी की सुविधा मिल सके। यह पहल पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से की गई। इसके पश्चात, स्वयंसेवकों ने 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों की स्कूल में उपस्थिति का सर्वेक्षण किया। इस सर्वेक्षण के आधार पर, अगले दिन से इन बच्चों को स्कूल में नामांकित कराने का संकल्प लिया गया। शिविर में दोपहर 1 बजे तक विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गईं। इस दौरान, स्वयंसेवकों ने मिलकर भोजन तैयार किया, जिससे टीमवर्क और आत्मनिर्भरता की भावना को बढ़ावा मिला।शिविर के पहले दिन की गतिविधियाँ सफलतापूर्वक संपन्न हुईं, जिससे गांव में सकारात्मक बदलाव की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया।

महिला संवाद कार्यक्रम के अंतर्गत बांका के 11 प्रखंडों में 28 ग्राम संगठनों में हुआ आयोजन

बांका संवाददाता श्रीकान्त यादव
बांका में महिला संवाद कार्यक्रम के अंतर्गत बांका जिले के 11 प्रखंडों में कुल 28 ग्राम संगठनों में संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। इन कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में महिलाओं की भागीदारी देखी गई।
इस अवसर पर राजौन प्रखंड के सखरा पंचायत स्थित दर्पण ग्राम संगठन का भ्रमण राकेश कुमार,जिला परियोजना प्रबंधक (छक्कू), बांका द्वारा किया गया। उन्होंने ग्राम संगठन की महिलाओं से संवाद कर योजनाओं की जानकारी दी और उनकी भागीदारी की सराहना की।
इस कार्यक्रम श्रृंखला के अंतर्गत श्री मनोज निराला (प्रबंधक - जॉब्स), श्रीमती खुशबू कुमारी (प्रशिक्षण अधिकारी), तथा श्रीमती ऐनी पटेल (युवा पेशेवर, संजीवनी योजना, बौंसी प्रखंड) ने अलग-अलग प्रखंडों में आयोजित महिला संवाद कार्यक्रमों में भाग लिया।
सभी स्थानों पर महिला संवाद वाहन के माध्यम से ऑडियो-विजुअल प्रस्तुति द्वारा योजनाओं की जानकारी दी गई, और योजनाओं से जुड़े लीफलेट्स का वितरण किया गया। महिलाओं द्वारा साझा किए गए अनुभवों, अपेक्षाओं और सुझावों को एक मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से डिजिटल रूप में संकलित किया गया, ताकि उन्हें भावी योजना-निर्माण में सम्मिलित किया जा सके।
आज कुल 11 प्रखंडों के 28 ग्राम संगठनों में महिला संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया , जो महिलाओं को जानकारी से जोड़ने के साथ-साथ उन्हें निर्णय प्रक्रिया का हिस्सा भी बना रहे हैं।

फुल्लीडुमर प्रखंड के पांच पंचायत के एससी एसटी टोला में विशेष विकास शिविर का गया आयोजन

बांका फुल्लीडुमर से कामेश्वर साह की रिपोर्ट
शनिवार को विभागीय निर्देशानुसार फुल्लीडुमर प्रखंड के पांच पंचायतों के एससी एसटी टोला में विशेष विकास शिविर का आयोजन किया गया। जानकारी के अनुसार प्रखंड के उत्तरी कोझी पंचायत के आदिवासी गांव इटवा, दक्षिणी कोझी पंचायत के चौपाल, भितिया पंचायत के आदिवासी गांव अकैया के चौपाल, केंदुआर पंचायत के पंचायत भवन एवं राता पंचायत के गोदहापोखर प्रांगण एससी-एसटी के विकास को लेकर विशेष विकास शिविर का आयोजन किया गया। आयोजित विकास शिविर में आपूर्ति, श्रम संसाधन विभाग, मनरेगा, स्वच्छता, स्वास्थ्य, आंगनबाड़ी ,समाज कल्याण, विद्युत ,पंचायती राज, सहकारिता, कृषि, ग्रामीण विकास विभाग सहित सभी विभाग के अलग-अलग काउंटर बनाए गए थे। जहां लाभुकों ने अपनी समस्याओं को संबंधित विभाग के काउंटर पर जाकर दर्ज कराई। वही आयोजित शिविर में एससी-एसटी के विकास हेतु सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी शिविर में लगाए गए विभिन्न काउंटर पर प्रतिनियुक्त संबंधित विभाग के पदाधिकारीयों द्वारा अपने अपने विभाग से संबंधित जानकारी ग्रामीणों को दी गई। वहीं भितिया पंचायत में प्रखंड श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी सह प्रभारी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी मनोज प्रभाकर, उत्तरी कोझी पंचायत में प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी शशि कुमार सिंह, दक्षिणी कोझी पंचायत में प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी नवीन कुमार, इटावा एवं राता पंचायत में प्रखंड विकास पदाधिकारी कृष्ण कुमार के नेतृत्व में विकास शिविर का आयोजन किया गया। वहीं प्रखंड के पांचो पंचायतों में आयोजित विशेष विकास शिविर का प्रखंड विकास पदाधिकारी कृष्णा कुमार के द्वारा निरीक्षण किया गया। शिविर में मौके पर आए ग्रामीणों की कुछ समस्या का समाधान तत्काल किया गया एवं कुछ समस्याओं को पंजीकृत करते हुए यथाशीघ्र समस्या के समाधान हेतु पदाधिकारीयों ने ग्रामीणों को भरोसा दिया।

मुस्लिम व सिक्ख समुदायों को द्वितीय श्रेणी के नागरिक बनाए जाने की साज़िश रची जा रही है: सीएमसीआरएम कन्वेंशन

- **अल्पसंख्यकों के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा हेतु संयुक्त संघर्ष का संकल्प**
- **हमें संविधान के मूल्यों की रक्षा हेतु एकजुट होना होगा: वक्तागण**

नई दिल्ली (संवाददाता)
इंडिया इस्लामिक कल्चरल सेंटर नई दिल्ली में देशभर से आए विभिन्न समुदायों, संगठनों और बुद्धिजीवियों ने मिलकर एक स्वर में यह संकल्प लिया और आव्हान किया कि अल्पसंख्यकों के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा, न्याय और समानता के लिए संघर्ष तेज़ किया जाना चाहिए।
कन्वेंशन में अब्दुल अज़ीज़, फाउन्डर क़ौमी एकता मिशन, सरदार जगमोहन सिंह कन्वीनर सिक्ख पर्सनल लॉ बोर्ड, शरफुद्दीन अहमद एडवोकेट सुप्रीम कोर्ट, परमपाल सिंह साबहरा, साहिबज़ादा नदीम अनवर खान, देवेन्द्र पाल सिंह, गुरदीपसिंह गुमान, गुरविंदर पाल सिंह बरार, मौलाना पारे हसन अफ़ज़ल फिरदौसी,नदीम ख़ान एडवोकेट,मनोज सिंह दुहान, मौलाना अबुल रशीद सहित अनेक गणमान्य लोगों ने भाग लिया। मुख्य वक्ताओं ने पारित उद्देश्यों और प्रस्तावों के संदर्भ में यह स्पष्ट किया कि सीएमसीआरएम मुस्लिम और सिख समुदायों के अधिकारों की रक्षा के लिए ही प्रतिबद्ध नहीं है, बल्कि भारत के सभी अल्पसंख्यकों और कमज़ोर वर्गों की समानता, स्वतंत्रता और न्याय की दिशा में प्रयासरत है।
साहबज़ादा नदीम अनवर ने मलेरकोटला को भाईचारे का प्रतीक बताते हुए इस आंदोलन को राष्ट्रीय स्तर तक फैलाने की अपील की।
-प्रो. अशरउल हक़ ने कहा कि अब समय है कि हम संविधान के मूल्यों की रक्षा हेतु एकजुट हों।÷
एडवोकेट एम.ए. शकील और एडवोकेट हैदर अली ने संवैधानिक अधिकारों के उल्लंघन पर गंभीर चिंता जताई।
एडवोकेट आदिल शरफुद्दीन ने UMEED अधिनियम को वक्फ़ की आत्मा पर हमला बताया।
सीएमसीआरएम कन्वेंशन में आपसी भाईचारे, सामाजिक न्याय और सांप्रदायिक सौहार्द को बढ़ावा देना। अल्पसंख्यकों को प्राप्त संवैधानिक अधिकारों का पूर्ण पालन सुनिश्चित कराना। संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप समाज में सम्मानपूर्वक विविधता की स्वीकृति को बढ़ाना। मलेरकोटला की सांझी विरासत को राष्ट्रीय स्तर पर समृद्धि और सद्भाव के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत करना। वक्फ संपत्तियों गुरुद्वारों, मस्जिदों और ऐतिहासिक स्थलों की वापसी एवं संरक्षण। 1991 के प्लेसेज आफ वरशिप एक्ट के पूर्ण अनुपालना। लिंचिंग, सांप्रदायिक हिंसा और लक्षित हमलों पर नज़र रखना, पीड़ितों को न्याय दिलाना तथा सिक्ख धर्म को स्वतंत्र धर्म के रूप में पूर्ण मान्यता दिलाने के प्रयास आदि पर ज़ोर दिया गया।
इसके साथ ही मलेरकोटला की ऐतिहासिक विरासत को आदर्श के रूप में अपनाकर एक धर्मनिरपेक्ष और न्यायपूर्ण भारत की दिशा में कार्य करने का संकल्प लिया गया। रूध्धश्ष्ठ (2025) अधिनियम को निरस्त करने की ज़ोरदार माँग रखी गई। न्यायपालिका और प्रशासन द्वारा हो रहे सांप्रदायिक पूर्वाग्रह के दुरुपयोग पर गहरी चिंता व्यक्त की गई।
सिक्ख समुदाय द्वारा मस्जिदों के पुनर्निर्माण के प्रयासों की सराहना की गई और मुसलमानों की ओर से आभार प्रकट किया गया। मुस्लिम व सिख समुदायों को द्वितीय श्रेणी के नागरिक बनाए जाने की साजिशों के विरुद्ध सशक्त आवाज़ उठाने का निर्णय लिया गया। सभी अल्पसंख्यकों के लिए समान अवसर न्याय तक पहुँच और राजनीतिक सहभागिता सुनिश्चित करने की मांग की रखी गई।
सीएमसीआरएम कन्वेंशन में यह स्पष्ट किया गया कि उसका संघर्ष केवल अल्पसंख्यकों के हितों तक सीमित नहीं है बल्कि भारत के लोकतांत्रिक ढांचे, सामाजिक न्याय और संवैधानिक मूल्यों की पुनर्स्थापना हेतु है।
सीएमसीआरएम ने रूध्धश्ष्ठ अधिनियम 2025 का विरोध कर यह स्पष्ट कर दिया है कि वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा, उपयोगकर्ताओं के अधिकार और धार्मिक संस्थाओं की स्वायत्तता को कोई भी सरकारी हस्तक्षेप नष्ट नहीं कर सकता। साथ ही, पंजाब में सिख समुदाय द्वारा मस्जिदों के पुनर्निर्माण और मुस्लिम समुदाय की जमीन लौटाने की घटनाएं यह सिद्ध करती हैं कि जब सम्मान और परस्पर सहयोग होता है, तो सौहार्द स्वतः विकसित होता है।
कन्वेंशन में स्पष्ट किया गया कि हम सब उस संविधान के साथ खड़े हैं, जिसने हमें धर्मनिरपेक्षता, समानता और न्याय का वादा दिया है। अब हमारे संवैधानिक अधिकारों के हनन के जो कुत्सित प्रयास हो रहे हैं उन अल्पसंख्यकों के संवैधानिक अधिकारों के लिए संयुक्त आंदोलन की भावना को प्रबल करते हुए संघर्ष ही हमारा संयुक्त उद्देश्य है।

काटी और मीनापुर में सौर्य जयंती समारोह कार्यक्रम को लेकर राकेश सिंह ने की बैठक

पटना, (आरएनएस)। मुजफ्फरपुर के काटी और मीनापुर विधानसभा के हरका गुडगाँमा कोदरिया मे 23 अप्रैल को बापू सभागार मे बाबू वीर कुंवर सिंह सौर्य जयंती समारोह कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए बैठक किया गया जिसमे कार्यक्रम का संचालन मिर्त्युजय साही ने किया और धन्यवाद ज्ञापन संजय शाही ने किया जिसमे मुख्य रूप से भाजपा नेता प्रदेश कार्य समिति सदस्य राकेश सिंह कृष्ण मोहन शाही बच्चा सिंह अरुण सिंह गुडगाँमा पप्पू सिंह अविनाश कुमार सिंह कौशल किशोर सिंह कृष्ण कुमार शाही कोदरिया उमेश कुमार सिंह संतोष कुमार सिंह चन्दर्केत प्रसाद सिंह मुकुल कुमार सिंह अशोक सिंह सहित सैकड़ो लोग उपस्थित थे जिसमे सभी लोगो ने मुजफ्फरपुर से बड़ी संख्या मे पटना पहुंचने का आश्वासन दिया इस अवसर पर स्थानीय लोगो ने भी कहा की कार्यक्रम मे हमलोग के यहाँ से भी भागीदारी अच्छी रहेगी इसके लिए हमलोग लगे हुए है सौर्य दिवस पर सुबह 9.30 बजे विशेष आकर्षण भारतीय वायु सेना का नौ लड़ाकू विमान दस्ता का सूर्य किरण का सौर्य प्रदर्शन पटना मे किया जायेगा।

बांका एडीएम अजीत कुमार द्वारा फुल्लीडुमर अंचल कार्यालय का किया औचक निरीक्षण

बांका फुल्लीडुमर से कामेश्वर साह की रिपोर्ट
बांका एडीएम अजीत कुमार शनिवार को दिन के लगभग 4ः00 बजे अंचल कार्यालय फुल्लीडुमर पहुंचे। अंचल कार्यालय पहुंचे एडीएम ने अंचल कार्यालय का भौतिक सत्यापन किया गया। इस दौरान एडीएम बांका के द्वारा दाखिल खारिज से संबंधित लंबित कार्यो का निरीक्षण किया गया। परिमार्जन प्लस के संबंध में संचिकाओं का अवलोकन किया गया एवं परिमार्जन को समय सीमा के अंतर्गत निष्पादन करने का निर्देश दिया गया। किसान सम्मान निधि योजना के तहत किसानों को पंजीकरण फार्मर रजिस्ट्री के रूप में कितने किसानों का पंजीकरण किया गया इसकी जानकारी ली गई। इसके साथ ही अंचल कार्यालय में राजस्व कर्मचारी की कमी की पूर्ति करने के सवाल पर एडीएम अजीत कुमार के द्वारा बताया गया कि शीघ्र ही कर्मचारियों की कमी को दूर किया जाएगा। वहीं खेसर हाट परिसर एवं मुख्य सड़क पर अतिक्रमण मुक्त करने के सवाल पर एडीएम अजीत कुमार के द्वारा अंचल अधिकारी मनोज कुमार को निर्देश देते हुए कहा गया कि खेसर सरकारी हाट है एवं मुख्य सड़क किनारे जिन व्यापारियों या अन्य व्यक्तियों द्वारा अतिक्रमण किया गया है, उन्हें शीघ्र नोटिस कराया जाए। एवं अंचल अमीन के माध्यम से सरकारी जमीन को मापी कराते हुए एक सप्ताह के अंतर्गत इस पर कार्यवाही करना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।
वहीं अंचल कार्यालय के निरीक्षण के दौरान कुछ कमी पाए जाने पर अंचलाधिकारी मनोज कुमार को सख्त निर्देश देते हुए एडीएम अजीत कुमार ने शीघ्र ही खामियों को पूरा करने को कहा गया।

महाधर्माध्यक्ष विंसेंट आईंद ने कुष्ठ रोगियों के साथ मनाया ईस्टर

संवाददाता द्वारा
रांची। पिछले चालीस दिनों तक प्रार्थना, उपवास एवं त्याग द्वारा अपने आप को तैयार करते आ रहे खीस्त विश्वासियों के लिए आज पास्का पर्व अर्थात् ईस्टर रहा। इस अवसर पर महाधर्माध्यक्ष विंसेंट आईंद ने राधा रानी लेप्रोसी सेंटर में कुष्ठ रोग से ग्रसित लोगों के साथ ईस्टर पर्व मनाया। राँची लोयोला ग्राउंड में पिछले गुरुवार से ही ईस्टर की धर्मविधि सम्पन्न होती रही है। शुक्रवार को गुड फ्राइडे की धर्म विधि सम्पन्न की गई तत्पश्चात क्रूस रास्ता की भी धर्मविधि पूरी गई। शनिवार को प्रभु येसु खीस्त के मृतकों में से जी उठने का स्मरण करते हुए रात्रि जागरण कर पास्का अर्थात् ईस्टर की धर्मविधि सम्पन्न हुई। इस विशेष धर्मविधि में अल्लेलूया की आवाज़ से संपूर्ण लोयोला ग्राउंड गुंज उठा साथ ही मोमबत्ती की प्रकाश भी चमकती रही। इन धर्मविधियों की अगुवाई रांची कैथोलिक महाधर्मप्रांत के महाधर्माध्यक्ष विंसेंट आईंद ने किया। और आज रविवार को ईस्टर मनाने के लिए वे राधा रानी लेप्रोसी सेंटर पहुंचे जहां उन्होंने कुष्ठ रोगियों के साथ पास्का पर्व मनाया। महाधर्माध्यक्ष विंसेंट आईंद ने मिस्सा बलिदान की अगुवाई की । उन्होंने अपने धर्मोपदेश में प्रभु के प्रेम और शांति को लोगों तक लेने का आह्वान किया। और सभी को ईस्टर पर्व की बधाईयां एवं शुभकामनाएं दीं। तत्पश्चात उन्होंने सभी में भोजन का वितरण भी किया।
इस अवसर पर महाधर्माध्यक्ष विंसेंट आईंद, फाश्‍ अभिनव प्रकाश, फाश्‍ असीम मिंज, फाश्‍ वाल्टर किस्पोट्टा फाश्‍ अंजलूस एक्का, फाश्‍ सुशील बेक, चैरिटी धर्मसंघ की धर्मबहनें एवं राधा रानी लेप्रोसी सेंटर में ईलाजरत भाई एवं बहनें शामिल हुए।

सूर्यप्रकाश से समाधान तक: भारत की हरित ऊर्जा क्रांति

हृदय मोहन
(hridayamohan@yahoo.co.in)

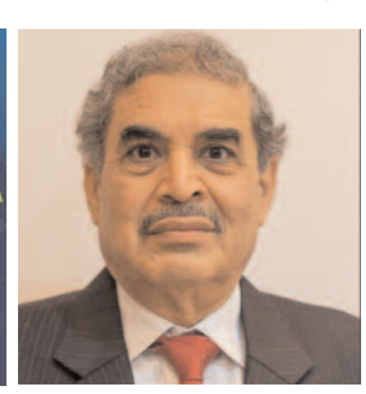

नई दिल्ली, (आरएनएस)। जैसे ही यमुना के मैदानों पर भोर की सुनहरी छटा बिखरती है और राजस्थान के रेगिस्तान में सौर पैनल गुनगुनाने लगते हैं, भारत एक महत्वपूर्ण पृथ्वी दिवस के लिए जागृत होता है। विश्व पृथ्वी दिवस 2025 का विषय - हमारी शक्ति, हमारा ग्रह- एक ऐसे राष्ट्र के साथ गहराई से जुड़ता है जो प्राचीन पर्यावरणीय ज्ञान और अत्याधुनिक हरित प्रौद्योगिकी के चौराहे पर खड़ा है। इस वर्ष पृथ्वी दिवस एक ऐसे महत्वपूर्ण मोड़ पर आया है, जिसमें नवीनतम अंतर-सरकारी ÷जलवायु परिवर्तन पैनल (आईपीसीसी)÷ चेतावनी रिपोर्ट प्रस्तुत करती है कि सार्थक जलवायु कार्रवाई की खिड़की तेजी से बंद हो रही है, भले ही भारत अक्षय ऊर्जा अपनाने में एक वैश्विक नेता के रूप में उभर रहा हो।इस वर्ष पृथ्वी दिवस 2025 पर भारत सूर्यप्रकाश से समाधान तक शीर्षक से हरित समाधानों के साथ प्रकाशमान हो रहा है। वैश्विक थीम हमारी शक्ति, हमारा ग्रह के साथ, इस वर्ष का आयोजन पूर्ण क्रियान्वयन से सम्बंधित है। भारत में, सूर्य, हवा और जल इत्यादि हरित ऊर्जा का उपयोग पहले ही प्रारम्भ हो चुका है। भारत का पृथ्वी दिवस अभियान एक गहरे बदलाव को दर्शाता है: जागरूकता से कार्यान्वयन तक, प्रतिज्ञाओं से प्रगति तक। जलवायु घड़ी पहले से कहीं अधिक तेजी से चल रही है, देश पर्यावरणीय आवश्यकता और आर्थिक अवसर दोनों के रूप में स्वच्छ ऊर्जा पर दोगुना जोर दे रहा है।गतिमान अक्षय ऊर्जा क्रांतिः अक्षय ऊर्जा के प्रति भारत की प्रतिबद्धता अब सिर्फ़ आकांक्षापूर्ण नहीं रह गई है - यह क्रियाशील भी है। वाराणसी में छतों पर सौर पैनल लगाने से लेकर तमिलनाडु में विशाल पवन ऊर्जा फार्मों तक, देश 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता के अपने लक्ष्य की ओर साहसिक कदम बढ़ा रहा है। इस पृथ्वी दिवस पर, कई राज्य और केंद्र सरकार की पहल इस मिशन को आगे बढ़ा रही है। नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने सूर्योदय योजना शुरू की है, जिसका लक्ष्य 2027 तक अतिरिक्त 10 मिलियन घरों में छत पर सौर पैनल लगाने का है, जिसमें छोटे शहरों और ग्रामीण भारत पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री पीवी जोशी ने कहा, हम ऐसे चरण में प्रवेश कर रहे हैं जहां स्वच्छ ऊर्जा केवल जलवायु के बारे में नहीं है- यह पहुंच, सामर्थ्य और सशक्तिकरण के बारे में है।

युवा ही हैं मशालवाहक
भारत के युवा आगे बढ़कर नेतृत्व कर रहे हैं। बेंगलुरु में छात्रों ने वॉक फॉर विंड का आयोजन किया, जबकि राजस्थान में स्कूली बच्चों ने सौर ऊर्जा से चलने वाले विज्ञान मेले आयोजित किए। सोशल मीडिया पर #SunlightToSolutions, #EarthDayIndia2025 और #GreenIndiaRising जैसे हैशटैग के साथ जलवायु संबंधी सामग्री की बाढ़ आ गई है। लखनऊ की 16 वर्षीय जलवायु कार्यकर्ता अनन्या प्रसाद ने कहा, हमें समाधान चाहिए, भाषण नहीं। उन्होंने आगे कहा अक्षय ऊर्जा हमें अपने भविष्य के लिए लड़ने का एक वास्तविक तरीका प्रदान करती है। कॉर्पोरेट इंडिया ने कदम बढ़ाये: देश के निजी क्षेत्र भी पीछे नहीं है। पृथ्वी दिवस पर, टाटा पावर ने महाराष्ट्र में 300 मेगावाट हाइब्रिड सौर-पवन पार्क के पूरा होने की घोषणा की। रिन्यू पावर ने घरों के लिए नेट-मीटरिंग को बढ़ावा देने के लिए एक डिजिटल जागरूकता अभियान शुरू किया और इंफोसिस ने 2027 तक अपने परिसरों को पूरी तरह से सौर ऊर्जा से प्रकाशित करने की योजना का खुलासा किया।हमारे स्टार्टअप भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। ज़नरूफ़, ऊर्जन और सोलरस्क्वेयर जैसी कंपनियाँ भारतीय घरों में छत पर सौर ऊर्जा को सुलभ और किफ़ायती बना रही हैं, जिससे जमीनी स्तर पर हरित अभियान में सीधे योगदान मिल रहा है।स्थानीय कार्य, राष्ट्रीय प्रभाव: देश भर में, पृथ्वी दिवस पर हजारों लोगों ने हरित अभियानों में भाग लिया: चेन्नई में समुद्र तटों की सफाई, पंजाब में वृक्षारोपण, हैदराबाद में ई-मोबिलिटी प्रदर्शनी तथा सिक्किम से सूरत तक स्कूलों में जागरूकता कार्यशालाएं।
भारतीय रेलवे भी इस अभियान में शामिल हो गया है, तथा उसने वर्ष के अंत तक अतिरिक्त 5,000 किलोमीटर रेलवे ट्रैक के विद्युतीकरण की घोषणा की है, जिससे डीजल पर निर्भरता कम होगी तथा उत्सर्जन में कमी आएगी।
पृथ्वी दिवस 2025: एक महत्वपूर्ण मोड़
जैसे-जैसे जलवायु परिवर्तन की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं - अनियमित मानसून से लेकर रिकॉर्ड तोड़ गर्मी की लहरें - 2025 का पृथ्वी दिवस एक चेतावनी और उम्मीद की किरण दोनों है। भारत का सूर्यप्रकाश से समाधान की ओर बढ़ना यह साबित करता है कि जब अविष्कार इच्छाओं से मिलता है, तो बदलाव अपरिहार्य है।आगे का रास्ता चुनौतीपूर्ण हो सकता है, लेकिन दिशा स्पष्ट है। हर सोलर पैनल लगाने, हर पवन टरबाइन चालू करने और हर युवा नेतृत्व वाली रैली आयोजित करने के साथ, भारत सिर्फ़ जलवायु संकट पर प्रतिक्रिया नहीं कर रहा है – बल्कि यह प्रतिक्रिया को नया आकार दे रहा है। क्योंकि एक टिकाऊ भविष्य सिर्फ़ उम्मीद करने की चीज़ नहीं है– यह कुछ ऐसा है जैसे हम एक बार में एक वाट बिजली बनाते हैं।अगला अध्याय: जैसे ही शाम का सूरज पश्चिमी घाट पर डूबता है, उसकी किरणें अब गर्मी के रूप में बर्बाद होने के बजाय लाखों सौर पैनलों द्वारा कैद हो जाती हैं, हम देखते हैं कि ÷हमारी शक्ति, हमारा ग्रह का असली मतलब क्या है। इस पृथ्वी दिवस पर आइए हम भारत का अगला अध्याय लिखने के लिए फिर से प्रतिबद्ध हों - जलवायु पीड़ित के रूप में नहीं, बल्कि सतत विकास में वैश्विक नेता के रूप में।

विश्व रिकॉर्ड धारक चेपनगेटिच, जेपचिरचिर ने लंदन मैराथन 2025 से नाम वापस लिया

एजेंसी
लंदन। विश्व रिकॉर्ड धारक रूथ चेपनगेटिच और मौजूदा चैंपियन पेरेस जेपचिरचिर ने लंदन मैराथन से अपना नाम वापस ले लिया है। आयोजकों ने यह जानकारी दौड़ से दो सप्ताह से भी कम समय पहले दी।केन्या की चेपनगेटिच ने पिछले साल शिकागो में महिलाओं का रिकॉर्ड तोड़ दिया था, उन्होंने 2:09:56 का समय निकाला था और 2-10 का समय का रिकॉर्ड तोड़ने वाली पहली महिला बनी थीं। उन्हें उम्मीद थी कि 27 अप्रैल को लंदन में वे इस समय को और बेहतर कर पाएंगी। उन्होंने एक बयान में कहा, मैं लंदन में अपनी सर्वश्रेष्ठ रेस करने के लिए मानसिक या शारीरिक रूप से सही स्थिति में नहीं हूं और इसलिए मैं रेस से हट रही हूं। रेस से चूकने का मुझे बहुत दुख है और मुझे उम्मीद है कि मैं अगले साल फिर से रेस में शामिल हो पाऊंगी। उनकी हमवतन जेपचिरचिर, जो तीन बार की प्रमुख विजेता हैं और जिन्होंने चार साल पहले टोक्यो में ओलंपिक स्वर्ण जीता था, को टखने में चोट लगी है। उन्होंने कहा, मैं फिर से स्वस्थ होने पर ध्यान केंद्रित कर रही हूं और उम्मीद करती हूं कि भविष्य में जब मैं पूरी तरह से फिट हो जाऊंगी, तो लंदन वापस आऊंगी।

वीर चोत्राणी और अनाहत सिंह वर्ल्ड स्क्वैश चैंपियनशिप एशिया क्वालिफायर्स के फाइनल में

नई दिल्ली। मलेशिया के कुआलालंपुर में खेले जा रहे वर्ल्ड स्क्वैश चैंपियनशिप क्वालिफाइंग इवेंट (एशिया) में भारत के वीर चोत्राणी और अनाहत सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बना ली है। वीर चोत्राणी ने सेमीफाइनल मुकाबले में हांगकांग, चीन के आठवें वरीय ची हिम वोंग को 3-1 (11-7, 11-6, 7-11, 11-4) से हराया। वेर अब फाइनल में पाकिस्तान के टॉप सीड मोहम्मद असीम खान और मलेशिया के तीसरे वरीय अमीशेनराज चंद्रन में से किसी एक के खिलाफ खिताबी भिड़त करेंगे।महज 17 साल की अनाहत सिंह ने भी अपना शानदार फॉर्म जारी रखते हुए सेमीफाइनल में हांगकांग, चीन की आठवीं वरीय हेलेन टैंग को सीधे गेमों में 3-0 (11-2, 11-7, 11-6) से मात दी। फाइनल में अनाहत का सामना हांगकांग, चीन की टोबी टसे से होगा, जिन्होंने दूसरे सेमीफाइनल में भारत की अकांक्षा सालुंखे को 3-1 (11-3, 12-10, 10-12, 11-8) से हराया।इस टूर्नामेंट के विजेता खिलाड़ियों को 9 से 17 मई तक शिकागो (अमेरिका) में होने वाली वर्ल्ड स्क्वैश चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई करने का मौका मिलेगा। भारतीय खिलाड़ियों के फाइनल तक पहुंचने से देश में स्क्वैश फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह है।

बांग्लादेश-जिम्बाब्वे टेस्ट सीरीज के मीडिया अधिकार नहीं बिकने से बीसीबी निराश

ढ़ाका । बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के अध्यक्ष फारुक अहमद ने कहा कि बांग्लादेश-जिम्बाब्वे टेस्ट सीरीज के मीडिया अधिकार नहीं बिकने के कारण बोर्ड 'कठिन समय' से गुजर रहा है। उन्होंने यहां शुरू हो रहे पहले टेस्ट का प्रसारण करने के लिए बांग्लादेश टीवी को धन्यवाद दिया। बीसीबी ने 19 मार्च को बांग्लादेश और जिम्बाब्वे के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज के मीडिया अधिकारों के लिए बोली लगाने के लिए प्रसारकों को आमंत्रित किया था, लेकिन सात अप्रैल को समय सीमा समाप्त होने के कारण किसी भी पक्ष ने कोई रुचि नहीं दिखाई। डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार बोर्ड ने प्रसारकों के साथ सौदे पर बातचीत करने की कोशिश की, लेकिन कोई रुचि नहीं मिलने के बाद, इसने राज्य प्रसारक बीटीवी से मैच का प्रसारण करने का अनुरोध किया और उसने ऐसा किया। फारुक ने आज ढाका में एक कार्यक्रम में संवाददाताओं से कहा, मुझे लगता है कि घरेलू और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट दोनों में वित्तीय मंदी है। हम थोड़े मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं, सरकार में बदलाव के बाद इसमें कुछ समय लग रहा है। बीटीवी इसका (जिम्बाब्वे सीरीज का) प्रसारण करेगा, हम उनके आभारी हैं। बीटीवी का स्लॉट पाना वाकई मुश्किल था।

नेमार पैरों की मांसपेशियों में नई चोट के शिकार

रियो डी जेनेरियो। सैंटोस फॉरवर्ड नेमार को पैर की मांसपेशियों में नई चोट का पता चला है। 33 वर्षीय नेमार को एटलेटिको मिनेरो पर सैंटोस की 2-0 की जीत के 34वें मिनट में मैदान से बाहर होना पड़ा था। बाद में किए गए परीक्षणों में हैमस्ट्रिंग मांसपेशियों में से एक सेमीमेम्ब्रानोसस को नुकसान की पहचान की गई। अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर जारी बयान में सैंटोस ने कहा कि नई चोट पिछली समस्या की पुनरावृत्ति नहीं थी। उन्होने पहले ही उपचार शुरू कर दिया है और मांसपेशियों को मजबूत करने का काम जारी रखेगा। हालांकि, उन्होंने अपने ठीक होने की अनुमानित समय-सीमा नहीं बताई। नेमार पिछले साल अक्टूबर में एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट के फटने के बाद से लगातार नरम ऊतकों की चोटों से जूझ रहे हैं। एक साल तक मैदान से दूर रहने के बाद, पिछले अक्टूबर में चोटिल हुए पूर्वकाल क्रूसिएट लिगामेंट से वापसी करने के बाद से ही नेमार को कई तरह की नरम ऊतकों की चोटों से जूझना पड़ रहा है। फॉर्म में वापसी के बाद बार्सिलोना और पेरिस सेंट-जर्मेन के इस पूर्व स्टार को मार्च में विश्व कप क्वालीफायर के लिए राष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया था।

आईपीएल 2025: लखनऊ ने राजस्थान को 2 रन से हराया, आवेश खान के आखिरी ओवर ने बदल दी बाज़ी

एजेंसी
जयपुर। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 36वें मुकाबले में लखनऊ सुपर जाएंट्स (एलएसजी) ने रोमांचक अंदाज में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) को 2 रन से शिकस्त दी। सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में अंतिम ओवर तक संघर्ष जारी रहा, लेकिन पारी के आखिरी ओवर में आवेश खान की शानदार गेंदबाजी ने लखनऊ को जीत दिला दी।लखनऊ ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट पर 180 रन बनाए। टीम के लिए एडेन मार्करम ने 66 और आयुष बडोनी ने 50 रनों की शानदार अर्धशतकीय पारियां खेलीं। अंतिम ओवरों में अब्दुल समद के तेज 30 रनों ने टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। राजस्थान की ओर से वनिंदु हसरंगा ने सबसे अधिक दो विकेट लिए, जबकि जोफ्रा आर्चर, संदीप शर्मा और तुषार देशपांडे को

एक-एक सफलता मिली।181 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान रॉयल्स की शुरुआत दमदार रही। यशस्वी जायसवाल और 14 वर्षीय युवा बल्लेबाज़ वैभव सूर्यवंशी ने पहले विकेट के लिए 85 रनों की तेजतर्रार साझेदारी की। सूर्यवंशी ने 20 गेंदों में दो चौके और तीन छक्कों की मदद से 34 रन बनाए। इसके बाद शार्दुल ठाकुर ने नीतीश राणा को सस्ते में पवेलियन भेजा। फिर यशस्वी जायसवाल और रियान पराग ने तीसरे विकेट के लिए 62 रनों की साझेदारी कर मैच को राजस्थान की ओर मोड़ने की कोशिश की। यशस्वी ने 52 गेंदों में 74 रन बनाए, लेकिन 17वें ओवर में आवेश खान ने उन्हें आउट कर लखनऊ की वापसी करवाई। इसी ओवर में उन्होंने रियान पराग (39) को भी पगबाधा आउट कर राजस्थान को झटका दिया। अंतिम ओवर में राजस्थान को जीत के लिए 9 रनों की जरूरत थी, लेकिन आवेश खान ने कसी हुई गेंदबाजी करते हुए शिमरन हेटमायर को आउट कर राजस्थान की उम्मीदें तोड़ दीं। अंत में ध्रुव जुरेल (6 रन) और शुभम दुबे (3 रन) नाबाद लौटे, लेकिन टीम 178 रन ही बना सकी। लखनऊ के लिए आवेश खान ने 3 विकेट झटके और 'प्लेयर ऑफ द मैच' रहे। शार्दुल ठाकुर और एडेन मार्करम को एक-एक सफलता मिली।

रामगढ़ को चार विकेट से हराकर जमशेदपुर सेमी फाइनल में

एजेंसी
कोडरमा। झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में खेले जा रहे इंटर डिस्ट्रिक्ट अंडर 16 क्रिकेट टूर्नामेंट में चंदवारा स्थित पुलिस लाइन मैदान में जमशेदपुर और रामगढ़ के बीच क्वार्टर फाइनल मैच खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए रामगढ़ ने 44.3 ओवर में अपने सभी विकेट खोकर 183 रन बनाए। इसमें सचिन कुमार ने 49 रन देवेश गोयल 43 रन और शुभम ने 21 रन का योगदान दिया। गेंदबाजी करते हुए जमशेदपुर की ओर से शिवम, युवराज, प्रभजोत ने दो-दो विकेट और समर तथा हुसैन ने एक-एक विकेट लिए। बाद में बल्लेबाजी करने उतरी जमशेदपुर की टीम 35 ओवर में छह विकेट के नुकसान पर विजय लक्ष्य को हासिल कर लिया। जमशेदपुर की ओर से अक्षय प्रताप ने 73 रन यशराज ने 25 रन और शिवम ने 24 रन की पारी खेली। गेंदबाजी करते हुए रामगढ़ की ओर से देवेश गोयल ने तीन विकेट आलोक टुडू ने दो विकेट और शिवम ने एक विकेट लिए।

प्रवासी कबड्डी महिला लीग: तेलुगु चीता, पंजाबी टाइग्रेस और तमिल लायनेस ने मारी बाजी

एजेंसी
गुरुग्राम। ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग (जीआई-पीकेएल) में महिला मुकाबलों की धमाकेदार शुरुआत हुई, जिसमें तेलुगु चीता, पंजाबी टाइग्रेस और तमिल लायनेस ने शानदार जीत दर्ज कर दर्शकों का दिल जीत लिया। पुरुष वर्ग के मुकाबलों के साथ लीग का आगाज हुआ था। 13 दिनों तक चलने वाली यह लीग गुरुग्राम यूनिवर्सिटी के मल्टीपर्ज़ हॉल में आयोजित की जा रही है, जिसका फाइनल 30 अप्रैल को खेला जाएगा। पहली बार अंतरराष्ट्रीय और भारतीय महिला कबड्डी खिलाड़ी एक साथ इस स्तर पर खेल रही हैं, जिससे यह आयोजन ऐतिहासिक बन गया है।

पहला मुकाबला:
तेलुगु चीता ने मराठी फाल्कन को 42-28 से मात दी। मैच में चीता की ओर से 24 रेड पॉइंट, दो सुपर रेड और छह ऑलआउट पॉइंट लिए गए। मराठी टीम ने तीन सुपर टैकल के जरिये वापसी की कोशिश की, लेकिन उनकी रेडिंग कमजोर रही। तेलुगु की संतुलित रणनीति और दमदार डिफेंस ने उन्हें आसान जीत दिलाई।

दूसरा मुकाबला:
पंजाबी टाइग्रेस ने भोजपुरी लेपर्डेस को 41-21 से हराकर धमाकेदार जीत दर्ज की। टाइग्रेस ने 22 रेड और 13 टैकल पॉइंट के साथ छह ऑलआउट लेते हुए दोनों ओर से दबदबा बनाया। भोजपुरी टीम केवल 12 रेड पॉइंट ही हासिल कर सकी और मुकाबले में पीछे रह गई।

तीसरा मुकाबला:
तमिल लायनेस ने हरियाणवी ईगल्स को 44-18 से करारी शिकस्त दी। तमिल टीम ने 24 रेड और 14 टैकल पॉइंट जुटाए और छह ऑलआउट के साथ पूरी तरह हावी रही। हरियाणवी टीम ने दो सुपर टैकल किए, लेकिन

तमिल टीम के जबरदस्त समन्वय और रणनीति के सामने टिक नहीं सकी। इस लीग में कुल 12 टीमें हिस्सा ले रही हैं, पुरुष वर्ग में मराठी वल्चर, भोजपुरी लेपर्ड, तेलुगु पैंथर्स, तमिल लायन्स, पंजाबी टाइगर्स और हरियाणवी शार्क्स शामिल हैं। जबकि महिला वर्ग में मराठी फाल्कन, भोजपुरी लेपर्डेस, तेलुगु चीता, तमिल लायनेस, पंजाबी टाइग्रेस और हरियाणवी ईगल्स मैदान में हैं।

पूर्व क्रिकेट कप्तान अजहरुद्दीन को झटका, उप्पल स्टेडियम से उनके नाम का स्टैंड हटाने के आदेश

एजेंसी
हैदराबाद। हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन (एचसीए) ने टीम इंडिया के पूर्व कप्तान अजहरुद्दीन को बड़ा झटका दिया है। लोकपाल न्यायमूर्ति ईश्वरैया के आदेश पर एसोसिएशन ने हैदराबाद स्थित उप्पल स्टेडियम के उत्तरी स्टैंड से अजहरुद्दीन का नाम हटाने का निर्देश दिया है। लोकपाल ने जांच के दौरान पाया कि अज़हर ने हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष रहते हुए खुद के नाम का स्टैंड घोषित करने का एकतरफा फैसला लिया था। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन और हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन के पूर्व अधिकारियों के खिलाफ 2023 में भ्रष्टाचार का मामला दर्ज किया गया था। एसोसिएशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुनील कांते बोस की शिकायत के आधार पर एचसीए के पूर्व अध्यक्ष अजहरुद्दीन और अन्य पूर्व पदाधिकारियों के खिलाफ उप्पल पुलिस स्टेशन में आईपीसी की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। हैदराबाद पुलिस ने अपनी प्राथमिक जांच में पाया कि इन सभी ने एसोसिएशन के धन का अनियमितताओं से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने पेश हुए थे। मामला दर्ज

दुरुपयोग किया था। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और कांग्रेस नेता मोहम्मद अजहरुद्दीन हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन में कथित वित्तीय होने के बाद भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान ने कहा था कि उनके खिलाफ आरोप झूठे और साजिश के तहत लगाए गए थे।

पीएसपीबी बाबा दीप सिंह हॉकी टूर्नामेंट में खालसा कॉलेज और डीयू एल्युमिना का जलवा

एजेंसी
नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में चल रहे पीएसपीबी चौथे बाबा दीप सिंह हॉकी और बास्केटबॉल टूर्नामेंट के दूसरे दिन मेजबान श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए किरोड़ी मल कॉलेज को पुरुष हॉकी मुकाबले में 7-1 से करारी शिकस्त दी। वहीं महिला वर्ग में दिल्ली

यूनिवर्सिटी एल्युमिना ने भी दमदार खेल दिखाते हुए भारती कॉलेज को 10-0 से हराकर टूर्नामेंट में अपनी पकड़ मजबूत कर ली।खालसा कॉलेज की तरफ से मोहित ने दो गोल दागे और टीम की बड़ी जीत में अहम भूमिका निभाई। उनके अलावा रिशुल अरोड़ा, तनुज, हर्ष तेवतिया, विपिन मिश्रा, सागर और पवन ने भी एक-एक गोल कर टीम का स्कोर सात तक पहुंचाया। किरोड़ी मल कॉलेज के लिए ध्रुव ने इकलौता गोल किया। शानदार प्रदर्शन के लिए मोहित को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। महिला हॉकी मुकाबले में दिल्ली यूनिवर्सिटी एल्युमिना की टीम ने एकतरफा खेल दिखाते हुए भारती कॉलेज को 10-0 से हराया। टीम की ओर से सोनाली ने हैट्रिक लगाई, जबकि नीलम शर्मा, पूजा निर्दोष और सुनीता रायडू ने 2-2 गोल किए। मनिता ने भी 1 गोल कर जीत में योगदान दिया। शानदार प्रदर्शन के लिए सोनाली को प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के चीफ कोच क्रेग फुल्टन का एशिया कप 2025 के लिए मजबूत कोर ग्रुप बनाने पर जोर

एजेंसी
नई दिल्ली। झांसी में हाल ही में समाप्त हुई 15वीं हॉकी इंडिया सीनियर मेन नेशनल चैंपियनशिप 2025 के बाद भारतीय पुरुष हॉकी टीम के चीफ कोच क्रेग फुल्टन ने टूर्नामेंट में दिखी प्रतिभा और गहराई पर संतोष जताया है। उन्होंने कहा कि इस प्रदर्शन से आगामी एशिया कप 2025 की तैयारियों के लिए एक मजबूत कोर ग्रुप तैयार करने में मदद मिलेगी।फुल्टन ने कहा कि उन्होंने पूरे टूर्नामेंट को बारीकी से देखा, खासकर तब जब शीर्ष टीमें आमने-सामने आईं, मुकाबले बेहद रोमांचक रहे। उन्होंने कहा, जब ताकतवर टीमें भिड़ीं, तो मुकाबले बहुत करीबी थे। गोलकीपिंग से लेकर अन्य पोजिशन तक अच्छी गहराई दिखी। साथ ही कुछ ऐसे खिलाड़ी भी दिखे जो अब तक लीग में नहीं खेले हैं। क्षेत्रीय प्रदर्शन पर बात करते हुए फुल्टन ने विजेता पंजाब की सराहना की, जहां सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी शामिल थे। उन्होंने कहा कि शीर्ष चार टीमों में संतुलन और गुणवत्ता अच्छी रही, लेकिन उसके बाद की टीमों में प्रदर्शन थोड़ा कमजोर दिखा। कोर ग्रुप के चयन

को लेकर फुल्टन ने स्पष्ट किया कि उम्र नहीं, बल्कि सही खिलाड़ी को सही भूमिका के लिए चुनना प्राथमिकता है। हम ज्यादा युवा नहीं, बल्कि सही खिलाड़ी को सही पोजिशन में फिट करना चाहते हैं। उन्होंने आगे कहा कि जल्द ही एक प्रशिक्षण कैंप आयोजित किया जाएगा जिसमें 54 संभावित खिलाड़ी शामिल होंगे, जिनमें से 40 खिलाड़ियों का कोर ग्रुप तैयार किया जाएगा। फुल्टन ने बताया कि अगले 18 महीने बेंच स्ट्रेंथ मजबूत करने के लिए बेहद अहम होंगे। स्काउटिंग को लेकर उन्होंने कहा कि हमने व्यक्तिगत प्रदर्शन के साथ-साथ टीम के टैक्टिकल फ्रेमवर्क में उनकी भूमिका को भी आंका। सबसे अहम था डिफेंस, चाहे वह वन-ऑन-वन हो या टीम डिफेंस। फील्ड गोल करने की क्षमता और टैक्टिकल परिस्थितियों से निपटने में सुधार की आवश्यकता को भी फुल्टन ने स्वीकारा। उन्होंने कहा, ÷ऐसे खिलाड़ी चाहिए जो मैन-टू-मैन और जोनल डिफेंस के खिलाफ गेंद को कुशलता से चला सकें, स्मार्टली प्रेस करें और दबाव में आउटलेट बना सकें।

ब्रिज एशिया-मिडिल ईस्ट में भारत का स्वर्णिम जलवा, सभी टीमें वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए क्वालिफाई

एजेंसी
नई दिल्ली। भारत ने दुबई में आयोजित ब्रिज फेडरेशन ऑफ एशिया एंड मिडिल ईस्ट चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन स्वर्ण पदक और एक रजत पदक अपने नाम किए। 10 से 18 अप्रैल तक चले इस टूर्नामेंट में पुरुष, महिला और सीनियर वर्ग में भारतीय टीमों ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि मिक्स्ड टीम ने रजत पदक हासिल किया। इस कामयाबी के साथ ही चारों भारतीय टीमों ने डेनमार्क में होने वाली वर्ल्ड ब्रिज चैंपियनशिप 2025 के लिए क्वालिफाई कर लिया है। दुबई में हुए इस टूर्नामेंट में 9 देशों की 25 टीमों ने भाग लिया। भारतीय पुरुष टीम में सुमित मुखर्जी, राजेश्वर तिवारी, सग्निक रॉय, कौस्तभ नंदी, कौस्तुभ मिलिंद बेंद्रे और सायंतन कुशारी शामिल रहे। कोच और नॉन-प्लेइंग कैप्टन की भूमिका में देबाशीष रे रहे। महिला टीम की ओर से पूजा बत्रा, आशा शर्मा, बिंदिया कोहली, प्रिया बालसुब्रमण्यम, भारती डे और

अलका एम क्षीरसागर ने स्वर्ण पदक दिलाया। कोच और नॉन-प्लेइंग कैप्टन अरविंद वैद्य रहे। सीनियर्स टीम में रामरतनम कृष्णन, बी प्रभाकर, बाचिराजू सत्यनारायण, जग्गी बी शिवदासानी, सुभाष गुप्ता और रवि गोयनका ने जीत दर्ज की। कोच गिरीश बिजूर ने टीम का मार्गदर्शन किया।मिक्स्ड टीम ने भी बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए रजत पदक हासिल किया। इस टीम में राजीव खंडेलवाल, हिमानी खंडेलवाल, राणा रॉय, शीतल बंसल, प्रियरंजन सिन्हा और बिंदिया नायडू शामिल थे। कोच विनय देसाई रहे।

अब डेनमार्क में वर्ल्ड चैंपियनशिप में भिड़ेंगी भारतीय टीमें: 47वीं वर्ल्ड ब्रिज चैंपियनशिप 2025 का आयोजन 20 से 31 अगस्त तक हर्निंग, डेनमार्क में होगा। इसमें भारत समेत 35 देशों की 66 टीमें हिस्सा लेंगी। वर्ल्ड चैंपियनशिप में बर्मूडा बाउल, वेनिस कप, डी'ऑर्सी ट्रॉफी और वुहान कप जैसी प्रतिष्ठित स्पर्धाएं होंगी।

देबाशीष रे ने बताई आगे की रणनीति: टीम के चीफ-डी-मिशन और पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी देबाशीष रे ने इस उपलब्धि पर खुशी जताई और कहा, यह दुबई में हमारा क्लीन स्वीप रहा, लेकिन डेनमार्क में मुकाबला और कड़ा होगा। अगले 3-4 महीनों में हमें अपनी तैयारी और मज़बूत करनी होगी। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए कोचों की रिपोर्ट के आधार पर टीम में कुछ बदलाव संभव हैं।

क्रोएशिया के पूर्व खिलाड़ी पोक्रिवैक की कार दुर्घटना में मौत

ज़ाग्रेब (क्रोएशिया)। क्रोएशिया के पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी निकोला पोक्रिवैक की अपने देश में एक कार दुर्घटना में मौत हो गई है। क्रोएशियाई फुटबॉल महासंघ ने इसकी पुष्टि की है। 39 वर्षीय मिडफील्डर ने अपने करियर में दिनामो ज़ाग्रेब, एएस मोनाको और आरबी साल्ज़बर्ग के लिए खेला और 2008 से 2010 तक 15 अंतरराष्ट्रीय मैच जीते। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, पोक्रिवैक को 2015 में हॉजकिन के लिंफोमा का पता चला था, जिसके कारण उन्हें पेशेवर फुटबॉल से संन्यास लेना पड़ा लेकिन वह 2021 में शौकिया फुटबॉल में लौट आए और पिछली गर्मियों में निचली लीग की टीम एनके वोजनिक में शामिल हो गए।

एशियाई अंडर-18 खिताब के बाद अब खेलो इंडिया यूथ गेम्स में चमक बिखेरने को तैयार हिमांशु

एजेंसी
नई दिल्ली। सऊदी अरब के दम्माम में आयोजित एशियाई अंडर-18 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पुरुष भाला फेंक स्पर्धा में भारत के हिमांशु जाखड़ ने इतिहास रच दिया। हिमांशु ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 67.57 मीटर दूर भाला फेंक कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस ऐतिहासिक जीत के बाद अब हिमांशु की नजरें 4 से 15 मई तक बिहार में होने वाले खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 पर टिकी हैं। हरियाणा के झज्जर जिले के सलाहवास गांव के रहने वाले 17 वर्षीय हिमांशु ने यह स्वर्ण पदक चीन के लू हाओ (63.45 मीटर) और उज्बेकिस्तान के रुसलान सदुल्लाएव (61.96 मीटर) को पीछे छोड़ते हुए हासिल किया। किसान परिवार से ताल्लुक रखने वाले हिमांशु के पिता दलवीर और मां रीना भी अपने बेटे की इस उपलब्धि से बेहद खुश हैं।

नीरज चोपड़ा से लेते हैं प्रेरणा: हिमांशु ने साई मीडिया को बताया कि पांच साल पहले भाला उठाया था और शुरुआती ट्रेनिंग गांव में ही ली। पिछले कुछ सालों से वो साइ सेंटर हिसार में कोच अरविंद के मार्गदर्शन में अभ्यास कर रहे हैं। हिमांशु ने कहा, ÷यह अनुभव बहुत शानदार रहा। देश के लिए गोल्ड जीतना मेहनत और अच्छे प्रशिक्षण का ही नतीजा है। मेरी प्रेरणा हमेशा ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा रहे हैं। मैं उनकी विनम्रता और दबाव में भी शांत रहने की कला से बहुत कुछ सीखता हूं।

हिमांशु ने कहा, अब मेरा अगला लक्ष्य खेलो इंडिया यूथ गेम्स है, जहां मैं अपनी काबिलियत दिखाकर देश के प्रतिभा खोजकर्ताओं का ध्यान खींचना चाहता हूं। यह मंच हमारे जैसे युवाओं के लिए बहुत अहम है, जिससे हम आगे चलकर देश का प्रतिनिधित्व कर सकें। गौरतलब है कि हिमांशु ने इससे पहले 700 ग्राम के भाले में 74.56 मीटर का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दिसंबर 2024 में नेशनल जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में किया था।

बटलर और रदरफोर्ड के तूफान ने गुजरात को नंबर एक पर पहुंचाया

एजेंसी
अहमदाबाद। जॉस बटलर (97 नाबाद) और शरफ़ेन रदरफ़ोर्ड (43) के बीच 119 रन की रिकार्ड साझीदारी की मदद से गुजरात जायंट्स (जीटी) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 35वें मैच में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) को सात विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ सात मैचों में पांच जीत के साथ औसत रन रेट के आधार पर अंकतालिका में पहले स्थान पर पहुंच गया है वहीं दिल्ली भी इतने ही अंक के साथ दूसरे स्थान पर है। जॉस बटलर और रदरफ़ोर्ड के बीच 119 रन की साझेदारी आईपीएल में तीसरे विकेट के लिए जीटी की तरफ़ सबसे बड़ी साझेदारी है, उन्होंने सुंदर और शुभमन गिल के 90 रनों की साझेदारी का रिकॉर्ड तोड़ दिया। दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) ने पहले खेलते हुये निर्धारित 20 ओवर में गुजरात टाइटंस के खिलाफ आठ विकेट पर 203 रन बनाये थे जिसके जवाब में गुजरात ने विजय लक्ष्य 19.2 ओवर में तीन विकेट खोकर हासिल कर लिया। राहुल तेवतिया (11 नाबाद) की लगातार दो गेंदों में छक्का और चौका लगा कर अपनी टीम को शानदार जीत दिला दी।

नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में कप्तान शुभमन गिल (7) का विकेट सस्ते में गिरने के बाद साई सुदर्शन (36) का साथ देने जॉस बटलर क्रीज पर आये। दोनो ने तेजी से रन बटोरते हुये 60 रन की बहुमूल्य साझीदारी कर टीम की नींव को मजबूत किया। सुदर्शन का विकेट आठवें ओवर में कुलदीप ने लिया। बाद में बटलर ने नये बल्लेबाज रदरफोर्ड के साथ मिलकर रनों की बारिश शुरु कर दी जिसे रोकने में दिल्ली के गेंदबाजों के पसीने छूट गये। रदरफोर्ड 19वें ओवर में मुकेश कुमार का शिकार बने। आखिरी ओवर में टीम को जीत के लिये 11 रन की दरकार थी जबकि बटलर को शतक के लिये मात्र तीन रन चाहिये थे।कप्तान अक्षर पटेल ने अपने सबसे अनुभवी गेंदबाज मिचेल स्टार्क को गेंद यह सोचकर थमायी कि वह पिछले मैच का कारनामा दोहरा कर जीत दिलायेंगे मगर स्टार्क की पहली गेंद यार्कर बनने से चूकी और तेवतिया ने उसे हवा में उडाते हुये बाउंड्री के पार पहुंचा दिया और इसके साथ ही दिल्ली की जीत की उम्मीदें हवा हो गयीं। शतक से चूके बटलर ने अपनी मैच जिताऊ पारी के दौरान 54 गेंद खेल कर 11 चौके और चार छक्के लगाये।इससे पहले दिल्ली ने पहले पॉवर प्ले का भरपूर इस्तेमाल करते हुये तेज शुरुआत की और 12 रन प्रति ओवर से भी अधिक गति से रन जुटाये। हालांकि इस बीच मेहमान टीम को अभिषेक पोरल (18) और कप्तान के एल राहुल (28) का विकेट गंवाना पड़ा। तेज शुरुआत के बाद मध्यक्रम ने अपनी जिम्मेदारी का बखूबी निभाया और करुण नायर (31),कप्तान अक्षर पटेल (39),ट्रिस्टन स्टब्स (31) और आशुतोष शर्मा की तेज तर्रार पारियों ने गुजरात के गेंदबाजों को न सिर्फ हताश किया बल्कि चिलचिलाती धूप में क्षेत्ररक्षकों का भी पसीना निकाल दिया। दिल्ली का स्कोर 220 से भी अधिक हो सकता था मगर गुजरात के गेंदबाजों ने पुछल्ले बल्लेबाजों को खुल कर खेलने का मौका नहीं दिया। पारी की आखिरी 14 गेंदो में सिर्फ 11 रन आये। तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने अपने स्पेल में 41 रन देकर चार महत्वपूर्ण विकेट झटके वहीं मो सिराज,इशांत शर्मा,अरशद खान और साई किशोर ने एक एक विकेट निकाला। गुजरात के कप्तान शुभमन गिल ने पारी का आखिरी ओवर स्पिनर साई किशोर को दिया जिसमें उन्होने आशुतोष को बांधे रखा और ज़्यादा रन नहीं बनाने दिया। साथ ही प्रसिद्ध ने भी कमाल की गेंदबाज़ी करते हुए चार विकेट निकाले। वहीं सिराज ने अपने पहले दो ओवरो में काफ़ी रन लुटाने के बाद अपने दूसरे स्पैल के दो ओवरों में सिर्फ़ 14 रन देकर एक विकेट लिया। साथ ही इशांत ने भी तीन ओवरों में सिर्फ़ 19 रन ख़र्च किया।

आईटीसी ने मदर स्पर्श में किया 81 करोड़ का निवेश

एजेंसी

नई दिल्ली। रोजमर्रा की घरेलू वस्तुएं बनाने वाली प्रमुख एफएमसीजी कंपनी आईटीसी लिमिटेड ने शिशु देखभाल ब्रांड मदर स्पर्श में अपनी हिस्सेदारी 26.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 49.3 प्रतिशत करने के लिए लगभग 81 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की है। कंपनी ने बताया कि यह निवेश दो चरणों में प्राथमिक सदस्यता और द्वितीयक खरीद के माध्यम से किया जाएगा, जिसे वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही तक पूरा कर लिया जाएगा। इस रणनीतिक निवेश के साथ आईटीसी का मदर स्पर्श में कुल निवेश बढ़कर करीब 126 करोड़ रुपये हो जाएगा। कंपनी ने यह भी संकेत दिया है कि वह आगामी दो से तीन वर्षों में पूर्व निर्धारित मूल्यांकन और शर्तों के आधार पर शेष हिस्सेदारी भी अधिग्रहित करने की योजना बना रही है। आईटीसी के पर्सनल केयर कारोबार के डिविजनल चीफ एग्जीक्यूटिव समीर सत्पथी ने कहा, यह अधिग्रहण एक भविष्य के लिए तैयार, नवोन्मेषी और उपभोक्ता-केंद्रित उत्पाद पोर्टफोलियो बनाने की हमारी दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है। मदर स्पर्श के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) हिमांशु गांधी ने आईटीसी के निरंतर समर्थन को सराहा और कहा, आईटीसी के अनुभव और संसाधनों के साथ मदर स्पर्श अब अगली पीढ़ी की माताओं की जरूरतों को और बेहतर तरीके से पूरा कर सकेगा। यह अधिग्रहण आईटीसी की आईटीसी नेक्स्ट रणनीति के अनुरूप है, जो भविष्योन्मुख उत्पाद नवाचार, ब्रांड विस्तार और डिजिटल क्षमताओं को मजबूत करने पर केंद्रित है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में घटबढ़ के बीच घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी

कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर सप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 3.17 प्रतिशत उबलकर 64.45 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। वहीं, लंदन ब्रेंट क्रूड 0.16 प्रतिशत की गिरावट के साथ 67.85 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

डीजीटीआर ने मार्च में 13 डंपिंग रोधी मामलों में अंतिम निष्कर्ष जारी किए

नयी दिल्ली। वाणिज्य मंत्रालय की जांच इकाई डीजीटीआर ने मार्च में 13 डंपिंग रोधी मामलों में अंतिम निष्कर्ष जारी किए हैं, जिनमें से अधिकतर चीन के खिलाफ हैं। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) ने मार्च में 11 जांच भी शुरू की हैं। डीजीटीआर ने विटामिन-ए पामिटेट, अघुलनशील सल्फर, एल्युमीनियम फॉयल, प्लास्टिक प्रोसेसिंग मशीन, डिजिटल ऑफसेट प्रिंटिंग प्लेट और सजावटी कागज जैसे उत्पादों की डंपिंग के खिलाफ अंतिम निष्कर्ष जारी किए। इन 13 मामलों में 12 चीन के खिलाफ हैं। इन जांचों में शामिल अन्य देशों में यूरोपीय संघ, जापान, ताइवान, रूस और थाईलैंड शामिल हैं। वाणिज्य मंत्रालय के तहत डीजीटीआर डंपिंग रोधी, प्रतिकारी शुल्क और सुरक्षा उपायों सहित सभी व्यापार उपचारात्मक उपायों को लागू करने वाला सर्वोच्च प्राधिकरण है। अमेरिका और चीन के एक-दूसरे पर जवाबी शुल्क लगाने से निदेशालय की भूमिका महत्वपूर्ण हो गई है, क्योंकि उच्च आयात शुल्क दोनों देशों में वस्तुओं को अधिक महंगा बना रहे हैं। ऐसे में भारत जैसे देशों में माल खपाने की कोशिश होगी।

भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता 23 अप्रैल से

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के अधिकारी प्रस्तावित व्यापार समझौते के लिए 23 अप्रैल से वाशिंगटन में तीन दिवसीय वार्ता करेंगे। इस बातचीत में टैरिफ, गैर-टैरिफ बाधाओं और सीमा शुल्क सुविधा से जुड़े 19 अध्यायों पर चर्चा होगी। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी है। भारतीय अधिकारियों का दल अमेरिका में आधिकारिक दल 90-दिवसीय टैरिफ विराम अवधि में वार्ता को और गति देने और द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के लिए औपचारिक रूप से वार्ता शुरू करेगी। इससे पहले कुछ मुद्दों पर मतभेदों को दूर करने के लिए इन पर मंथन होगा। भारत के मुख्य वार्ताकार, वाणिज्य विभाग में अतिरिक्त सचिव राजेश अग्रवाल, दोनों देशों के बीच पहली आमने-सामने की वार्ता के लिए टीम का नेतृत्व करेंगे। अग्रवाल को 18 अप्रैल को अगला वाणिज्य सचिव नियुक्त किया गया था। वे 1 अक्तूबर से पदभार ग्रहण करेंगे। अधिकारी ने कहा, दोनों पक्ष महत्वाकांक्षा के स्तर पर चर्चा करेंगे। कार्य-दर-नियमों को आगे विकसित किया जाएगा और उन पर चर्चा की जाएगी। वार्ता का मार्ग क्या होगा? कार्य-दर-नियमों में टैरिफ, गैर-टैरिफ बाधाएं, उत्पत्ति के नियम, माल, सेवाएं, सीमा शुल्क सुविधा तथा विनियामक मुद्दे जैसे मुद्दे शामिल होंगे।

एचडीएफसी बैंक का शुद्ध लाभ मार्च तिमाही में 6.6 फीसदी बढ़कर 17,616 करोड़ रुपये

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के निजी क्षेत्र के सबसे बड़े एचडीएफसी बैंक ने वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) के नतीजे का ऐलान कर दिया है। 31 मार्च को समाप्?त चौथी तिमाही में एचडीएफसी बैंक का एकल आधार पर शुद्ध लाभ 6.6 फीसदी बढ़कर 17,616 करोड़ रुपये रहा है। बैंक ने एक रुपये प्रति इक्विटी शेयर पर 22 रुपये का लाभांश देने की सिफारिश की है।

शेयर बाजार को दी गई जानकारी में एचडीएफसी बैंक ने बताया कि 31 मार्च, 2025 को समाप्?त चौथी तिमाही में एचडीएफसी बैंक का एकल आधार पर शुद्ध लाभ 6.6 फीसदी बढ़कर 17,616 करोड़ रुपये रहा है। इससे पिछले वित?त वर्ष 2023-24 की सामान तिमाही में बैंक का मुनाफा 16,512 करोड़ रुपये रहा था। बैंक के मुताबिक जनवरी-मार्च तिमाही में

उसकी कुल आमदनी 89,488 करोड़ रुपये थी, जो वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में 89,639 करोड़ रुपये रही थी। बैंक की ब्याज से आमदनी वित्त वर्ष 2024-25 की जनवरी-मार्च तिमाही के दौरान 77,460 करोड़ रुपये रही, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 71,473 करोड़ रुपये थी। एचडीएफसी बैंक के निदेशक मंडल ने पिछले वित्त वर्ष 202-25 के लिए एक रुपये प्रति इक्विटी शेयर पर 22 रुपये का लाभांश देने की सिफारिश की है। बैंक की सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) भी मार्च, 2025 के अंत तक सकल ऋण के 1.33 फीसदी तक बढ़ गईं, जो एक साल पहले 1.24 फीसदी थीं। इसी तरह शुद्ध एनपीए यानी खराब ऋण पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही के अंत में 0.33 फीसदी से बढ़कर 0.43 फीसदी हो गए। इसके अलावा एकीकृत आधार पर बैंक का शुद्ध लाभ जनवरी-मार्च तिमाही में 6.8 फीसदी की वृद्धि के साथ 18,835 करोड़ रुपये रहा है, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में यह 17,622 करोड़ रुपये था।

एलन मस्क इस साल के अंत में भारत आएंगे, प्रधानमंत्री मोदी से बातचीत के बाद शेयर किया पोस्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। टेस्ला इंक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एलन मस्क इस साल के अंत में भारत दौरे पर आएंगे। मस्क

ने घोषणा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ फोन पर हुई बातचीत के एक दिन बाद की है। एलन मस्क ने 'एक्स' पोस्ट पर लिखा कि पीएम मोदी के साथ बात करना सम्मान की बात थी। मैं इस साल के अंत तक भारत आने की प्रतीक्षा कर रहा हूं। एलन मस्क ने अपने इस पोस्ट में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक्स पर शेयर की गई पोस्ट का जवाब देते हुए यह बात लिखी है। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने एलन मस्क से बातचीत के बाद अपने एक्स पोस्ट अकाउंट पर लिखा था, 'एलन मस्क से बातचीत की और विभिन्न मुद्दों के बारे में चर्चा की, जिसमें इस साल की शुरुआत में वाशिंगटन डीसी में हमारी बैठक के दौरान शामिल किए गए विषय शामिल थे। हमने प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्रों में सहयोग की अपार क्षमता पर चर्चा की। भारत इन डोमेन में अमेरिका के साथ हमारी साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

भारत-अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते के संदर्भ में शामिल हैं 19 अध्याय

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए दोनों देशों द्वारा अंतिम रूप दिए गए संदर्भ की शर्तों (टीओआर) में करीब 19 अध्याय शामिल हैं। इनमें माल, सेवाओं और सीमा शुल्क की सुविधा जैसे मुद्दों को शमिल किया गया है।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि वार्ता को और अधिक गति देने के लिए भारत की एक आधिकारिक टीम अगले हफ्ते वाशिंगटन का दौरा कर रही है, ताकि प्रस्तावित भारत-अमेरिकी द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के लिए औपचारिक रूप से बातचीत शुरू करने से पहले कुछ मुद्दों पर मतभेदों को दूर किया जा सके।

भारत के मुख्य वार्ताकार, वाणिज्य विभाग में अतिरिक्त सचिव राजेश अग्रवाल, दोनों देशों के बीच पहले व्यक्ति की बातचीत के लिए टीम का नेतृत्व करेंगे। राजेश अग्रवाल को 18 अप्रैल को अगले वाणिज्य सचिव के रूप में नियुक्त

किया गया था। वह 1 अक्टूबर से अपना पदभार ग्रहण करेंगे। जानकारी के मुताबिक वाशिंगटन में अमेरिकी समकक्षों के साथ तीन दिवसीय भारतीय आधिकारिक टीम की बातचीत बुधवार, 23 अप्रैल से शुरू होगी। यह यात्रा एक उच्चस्तरीय अमेरिकी टीम के भारत दौरे के कुछ ही सप्ताह के भीतर हो रही है। उल्लेखनीय है कि दोनों पक्ष अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा नए टैरिफ पर 09 अप्रैल को घोषित 90 दिनों की रोक का उपयोग करना चाहते हैं।

जिंसों में टिकाव

एजेंसी

नई दिल्ली। स्थानीय स्तर पर आवक और उठाव बराबर रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेल समेत सभी जिंसों के भाव स्थिर रहे। इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे।

दाल-दलहन : दाल-दलहन के बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चना, दाल चना, मसूर दाल, मूंग दाल, उड़द दाल और अरहर दाल के भाव पिछले दिवस के स्तर पर स्थिर रहे।

अनाज : अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान गेहूं और चावल के दाम पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे।

सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के थोक दाम इस प्रकार रहे :-

दाल-दलहनः चना 5750-5850, दाल चना 6750-6850, मसूर काली 7550-7650, मूंग

दाल 9550-9650, उड़द दाल 9000-9100, अरहर दाल 8500-8600 रुपये प्रति क्विंटल रहे।

अनाजः (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2950-3050 रुपये और चावल 3450-3550 रुपये प्रति क्विंटल रहा।

चीनी-गुड़ : चीनी एस 4280-4380, चीनी एम. 4400-4500, मिल डिलीवरी 3620-3720 और गुड़ 4250-4350 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये।

खाद्य तेल : सरसों तेल 15385 रुपये, मूंगफली तेल 19047 रुपये, सूरजमुखी तेल 16703 रुपये, सोया रिफाइंड 14835 रुपये, पाम ऑयल 13187 रुपये और वनस्पति तेल 16484 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा है।

भारत ने समुद्री मार्ग से अमेरिका को 14 टन अनार की पहली खेप निर्यात की

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने पहली बार समुद्री मार्ग से अमेरिका को 14 टन अनार का निर्यात किया है। कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने महाराष्ट्र से अमेरिका के लिए भारतीय अनार की पहली वाणिज्यिक समुद्री खेप भेजी है। पारंपरिक रूप से निर्यात हवाई मार्ग से किया जाता था। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि भारत ने पहली बार समुद्री मार्ग से अमेरिका को 14 टन अनार का निर्यात किया है। पहले पारंपरिक रूप से निर्यात हवाई मार्ग से किया जाता था। अब उद्योग लागत प्रभावी और टिकाऊ समुद्री मार्ग माल ढुलाई के लिए अपना रहा है। मंत्रालय के

आधिकारिक बयान के अनुसार भारत ने पिछले महीने भारतीय अनार के 4,620 बक्सों की पहली समुद्री खेप, जिसका वजन लगभग 14 टन था, मार्च के दूसरे सप्ताह में अमेरिका के पूर्वी तट पर पहुंच गई। महाराष्ट्र के अहिल्यानगर से यह अनार अमेरिका के न्यूयॉर्क को निर्यात की गई है। एपीडा के अध्यक्ष अभिषेक देव ने कहा, भारत सरकार वैश्विक बाजार के लिए भारतीय ताजा फलों को बढ़ावा देने में अग्रणी रही है। एपीडा पहले ही अनापत्ति कार्यक्रम के लिए वित्त व?यवस?था करके अमेरिका में आम और अनार जैसे भारतीय फलों के निर्यात में सहायता कर रहा है। उन?होंने कहा कि ÷अनार की बेशकीमती भारतीय भगवा किस्म÷ की ऐतिहासिक वाणिज्यिक समुद्री खेप सफलतापूर्वक अमेरिका पहुंच गई है, जो देश के ताजे फलों के निर्यात के लिए मील का पत्थर है।

एचडीएफसी बैंक का तिमाही मुनाफा 6.9 प्रतिशत बढ़ा

एजेंसी

मुंबई। निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक लिमिटेड का 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में सकल शुद्ध मुनाफा इसके पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के 17622.38 करोड़ रुपये के मुकाबले 6.9 प्रतिशत बढ़कर 18834.88 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। बैंक ने शेयर बाजार को बताया कि उसे वित्त वर्ष 2024-25 की जनवरी-मार्च तिमाही में 18834.88 करोड़ रुपये का सकल शुद्ध मुनाफा हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही के 17622.38 करोड़ रुपये से 6.9 प्रतिशत अधिक है। हालांकि इस अवधि में उसकी कुल आय में 3.3 प्रतिशत की कमी हुई और यह 124391.35 करोड़ रुपये से घटकर 120268.76 करोड़ रुपये पर आ गया। इसी तरह उसका कुल व्यय भी 92819.42 करोड़ रुपये से कम होकर 90890.01 करोड़ रुपये रह गया। एचडीएफसी ने बताया कि उसे वित्त वर्ष 2024-25 में 70792.25 करोड़ रुपये का सकल शुद्ध मुनाफा हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 के 64062.04 करोड़ रुपये के मुकाबले 10.5 प्रतिशत अधिक है। आलोच्य अवधि में उसकी कुल आय 407994.77 करोड़ रुपये से 15.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी लेकर 470915.93 करोड़ रुपये हो गया। इस दौरान उसका कुल खर्च भी 306407.89 करोड़ रुपये से 360499.27 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी के निदेशक मंडल ने 31 मार्च, 2025 को समाप्त वित्त वर्ष के लिए एक रुपये अंकित मूल्य के प्रति इक्विटी शेयर पर 22 रुपये का अंतिम लाभांश घोषित करने की सिफारिश की है।

सीतारमण अमेरिका और पेरू की यात्रा पर

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण आगामी 20 अप्रैल से अमेरिका और पेरू की आधिकारिक यात्रा पर जाएंगी। अमेरिका की यात्रा के दौरान, केंद्रीय वित्त मंत्री 20 से 25 अप्रैल तक सैन फ्रांसिस्को और वाशिंगटन का दौरा करेंगी। सैन फ्रांसिस्को की अपनी यात्रा के दौरान, केंद्रीय वित्त मंत्री सैन फ्रांसिस्को के स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के हूवर इंस्टीट्यूशन में 'विकसित भारत 2047 की नींव रखना' विषय पर मुख्य भाषण देंगी, जिसके बाद एक फायरसाइड चैट में भाग लेंगी।श्रीमती सीतारमण निवेशकों के साथ गोलमेज बैठक के दौरान प्रमुख फंड प्रबंधन फर्मों के शीर्ष सीईओ के साथ बातचीत भी करेंगी, इसके अलावा सैन फ्रांसिस्को स्थित शीर्ष सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) फर्मों के सीईओ के साथ बैठकें भी करेंगी। श्रीमती सीतारमण सैन फ्रांसिस्को में भारतीय प्रवासियों की विशेषता वाले एक कार्यक्रम में भी भाग लेंगी और वहां बसे भारतीय समुदाय के साथ बातचीत करेंगी। बाइस से 25 अप्रैल तक वाशिंगटन की अपनी यात्रा के दौरान, श्रीमती सीतारमण अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक की वसंत बैठक, द्वितीय जी20 वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नर (एफएमसीबीजी) बैठक, विकास समिति प्लेनरी, आईएमएफसी प्लेनरी और वैश्विक संप्रभु ऋण गोलमेज (जीएसडीआर) बैठक में भाग लेंगी। इस दौरान, श्रीमती सीतारमण अर्जेंटीना, बहरीन, जर्मनी, फ्रांस, लक्जमबर्ग, सऊदी अरब, ब्रिटेन और अमेरिका सहित कई देशों के अपने समकक्षों के साथ द्विपक्षीय बैठकें करेंगी; इसके अलावा यूरोपीय संघ के वित्तीय सेवाओं के आयुक्त; एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के अध्यक्ष; एशियाई अवसंरचना निवेश बैंक (एआईआईबी) के अध्यक्ष; वित्तीय स्वास्थ्य के लिए संयुक्त राष्ट्र महासचिव के विशेष अधिवक्ता (यूएनएसजीएसए); और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के प्रथम उप प्रबंध निदेशक से मुलाकात करेंगी। छब्बीस से 30 अप्रैल तक पेरू की अपनी पहली यात्रा के दौरान वित्त मंत्री वित्त मंत्रालय के अधिकारियों और व्यापार जगत के नेताओं के एक भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगी, जो दोनों देशों के बीच मजबूत होते द्विपक्षीय आर्थिक और व्यापार संबंधों पर प्रकाश डालेंगे। लीमा से अपनी यात्रा की शुरुआत करते हुए श्रीमती सीतारमण के पेरू की राष्ट्रपति दीना बोलुआर्ट और पेरू के प्रधानमंत्री गुस्तावो एड्रियनजेन से मिलने की उम्मीद है।इसके अलावा वह पेरू के वित्त और अर्थव्यवस्था, रक्षा, ऊर्जा और खान मंत्रियों के साथ द्विपक्षीय बैठकें करेंगी; और स्थानीय जन प्रतिनिधियों के साथ बातचीत भी करेंगी। पेरू की अपनी यात्रा के दौरान, केंद्रीय वित्त मंत्री भारत-पेरू व्यापार मंच की बैठक की अध्यक्षता करेंगी, जिसमें भारत और पेरू दोनों देशों के प्रमुख व्यापार प्रतिनिधि शामिल होंगे। श्रीमती सीतारमण पेरू में वर्तमान में काम कर रहे भारतीय निवेशकों और व्यवसायों के साथ-साथ पेरू का दौरा करने वाले भारतीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल के साथ भी बातचीत करेंगी। महत्वपूर्ण खनिजों और कीमती धातुओं की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में पेरू के महत्व को देखते हुए, इन बैठकों के दौरान खनन क्षेत्र में अधिक सहयोग के लिए रास्ते तलाशे जाने की भी उम्मीद है, विशेष रूप से भारत की संसाधन सुरक्षा को मजबूत करने और दोनों अर्थव्यवस्थाओं के बीच मूल्य-श्रृंखला संबंधों को सुविधाजनक बनाने के लिए।

मुंबई एयरपोर्ट 9 मई को छह घंटे के लिए बंद रहेगा, दो रनवे की होगी मरम्मत

एजेंसी

मुंबई। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई का छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (सीएसएमआईए) 9 मई को सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक छह घंटे के लिए बंद रहेगा। इस दौरान मानसून से पहले दो रनवे बंद करके रखरखाव के लिए मरम्मत कार्य किया जाएगा। एयरपोर्ट परिचालक मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (एमआईएएल) ने एक बयान में बताया कि मानसून की शुरुआत से पहले हवाई पट्टी के रखरखाव के कारण यह फैसला लिया गया है। नियोजित शटडाउन सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे के बीच होगा, जिस दौरान दो रनवे-09/27 और 14/32 से परिचालन नहीं होगा। एमआईएएल ने कहा कि यह कार्य हर साल मानसून शुरू होने से पहले हवाई अड्डे के रनवे को अच्छी स्थिति

में रखने के लिए किया जाता है। इससे जलभराव जैसी समस्याओं को रोकने में मदद मिलती है, ताकि बारिश के मौसम में उड़ानें सुरक्षित रूप से उतर सकें और उड़ान भर सकें। विशेषज्ञ टीमें रनवे की सतहों पर किसी तरह के नुकसान या टूट-फूट की जांच करेंगी और जरूरी मरम्मत करेंगी। मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड ने कहा कि सभी एयरलाइंस और एयरपोर्ट टीमों को पहले से सूचित करने के लिए छह महीने पहले नोटिस टू एयरमैन (नोटम) जारी किया गया था। इससे एयरलाइंस को अपने उड़ान शेड्यूल को समायोजित करने की अनुमति मिल गई है।

'बदलती वैश्विक स्थिति के बीच नीतिगत कार्रवाई में आरबीआई सक्रिय'

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडोनेशिया के बाली में 24वें एफआईएमएमडीए-पीडीएआई के वार्षिक सम्मेलन में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बोलते हुए कहा कि, पिछला साल वैश्विक स्तर पर वित्तीय बाजारों के लिए चुनौतिपूर्ण भरा रहा, वहीं वर्तमान में भी व्यापार युद्ध के कारण अनिश्चितताएं बनी हुई हैं। आरबीआई गवर्नर ने उच्च मुद्रास्फीति के खिलाफ उनकी लड़ाई को अंतिम चरण में पहुंचाने और अनिश्चितता के माहौल में नए रास्ते बनाने की बात कही। उन्होंने कहा कि अनिश्चितता भरे माहौल में भी भारतीय वित्तीय बाजार स्थिर रहे हैं और सभी खंड ने बेहतर प्रदर्शन किया है। यह सम्मेलन में भारतीय वित्तीय बाजार - बदलते परिवेश में मार्गदर्शन पर रहा जहां मौजूदा समय में वित्तीय बाजारों के प्रदर्शन पर चर्चा की गई। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा वित्तीय बाजारों ने उल्लेखनी प्रदर्शन किया है, जबकि वे अनिश्चित और अस्थिर वैश्विक वातावरण की अनिश्चितताओं से अछूते नहीं हैं। जैसा कि हमने हाल ही में मौद्रिक नीति की घोषणा के बाद अपने बयान में उल्लेख किया है, हमारे घरेलू विकास मुद्रास्फीति संतुलन में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। जिसकी वजह से वित्त वर्ष 2026 में मुद्रास्फीति 4 प्रतिशत के लक्ष्य के अनुरूप बने रहने का अनुमान है।

अमेरिकी टैरिफ से अरब देशों के गैर-तेल निर्यात को खतरा : संयुक्त राष्ट्र एजेंसी

एजेंसी

बेरूत। संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक आयोग पश्चिमी एशिया (ईएससीडब्ल्यूए) के अनुसार, अमेरिका में व्यापार संरक्षणवाद में आई तेज बढ़ोतरी अरब देशों की अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ा रही है, जिससे 22 अरब डॉलर मूल्य के गैर-तेल निर्यात को खतरा पैदा हो गया है।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, जॉर्डन सबसे कमजोर स्थिति में दिख रहा है, क्योंकि उसके लगभग एक चौथाई सामान अमेरिका को भेजे जाते हैं। बहरीन को भी चिन्हित किया गया है, क्योंकि वह अमेरिका को एल्यूमीनियम और रासायनिक पदार्थों का निर्यात बहुत ज्यादा करता है।

इस बीच, संयुक्त अरब अमीरात को लगभग 10 अरब डॉलर के अमेरिकी सामानों के फिर से निर्यात में रुकावट आ सकती हैं। ईएससीडब्ल्यूए ने यह चेतावनी भी दी है कि खाड़ी सहयोग परिषद

(जीसीसी) की अर्थव्यवस्थाएं वैश्विक तेल कीमतों में तेज गिरावट के कारण बढ़ते वित्तीय तनाव का सामना कर रही हैं। ईएससीडब्ल्यूए ने आगे कहा, गैर-जीसीसी देशों के लिए भी वित्तीय चुनौतियां और बढ़ सकती हैं। मिस्र, मोरक्को, जॉर्डन और ट्यूनीशिया को 2025 में वैश्विक बॉन्ड यील्ड में वृद्धि और निवेशकों की अनिश्चितता के कारण संप्रभु ब्याज भुगतान में सामूहिक रूप से 114 मिलियन डॉलर अतिरिक्त भुगतान करना पड़ सकता है। इस कारण राष्ट्रीय बजट पर दबाव बढ़ेगा और विकास पहलों में देरी हो सकती है।

ईएससीडब्ल्यूए की रिपोर्ट ऐसे समय में आई है जब इस महीने की शुरुआत में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्यापक विरोध के बीच अपने व्यापारिक साझेदारों पर तथाकथित पारस्परिक टैरिफ लगाने के कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किया। ट्रंप ने पहले कहा था, जो देश अमेरिका के साथ जुलाई 9 तक कोई समझौता नहीं कर पाते, उनके उत्पादों पर घोषित पारस्परिक टैरिफ लागू कर दिए जाएंगे। भारत के लिए, इसका मतलब होगा कि टैक्स फिर से बढ़कर 26 प्रतिशत हो जाएगा, जो पहले 10 प्रतिशत कर दिया गया था। अन्य देशों के लिए भी दरें उसी तरह संशोधित की गई हैं, जिन्होंने अमेरिका के खिलाफ टैरिफ बढ़ाने की बजाय बातचीत का रास्ता चुना है, जैसे कि चीन।

उर्वशी रौतेला

के खिलाफ कार्रवाई हो...' मंदिर वाले बयान पर बुरी फंसी एक्ट्रेस

फिल्म एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला अक्सर ही अपने बयानों को लेकर चर्चा में बनी रहती हैं. कई बार सोशल मीडिया पर उन्हें अपने बयानों की वजह से ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा है. एक बार फिर से वो विवादों में घिर गई हैं. हाल ही में उन्होंने एक ऐसा बयान दिया, जिसको लेकर अब उनके खिलाफ कार्रवाईओ की मांग हो रही है. उनका कहना है कि उत्तराखंड में बद्रीनाथ में उनका मंदिर है.

उनके इस बयान ने एक नए विवाद को जन्म दे दिया है. साधु संतों के साथ-साथ लोगों में भी उनके खिलाफ नाराजगी दिख रही है. बद्रीनाथ मंदिर के पूर्व धर्म अधिकारी भुवन उनियाल ने कहा, हम इसका घोर विरोध करते हैं. ये बात गलत है. समाज में इसका गलत संदेश जाएगा. हमतो कहते हैं कि सरकार को ऐसे लोगों के खिलाफ एक्शन लेना चाहिए. जब से सुना है कि उर्वशी रौतेला बद्रीनाथ की भगवती उर्वशी की मंदिर को अपना बता रही हैं, तब से हम बहुत दुख में हैं. हम बहुत पीड़ा में हैं.

जब अमिताभ-गोविंदा पर अकेले भारी पड़ गए थे शाहरुख खान, 10 करोड़ी फिल्म से की थी छप्परफाड़ कमाई

शाहरुख खान ने साल 2023 में एक-दो बार नहीं बल्कि तीन-तीन बार बॉक्स ऑफिस लूटा था. पहले उन्होंने 'पठान' और फिर 'जवान' से सुर्खियां बटोरी थी. इसके बाद उसी साल 'डंकी' जैसी सुपरहिट फिल्म भी दी थी. शाहरुख की जवान उस साल की सबसे ज्यादा कमाने वाली बॉलीवुड फिल्म बनी थी. वैसे ये कारनामा शाहरुख पहले भी कर चुके हैं.शाहरुख खान की 27 साल पहले आई एक फिल्म भी उस साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली पिक्चर साबित हुई थी. उनकी मूवी ने अमिताभ बच्चन और गोविंदा जैसे दिग्गजों की फिल्म को भी पछाड़ दिया था. शाहरुख की पिक्चर का बजट सिर्फ 10 करोड़ रूपये था, लेकिन इसने टिकट विंडो पर 106 करोड़ रुपये का कलेक्शन करके कई रिकॉर्ड ब्रेक कर दिए थे.

'कुछ कुछ होता है' थी 1998 की सबसे कमाऊ फिल्म

शाहरुख खान ने अपने 33 साल के करियर में एक से बढ़कर एक फिल्मों से फैंस को अपना दीवाना बनाया है. उनकी बेहतरीन फिल्मों की लिस्ट में 'कुछ कुछ होता है' को भी शामिल किया जाता है. इसमें शाहरुख ने काजोल और रानी मुखर्जी जैसी मशहूर अदाकाराओं के साथ मिलकर बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया था.

'कुछ कुछ होता है' 16 अक्टूबर 1998 को दिवाली के खास मौके पर रिलीज हुई थी. इसके प्रोड्यूसर यश जौहर थे, जबकि इसे डायरेक्ट किया था उनके बेटे करण जौहर ने. शाहरुख ने राहुल खन्ना, काजोल ने अंजली शर्मा और रानी मुखर्जी ने टीना मल्होत्रा नाम का किरदार निभाया था. 10 करोड़ में बनी इस फिल्म में इस तिकड़ी ने ऐसा जादू चलाया कि इसने वर्ल्डवाइड 106 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था और ये उस साल की सबसे ज्यादा कमाई वाली हिंदी फिल्म रही.

'बड़े मियां छोटे मियां' को दी थी पटखनी

1998 की दूसरी सबसे ज्यादा कमाई वाली फिल्म 'दूल्हे राजा' थी जिसमें गोविंदा लीड रोल में थे. जबकि उस साल की तीसरी सबसे कमाऊ फिल्म 'बड़े मियां छोटे मियां' थी. ये फिल्म हिट साबित हुई थी लेकिन शाहरुख की 'कुछ कुछ होता है' से आगे नहीं निकल पाई. इसमें अमिताभ बच्चन और गोविंदा की जोड़ी ने फैंस का खूब मनोरंजन किया था. बड़े मियां छोटे मियां भी 10 करोड़ में ही बनी थी, लेकिन इसकी वर्ल्डवाइड कमाई 35 करोड़ रुपये ही हो पाई थी.